नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, शनिवार 24 जनवरी 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 248 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

यूके दौरे के दौरान ब्रिटेन की मंत्री सीमा मल्होत्रा से बात करते झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन

विकसित भारत के लिए सभी की भूमिका जरूरी : नौसेना प्रमुख

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के सीसीएल सभागार में शुक्रवार को विकसित भारत विषय पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रक्षा राज्यमंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने युवाओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विकसित भारत के सपने, उसकी जिम्मेदारियों और आने वाली पीढ़ी की भूमिका पर विस्तार से बात रखी। आयोजन में नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी, स्कूली बच्चे, एनसीसी कैडेट्स और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। कलाकारों के गायन और संगीत ने माहौल को जीवंत बना दिया। नौसेना प्रमुख ने मंच से कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि मंच पर प्रस्तुति देना आसान नहीं होता, इसके पीछे कड़ी मेहनत होती है। उन्होंने सभी कलाकारों का आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक और गौरवशाली है। शुक्रवार 23 जनवरी को बसंत पंचमी, मां सरस्वती की पूजा और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 119वीं जयंती का दिन है। इस पर उन्होंने कहा कि रांची जैसे ऐतिहासिक शहर में युवाओं के बीच आकर संवाद करने का अवसर मिला, यह उनके लिए गर्व की बात है। इसके लिए उन्होंने रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ का विशेष रूप से धन्यवाद किया। नौसेना प्रमुख ने कहा कि उन्हें युवाओं के बीच जाना हमेशा खुशी देता है। जब भी अवसर मिलता है, वे युवाओं से संवाद करने से पीछे नहीं हटते। यह उनकी रांची की पहली यात्रा है लेकिन इस धरती से जुड़ाव उन्हें खास महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत 2047 की ओर बढ़ेगा, आज के युवा सिर्फ विकसित भारत के नागरिक

नहीं होंगे बल्कि विकसित भारत के रचयिता भी होंगे। नौसेना प्रमुख ने रिले रेस का उदाहरण देते हुए कहा कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपने का समय आ गया है। आज की पीढ़ी ने अपनी दौड़ लगभग पूरी कर ली है और अब अगली पीढ़ी को मजबूत भारत की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि 2047 का भारत किसी एक सरकार या एक संस्था का सपना नहीं बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने युवाओं से कहा कि यदि 2047 के भारत को एक फिल्म के रूप में देखा जाए तो उसके निर्माता, निर्देशक, अभिनेता और अभिनेत्री, सब आप ही हैं। यह आपके लिए गर्व का विषय भी है और चुनौती भी। 2047 के बाद जब आप पीछे मुड़कर देखेंगे तो आपके सामने भारत की विकास यात्रा होगी, जिसकी कहानी आपने खुद लिखी होगी। नौसेना प्रमुख ने कहा कि पहले विकसित भारत एक नारा लगता था लेकिन आज यह आम आदमी की सोच बन चुका है। चाहे एयरपोर्ट हो, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड या सड़क, हर जगह आम नागरिक इस सपने को अपनी जिम्मेदारी मान चुका है। उन्होंने कहा कि भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना, 100 प्रतिशत साक्षरता हासिल करना कोई असंभव लक्ष्य नहीं है, अगर सभी मिलकर काम करें। विकसित भारत की तस्वीर पर बात करते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा कि आने वाले वर्षों में दुनिया के किसी भी देश का नागरिक यह सोचे कि वह अपने बच्चे को पढ़ाई, मेडिकल या तकनीकी शिक्षा के लिए भारत भेजना चाहता है, यही विकसित भारत की असली पहचान होगी। सबसे बड़ी उपलब्धि यह होगी कि लोग भारत की नागरिकता को गर्व से अपनाना चाहें। उन्होंने झारखंड की धरती को भगवान बिरसा मुंडा की धरती बताते हुए कहा कि यह भूमि संघर्ष, बलिदान और आत्मसम्मान की प्रतीक रही है। झारखंड तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा सिर्फ सेना, नौसेना या वायुसेना तक सीमित नहीं है बल्कि आंतरिक सुरक्षा से जुड़े हर व्यक्ति की इसमें भूमिका है। जब तक देश सुरक्षित नहीं होगा, तब तक विकास अधूरा रहेगा। अपने संबोधन के अंत में नौसेना प्रमुख ने कहा कि 2047 सिर्फ एक लक्ष्य नहीं बल्कि एक ऐतिहासिक यात्रा है, जिसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। यही युवा आने वाले भारत की दिशा और दशा तय करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

स्कूटी से सड़क पर गिरा युवक, कार ने रौंदा

गुमला (नबिटा ब्यूरो)। जिला मुख्यालय के मेन रोड स्थित उपहार दुकान के पास शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना हुई। तेज रफ्तार स्कूटी से युवक सड़क पर गिर गया। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही एक सफ़ेद रंग की कार ने उसे रौंद दिया और मौके से फरार हो गई। घटना के बाद कुछ देर तक स्थानीय लोग स्तब्ध रह गए। इधर, यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार

रामगढ़ (नबिटा ब्यूरो)। रामगढ़ पुलिस ने पतरातू क्षेत्र से ब्राउन शुगर के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गुरुवार को शैतान चौक के पास एंटी-क्राइम चेकिंग के दौरान विशाल कुमार नामक युवक को पकड़ा गया। उसके पास से 6.9 ग्राम हेरोइन (ब्राउन शुगर), 16400 रुपए नकद, एक मोबाइल फोन और एक लाइटर बरामद हुआ। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर पतरातू क्षेत्र में छापेमारी और एंटी-क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया।

खेतको में जंगली हाथी का उत्पात

गिरिडीह (नबिटा ब्यूरो)। जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के खेतको गांव में गुरुवार रात एक जंगली हाथी ने उत्पात मचाया। हाथी ने गांव के एक स्कूल की चहारदीवारी और सरस्वती पूजा पंडाल को क्षतिग्रस्त कर दिया। स्कूल परिसर में सरस्वती पूजा की तैयारियां चल रही थीं। हाथी ने तैयार किए गए पूजा पंडाल और स्थापित प्रतिमा को पूरी तरह तोड़ दिया। ग्रामीणों के अनुसार, हाथी रात के अंधेरे में अचानक स्कूल में घुस आया और यह नुकसान पहुंचाया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। हालांकि पूजा समिति और ग्रामीणों को भारी आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ा है। लोगों में हाथी की वजह से दहशत का माहौल है।

तालाब में मिला युवक का शव

देवघर (नबिटा ब्यूरो)। जिले के रिखिया थाना क्षेत्र स्थित पुनसिया तालाब से एक 30 वर्षीय युवक का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान बलसारा गांव निवासी सत्यम राम के रूप में हुई है। शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। मृतक के पिता ने पुलिस को बताया कि सत्यम राम नशे का आदी था। शनिवार देर रात करीब दो बजे वह बाथरूम जाने की बात कहकर घर से निकला था। घर के पास ही पुनसिया तालाब की ओर जाने के बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने रात भर उसकी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। आज सुबह ग्रामीणों ने तालाब में युवक का शव तैरता हुआ देखा, जिसके बाद रिखिया थाना पुलिस को सूचना दी गई।

पलामू में एनएचएआइ फोरलेन पर फायरिंग की साजिश नाकाम

सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान गैंग के आठ अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। गैंगस्टर सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान का गठजोड़ पलामू में एनएचएआइ के फोरलेन निर्माण स्थल पर रंगदारी वसूलने के लिए गोलीबारी कराने की फिराक में था। पलामू पुलिस ने इस साजिश को नाकाम करते हुए गिरोह के आठ अपराधियों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। एसपी रीष्मा रमेशन के अनुसार सुजीत सिन्हा गिरोह को वर्तमान में मयंक सिंह की तरह छद्म नाम कुबेर से संचालित किया जा रहा है। सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान गिरोहों के बीच कुबेर समन्वयक का काम कर रहा है। योजना के तहत गोलीबारी में यदि कामयाब रहते तो सुजीत सिन्हा का नाम होता और पकड़े जाने पर प्रिंस खान का नाम लेना था, ताकि सुजीत सिन्हा का नाम केस में नहीं आए और विदेश में रह रहे प्रिंस खान तक पुलिस पहुंचेगी नहीं। एसपी को गुरुवार को सूचना मिली थी कि चियांकी ओवरब्रिज और सिंगरा स्थित निर्माण कंपनी के कैंप पर गोलीबारी की योजना बनाई जा रही है। इस सूचना पर कार्रवाई के लिए सदर एसडीपीओ के

नेतृत्व में स्पेशल टीम का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान चियांकी निर्माणाधीन ओवरब्रिज, सिंगरा फोरलेन अमानत नदी के पास और सिंगरा निर्माणाधीन ओवरब्रिज से आठ युवकों को अवैध हथियार, गोलियों के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों में गढ़वा निवासी अमित चौधरी उर्फ रितिक चौधरी (25), पलामू का आकाश शुक्ला (25), कौशल पासवान उर्फ सौरभ कुमार (19), नीरज चन्द्रवंशी (20), छोटन पासवान उर्फ एलेक्स पीहु (25), अख्तर अंसारी (19), अविनाश गिरि (25) और बॉबी कुमार राम (19) शमिल हैं। सभी पहले भी जेल जा चुके हैं और जेल में ही इनकी मुलाकात हुई थी। कुबेर के सम्पर्क में गिरफ्तार अमित चौधरी था, जिसे घटना को अंजाम देने के बाद विदेश भाग जाना था। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे कुख्यात अपराधी प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा के नाम पर गोलीबारी कर मजदूरों में भय फैलाना चाहते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो देशी पिस्टल, दो देशी कट्टा, चार मैगजीन, 14 जिंदा कारतूस, सात मोबाइल फोन, तीन मोटरसाइकिल और एक धमकी भरा पर्चा बरामद किया है।

एक करोड़ रुपए की अफीम जब्त

हजारीबाग (नबिटा ब्यूरो)। जिले के लोहसिंघना थाना क्षेत्र में पुलिस ने 20.5 किलोग्राम अफीम जब्त की है। इस कार्रवाई में तीन अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया गया। जब्त अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत एक करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट के तहत की है। सदर एसडीपीओ अमित आनंद ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार शहर के कोलघटी क्षेत्र में एक सफ़ेद अपाचे बाइक पर सवार तीन युवक एक बोरे में संदिग्ध सामान लेकर घूम रहे थे। सूचना के सत्यापन के बाद एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया, जिसने इलाके में सघन चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग अभियान के दौरान कोलघटी के पास संदिग्ध बाइक सवार को रोका गया। तलाशी लेने पर बाइक पर रखे बोरे से भारी मात्रा में अफीम बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर ही तीनों युवकों को हिरासत में ले लिया और अफीम के साथ बाइक को भी जब्त कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपक कुमार दांगी, बरुण कुमार और सुदेश यादव के रूप में हुई है। ये तीनों चतरा जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र के निवासी हैं।

पलामू टाइगर रिजर्व के अधिकारियों को मिली दंडाधिकारी की शक्ति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पीटीआर में तैनात डिप्टी डायरेक्टर एवं रेंज ऑफिसर को सरकार ने दंडाधिकारी की पावर दी है। वहीं वन्य जीव की सुरक्षा में 25-25 की संख्या में दो हथियारबंद प्लाटून की तैनाती की मंजूरी दी है। वन्य जीव की सुरक्षा में पहले चरण में 25-25 की संख्या में हथियारबंद होमगार्ड जवानों की तैनाती की जाएगी। दरअसल हाल के दिनों में पलामू टाइगर रिजर्व के इलाके में शिकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हुई है और एक इंटरनेशनल रैकेट भी पकड़ा गया है। इसके बाद पलामू टाइगर रिजर्व के इलाके में वन्य जीव की सुरक्षा को लेकर कई कदम उठाए जा रहे हैं। पलामू टाइगर रिजर्व करीब 1149 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। फिलहाल पलामू टाइगर रिजर्व की सुरक्षा की कमान 300 ट्रैक्टर एवं 100 फॉरेस्ट गार्ड के हाथों में है। वन्य जीव की सुरक्षा डंडे एवं पारंपरिक हथियार के साथ होती है। पलामू टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर एवं रेंज अधिकारियों को दंडाधिकारी की शक्ति मिलने के बाद कई बदलाव देखने को मिलेंगे। वन्य जीव के खिलाफ कार्रवाई के दौरान जब्त सामग्री के लिए बाहर से दंडाधिकारी की जरूरत नहीं होगी। न्यायालय प्रक्रिया के लिए पलामू टाइगर रिजर्व के अधिकारी खुद से सक्षम होंगे। वन्य जीव की मौत के मामले में पोस्टमार्टम के दौरान पलामू टाइगर रिजर्व के अधिकारी सक्षम रहेंगे। दोनों तरह की कार्रवाई के दौरान पलामू टाइगर रिजर्व के अधिकारियों को बाहर से दंडाधिकारी की मांग की जाती थी। वन्य जीव की तस्करी एवं शिकार करने वाले अपराधियों का पलामू टाइगर रिजर्व कॉल डिटेल एवं बैंक खातों की डिटेल निकालने के अधिकार की मांग कर रहा है। इस संबंध में एक प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो के नागपुर कार्यालय को कॉल डिटेल एवं बैंक खातों की डिटेल निकालने का अधिकार है। देश के कई राज्यों में खासकर मध्य प्रदेश में टाइगर रिजर्व एवं वन विभाग से जुड़े हुए अधिकारी तस्करों की कॉल डिटेल एवं बैंक खातों की डिटेल निकाल पाते हैं। झारखंड में वन विभाग के अधिकारियों के पास इससे संबंधित अधिकार प्राप्त नहीं है।

असामाजिक तत्वों ने स्कूल की तीन बस समेत चार वाहनों में लगाई आग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। जिले के पिंड्राजोड़ा थाना क्षेत्र में बीती देर रात गुरुकुल पब्लिक स्कूल की तीन बसों को असामाजिक तत्वों ने आग के हवाले कर दिया। इस घटना में तीन बस सहित एक अन्य वाहन जलकर खाक हो गया। हादसे के समय आग लगाने वालों ने वॉचमैन और निदेशक के दरवाजे की कुंडी बाहर से लगा दी थी। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस जांच में जुटी है। आग लगाने वालों ने घटना को अंजाम देने से पहले सीसीटीवी के तार काट दिए थे। अब पुलिस सीसीटीवी की डिवाइस की जांच कर रही है। वहीं इस हादसे में करीब एक करोड़ 80 लाख के नुकसान होने का अनुमान है। स्थानीय लोग आगजनी की घटना को सुनियोजित बता रहे हैं। स्कूल प्राचार्य कृष्ण गोपाल पांडे ने बताया कि असामाजिक तत्वों ने पहले सीसीटीवी कैमरे के तार काट दिए। उसके बाद घटना को अंजाम दिया। इतना ही नहीं स्कूल परिसर के भीतर चौकीदार और प्राचार्य के कमरों को बाहर से लॉक कर दिया गया ताकि कोई बाहर न निकल सके। इधर चौकीदार उत्तम कुमार महतो ने बताया कि आग की लपटें देखने के बाद मैंने शोर मचाया तब जाकर हॉस्टल में रह रहे छात्रों ने दरवाजा खोला। पिंड्राजोरा थाना पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस ये पता करने में लगी है कि आगजनी के पीछे किसकी मंशा थी? पुलिस आसपास के इलाकों में लगे कैमरों और स्थानीय सुरागों के आधार पर जांच कर रही है। शिक्षाविद् एवं स्थानीय जयदेव महतो ने कहा कि आग लगाने वालों द्वारा बस में नहीं बल्कि छात्रों के भविष्य में आग लगाने का प्रयास किया गया है जो काफी निंदनीय है।

भाजपा के नये प्रदेश अध्यक्ष ने संभाला कार्यभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। बसंत पंचमी के अवसर पर झारखंड भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने शुक्रवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में विधिवत रूप से अध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालने से पूर्व उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन-पूजन किया और संगठन की मजबूती तथा राज्य के कल्याण की कामना की। प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचने पर आदित्य साहू का भव्य स्वागत किया गया। कार्यालय परिसर भाजपा के झंडों और नारों से गूंज उठा। उन्हें बधाई देने के लिए सैकड़ों कार्यकर्ता, पदाधिकारी और समर्थक मौजूद रहे।

इस दौरान सांसदों, विधायकों और वरिष्ठ नेताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। पदभार ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि झारखंड में भाजपा संगठन को जमीनी स्तर तक और अधिक सशक्त व धारदार बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी का हर कार्यकर्ता भाजपा की असली ताकत है और सभी को साथ लेकर राज्य की जनविरोधी सरकार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी। आदित्य साहू ने स्पष्ट किया कि संगठनात्मक अनुशासन, कार्यकर्ताओं का सम्मान और जनता से सीधा संवाद उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल देते हुए सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विधानसभा में मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, अरुण कुमार झा, परशुराम, संजय कुमार जायसवाल, शिवपूजन पाठक, वरुण साहू, प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष सहित कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। नेताओं ने कहा कि आदित्य साहू के नेतृत्व में झारखंड भाजपा को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी।

सरस्वती पूजा को लेकर रांची में उमंग, छात्रों में दिखा खासा उत्साह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी में सरस्वती पूजा को लेकर विद्यार्थियों के बीच खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। ज्ञान, विद्या और बुद्धि की देवी मां सरस्वती की आराधना को लेकर शहर के स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान और छात्रावास पूरी तरह से भक्तिमय माहौल में रंगे नजर आ रहे हैं। जगह-जगह आकर्षक पूजा पंडाल बनाए गए जहां विधि-विधान से मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गयी। सरस्वती पूजा, खासकर विद्यार्थी वर्ग का प्रमुख पर्व माना जाता है। ऐसे में छात्रों में इस दिन को लेकर विशेष खुशी देखी जा रही है। छोटे बच्चे हो या कॉलेज, विश्वविद्यालय के छात्र, सभी नए वस्त्र पहनकर, हाथों में किताबें और वाद्य यंत्र लेकर पूजा पंडालों की ओर जाते दिखे। कई स्थानों पर मां सरस्वती की प्रतिमा को पारंपरिक सफ़ेद और पीले रंग की थीम में सजाया गया है, जो ज्ञान और पवित्रता का प्रतीक मानी जाती है। शहर

के विभिन्न इलाकों में क्लबों और सामाजिक संस्थाओं की ओर से भी भव्य पूजा पंडाल लगाए गए हैं। कहीं थीम आधारित सजावट तो कहीं पारंपरिक ग्रामीण परिवेश को दर्शाते पंडाल आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। पूजा समितियों द्वारा साफ-सफाई, सुरक्षा और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। कई स्थानों पर स्वयंसेवक व्यवस्था संभालते नजर आए। शिक्षक और कोचिंग संस्थानों में भी सरस्वती पूजा का अलग ही उल्लास देखने को मिल रहा है। कोचिंग सेंटरों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं सामूहिक रूप से पूजा में शामिल हो रहे हैं। शिक्षकों के साथ विद्यार्थी मां सरस्वती से ज्ञान, सफलता और उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रहे हैं। कई संस्थानों में पूजा के बाद प्रसाद वितरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया है। विद्यार्थियों का कहना है कि सरस्वती पूजा उन्हें पढ़ाई के प्रति नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच देती है। परीक्षाओं के समय से पहले होने वाली यह पूजा छात्रों के मनोबल को बढ़ाती है और आत्मविश्वास पैदा करती है। अभिभावकों में भी खुशी देखी जा रही है कि उनके बच्चे भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़े हुए हैं। शहर में पूजा को लेकर बाजारों में भी रौनक बढ़ी हुई है। फूलों, अगरबत्तियों, पूजा सामग्री और सजावटी सामानों की दुकानों पर दिनभर भीड़ लगी रही। खासकर पीले फूलों और प्रसाद की मांग अधिक रही। राजधानी रांची में सरस्वती पूजा सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की आस्था, अनुशासन और सामूहिक उत्सव का प्रतीक बनकर सामने आई है। पूरे शहर में भक्तिभाव, उल्लास और सकारात्मक ऊर्जा का माहौल साफ तौर पर महसूस किया जा रहा है।

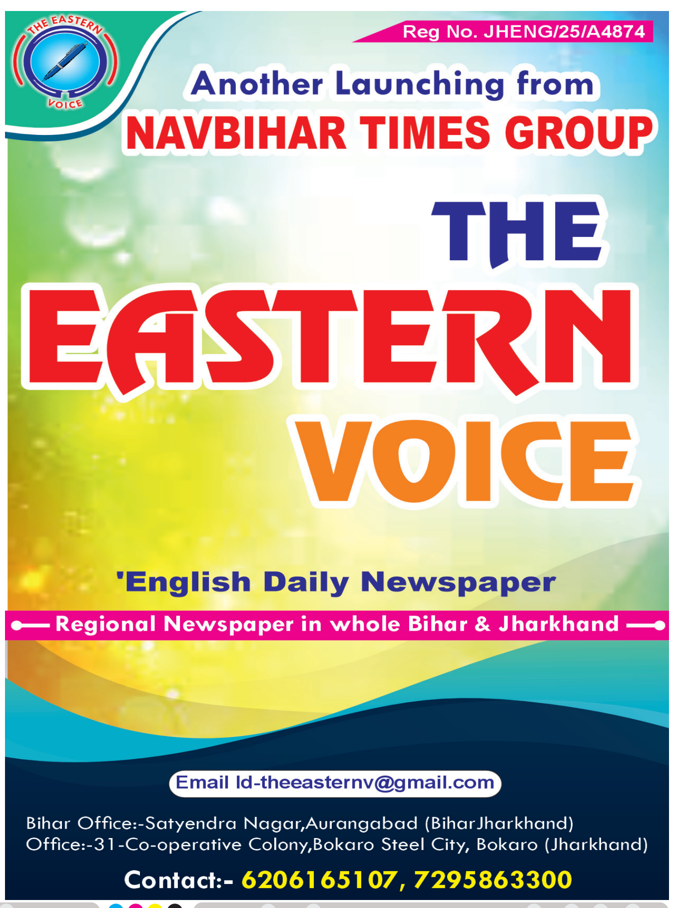

झारखण्ड से गहरा जुड़ाव रहा है नेताजी का

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। आज सुभाष चंद्र बोस की जयंती है। राष्ट्र बोस दो का याद कर रहा है। झारखंड से उनका खास लगाव रहा था। बोस की झारखंड यात्राएं 1928 से शुरू हुईं और 1941 तक चलीं। वे रांची से धनबाद तक कई जगह गए।

स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े नेता और मजदूर यूनियन लीडर्स उनके टच में रहते थे। धनबाद में उनके चाचा अशोक बोस बरारी कोक प्लांट में कार्यरत थे। यहीं से गोमो (तत्कालीन नाम) स्टेशन जा कर आखिरी बार ट्रेन पकड़े अंग्रेजों की पकड़ से बाहर निकले और अंग्रेजों के खिलाफ विदेश की धरती से जंग लड़ते रहे। दोबारा देश उनको नहीं देख पाया।

वरिष्ठ पत्रकार राकेश परिहार बताते हैं- नेताजी सुभाष चंद्र बोस की झारखंड (तत्कालीन बिहार प्रांत का हिस्सा) से गहरी कड़ी थी, जो 1928 से 1941 तक फैली हुई है। उनकी यात्राएं मुख्य रूप से स्वतंत्रता संग्राम, मजदूर आंदोलनों और राजनीतिक सम्मेलनों से जुड़ी थीं। बोस ने यहां कई बार दौरा किया, भाषण दिए और यहां से ही अपना ऐतिहासिक पलायन किया।

झारखंड में उनके स्मारक आज भी उनकी क्रांतिकारी विरासत को जीवित रखते हैं। नीचे नेताजी की प्रमुख यात्राएं का वर्णन है।

1928 में बोस जमशेदपुर पहुंचे, जहां वे टाटा स्टील के मजदूरों के आंदोलन से जुड़े। उन्होंने टाटा स्टील प्रबंधन से मुलाकात की और मजदूरों के कल्याण के लिए सुधार सुझाए, जैसे बेहतर आवास और वेतन। ये सुझाव बाद में लागू किए गए। बोस यहां टाटा लेबर एसोसिएशन के साथ काम कर चुके थे और मजदूर संघ के पहले अध्यक्ष भी थे।

1930 से 1941 के बीच बोस ने धनबाद के कई दौरे किए। वे यहां कोयला मजदूरों के आंदोलन से जुड़े और धनबाद कोल माइनर्स यूनियन के संस्थापक थे। स्थानीय निवासियों के अनुसार, बोस ने यहां कई सभाएं कीं और मजदूरों को संगठित किया। 1941 में ही वे गोमो स्टेशन से ट्रेन पकड़ कर पेशावर गए।

17 जनवरी 1941 की रात गोमो के लिए यादगार है। वरिष्ठ पत्रकार बिनय शंकर झा बताते हैं- कलकत्ता (तत्कालीन नाम) से भागकर वे अपने भतीजे शिशिर बोस के साथ कार से गोमो पहुंचे। यहां उन्होंने शेख मोहम्मद अब्दुल्लाह के घर में रुके और पठान के वेश में हावड़ा-पेशावर एक्सप्रेस (तत्कालीन 63 अप ट्रेन) पकड़ी।

यह 'द ग्रेट एस्केप' के रूप में जाना जाता है, जिसके बाद वे अफगानिस्तान होते हुए जर्मनी पहुंचे। बोस ने गोमो के जंगलों में छिपकर स्वतंत्रता सेनानियों से मुलाकात भी की। यह उनकी भारत में अंतिम ज्ञात उपस्थिति थी। गोमो रेलवे स्टेशन का नाम वर्ष 2009 में तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव द्वारा बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस जंक्शन (गोमो) रखा गया। नेताजी 17 जनवरी 1941 की रात अपनी पत्नी, भतीजे शिशिर बोस और चाचा अशोक बोस के साथ कार से तोपचांची होते हुए गोमो पहुंचे थे। यहां से वे पेशावर के रास्ते रेंगुनी पहुंचे और फिर गुमनामी के अंधेरे में विलीन हो गए। नेताजी की यह पूरी योजना गोपनीय थी।

नेताजी की गोमो यात्रा की एक कहानी लोको बाजार स्थित अब्दुल्ला हाता से भी जुड़ी है। अधिवक्ता एसएम फकरुल्लाह (64) जो शेख अब्दुल्ला के पोते हैं। वे बताते हैं कि उनके दादा के अनुसार नेताजी पठान वेश में देर शाम अपने भतीजे के साथ उनके घर आए थे। कुछ समय ठहरने के बाद नेताजी ने गोमो स्टेशन जाने की इच्छा जताई और इसे पूरी तरह गोपनीय रखा गया। किरायेदार अमीन दर्जी के साथ उन्हें स्टेशन भेजा गया। जिन्होंने कालका मेल का टिकट कटवाया था।

18-20 मार्च 1940 में बोस रामगढ़ में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 53वें सत्र में शामिल हुए। उन्होंने महात्मा गांधी की अहिंसक नीति का विरोध करते हुए 'एंटी-कॉम्प्रोमाइज कॉन्फ्रेंस' का आयोजन किया, जो सुबाष चौक (तत्कालीन राजेंद्र पार्क) में हुआ। यह सम्मेलन फॉरवर्ड ब्लॉक और किसान सभा द्वारा आयोजित था। बोस ने यहां युवाओं को संबोधित किया और उग्र संघर्ष की अपील की। यह घटना स्वतंत्रता आंदोलन में एक महत्वपूर्ण मोड़ थी।

1940 में बोस रांची पहुंचे, जहां वे लालपुर इलाके में फनिंद्रा नाथ अयकट के घर रुके। वे खूंटी होते हुए रांची आए और रामगढ़ सम्मेलन से पहले यहां रुके। 1940-1941 के बीच कई दौरे हुए, जहां बोस ने स्थानीय नेताओं से मुलाकात की।

रामगढ़ सत्र से लौटते हुए बोस देवघर पहुंचे, जहां उन्होंने रामकृष्ण मिशन के ब्रह्मानंद भवन में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया। यह भाषण स्वतंत्रता और युवा भागीदारी पर केंद्रित था।

रामगढ़ से लौटते हुए बोस ने हजारीबाग और गिरिडीह का दौरा किया, जहां उन्होंने स्थानीय कार्यकताओं से चर्चा की। ये यात्राएं उनके व्यापक नेटवर्क का हिस्सा थीं।इन यात्राओं ने झारखंड के लोगों को स्वतंत्रता के लिए प्रेरित किया और बोस की छवि को मजबूत किया। झारखंड में बोस की स्मृति में कई स्मारक और प्रतिमाएं हैं, जो ऐतिहासिक महत्व रखते हैं।

पूर्वी सिंहभूम जिले के चकुलिया में स्थित यह पार्क 98 लाख रुपये की लागत से बना। यहां बोस की जीवन-आकार की प्रतिमा है, जो स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि देती है। पार्क वार्ड नंबर 10 में एफसीआई गोदाम के पास है और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का केंद्र है।

2009 में स्टेशन का नाम बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस गोमो जंक्शन किया गया। प्लेटफॉर्म 1 और 2 के बीच कांस्य प्रतिमा स्थापित है, जो 1941 के पलायन को याद दिलाती है। एक पट्टिका पर घटना का वर्णन है। हाल ही में, 2025 में नेताजी की 128वीं जयंती पर धनबाद में नई जीवन-आकार प्रतिमा का अनावरण किया गया।

धनबाद के कोयलांचल क्षेत्र के बीच बलिहारी एरिया में सुभाष पार्क बना था। 1992-93 में इस पार्क में उनसे जुड़ी यादों को सहेजने का प्रयास किया गया था। अब कोयला खनन और निजी आउटसोर्सिंग एजेंसी की वजह से यह बदहाल है। इसके संरक्षण की जरूरत है।

1940 के एंटी-कॉम्प्रोमाइज कॉन्फ्रेंस स्थल को सुभाष चौक नाम दिया गया, जो अब सिख रेजिमेंटल सेंटर का हिस्सा है। यहां स्मारक बोस की क्रांतिकारी दृष्टि को सम्मानित करता है।

सरस्वती पूजा नहीं मनाये जाने के विरोध में

स्कूल गेट पर धरना पर बैठे विधायक

तस्वीर मंगाकर की पूजा अर्चना एवं भजन कीर्तन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। प्रखंड के लेस्लीगंज बाजार स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में सरस्वती पूजा का आयोजन नहीं किया गया। इसकी सूचना मिलते ही पांकी के विधायक कुशवाहा डा शशिभूषण मेहता भड़क उठे। गुस्से में विधायक मध्य विद्यालय पहुंचे। देखा कि स्कूल का गेट बंद है। विद्यालय में सरस्वती पूजा नहीं मनाए जाने को लेकर वे विद्यालय के गेट के सामने धरना पर बैठ गए। उन्होंने वहीं मां सरस्वती की तस्वीर मंगाकर पूजा अर्चना व भजन कीर्तन कराई। मौके पर विधायक ने शिक्षा विभाग के निदेशक, डीईओ व डीएसई से दूरभाष पर बात की। उन्होंने विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार व शिक्षकों को तत्काल यहां से हटाने की मांग की। विधायक ने कहा कि आजादी पूर्व 1872 में इस विद्यालय की स्थापना हुई। तब से लेकर अब तक प्रखंड मुख्यालय होने के कारण प्रत्येक वर्ष इस विद्यालय में मां सरस्वती की प्रतिमा रखकर बड़ी ही धूमधाम से पूजा होती चली आ रही थी। बावजूद प्रभारी प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार ने यहां पूजा की परंपरा को बंद करा दिया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पर भी सवाल उठाया। बताया कि जाफर खान नामक व्यक्ति को नियम विरुद्ध समिति अध्यक्ष के रूप में रखा गया है। मौके पर बीईओ को तत्काल विद्यालय प्रबंधन समिति भंग करने का आदेश दिया। मौके पर जिला विधायक प्रतिनिधि सह मंडल अध्यक्ष प्रकाश मेहता, सुनील कुशवाहा, छोटेलाल सोनी, लाला प्रसाद यादव, प्रो.बच्चन ठाकुर, कमेश यादव, सुधीर तिवारी, दिलीप गोस्वामी, मंदीप मेहता, मोहन भागवत, बिजेंदर वर्मा, आनंद कुमार, कार्तिक उरांव समेत काफी लोग शामिल थे।

तीन दिनों तक फ्रीजर में रखी रही लाश

पंचायत का फरमान- पहले जमीन, फिर संस्कार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीतामढ़ी। जिले के सुरसंड थाना क्षेत्र के मलाही गांव में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां करंट लगने से किसान की मौत के बाद उसका शव तीन दिनों तक फ्रीजर में रखा गया, क्योंकि पंचायत ने मुआवजे के रूप में तय चार कट्ठा जमीन की रजिस्ट्री को अंतिम संस्कार की शर्त बना दिया था। एक तरफ घर में मातम पसरा था, परिजन रो-रो कर बेहाल थे, तो दूसरी तरफ कागजी कार्रवाई पूरी होने का इंतजार चल रहा था। इस घटना ने ग्रामीण समाज में पंचायत व्यवस्था, कानून और मानवीय संवेदना तीनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यह दर्दनाक हादसा 20 जनवरी को हुआ। मलाही गांव निवासी किसान नईम अंसारी (55) अपने खेत में गेहूं की पटवन कर रहे थे। इसी दौरान बगल के खेत में लगे नंगे बिजली के तार की चपेट में आ गए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। बताया गया कि यह तार पास के खेत, जहां केला का बागान है, में मवेशियों से फसल बचाने के लिए लगाया गया था। जिस खेत में करंट प्रवाहित था, वह गांव के रत्नेश सिंह का है। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया और परिजन गहरे सदमे में चले गए।

मौत के बाद गांव में तत्काल पंचायत बुलाई गई। पंचों ने विचार-विमर्श के बाद फैसला सुनाया कि खेत मालिक रत्नेश सिंह मृतक के परिजनों को मुआवजे के तौर पर चार कट्ठा जमीन देंगे। दोनों पक्ष इस पर सहमत भी हो गए, लेकिन पंचायत ने यह भी तय कर दिया कि जब तक जमीन की रजिस्ट्री नहीं हो जाती, तब तक शव का अंतिम संस्कार नहीं होगा। पंचायत के इस फैसले के बाद सुरसंड से फ्रीजर मंगवाया गया और नईम अंसारी का शव उसमें सुरक्षित रखा गया। तीन दिनों तक शव फ्रीजर में पड़ा रहा, जबकि परिजन इंसाफ और इंसानियत के बीच झूलते रहे।

22 जनवरी को परिहार निबंधन कार्यालय में रत्नेश सिंह ने मृतक के परिजनों के नाम चार कट्ठा जमीन की रजिस्ट्री कराई। जैसे ही कागजात पूरे हुए, फ्रीजर से शव निकाला गया और नईम अंसारी को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। हालांकि, गांव के कुछ लोगों ने यह तर्क दिया कि मृतक के चार बेटे बाहर रहते हैं और उनके आने के इंतजार में शव को सुरक्षित रखा गया था, लेकिन गांव में हर कोई जानता है कि असली वजह पंचायत का फैसला और जमीन की रजिस्ट्री थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया शुरू करनी चाही, लेकिन परिजनों ने पंचायत के आपसी समझौते का हवाला देते हुए इससे इनकार कर दिया। न तो किसी पक्ष ने लिखित आवेदन दिया और न ही कोई शिकायत दर्ज कराई गई। ऐसे में पुलिस को शव परिजनों के हवाले कर बैरंग लौटना पड़ा।

देवघर में खूब उड़े रंग-गुलाल, उमड़े श्रद्धालु

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। आज से एक महीने तक यानी वसंत पंचमी से फाल्गुन पूर्णिमा तक बाबा को प्रतिदिन अबीर अर्पित होगा। सुबह से जलाभिषेक हो रहा है। मिथिलावासियों का निरंतर कांवर लेकर बाबाधाम आना जारी है। रास्ते में बोल बम की गूंज सुनाई दे रही है।वसंत पंचमी के अवसर पर बाबा बैद्यनाथ का तिलकोत्सव मिथिलावासी करते हैं। कांवर में लाए गंगाजल से मिथिलावासी भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के समय घर से लाए शुद्ध घी और धान की बाली अर्पित करते हैं। अबीर अर्पित करते हैं। देवाधिदेव महादेव मंदिर प्रांगण और देवघर के आंगन में जहां वह डेरा डाले हैं फाग गीत गाते हैं और एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुरूआत करते हैं। बाबा को अबीर अर्पित करने के बाद पूरे मिथिला में होली शुरू हो जाती है जो फाल्गुन पूर्णिमा को फगुआ खेलने के बाद विराम लेता है। बाबा मंदिर की परंपरा है। बसंत पंचमी से फाल्गुन पूर्णिमा के दिन बाबा बैद्यनाथ को पूजा के समय अबीर अर्पित किया जाता है। मंदिर इस्टेट की ओर से पंचमी की शाम लक्ष्मीनारायण मंदिर के बरामदे पर तिलकोत्सव की रस्म होती है। जिसमें आम का मंजर, धान के साथ रस्म होती है। इसके बाद मुख्य पुजारी मालपुआ का भोग लगाते हैं बाबा मंदिर में सुबह से पूजा हो रही है। मिथिलावासी से मंदिर प्रांगण और देवघर अटापटा है। सुबह की पूजा सरदार पंडा ने किया। मिथिलावासी तो अबीर-गुलाल खेलकर और भैरव पूजा कर तिलकोत्सव की रस्म करते हैं। लेकिन मंदिर इस्टेट की ओर से विधिवत की जाती है।

शिकारियों और तस्करों का पुलिस ने किया सफाया

राजनीतिक संरक्षण की पोल खुलने के आसार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के जंगलों में फैला वन्यजीव तस्करी का नेटवर्क सिर्फ शिकारियों तक सीमित नहीं था। इसके पीछे नक्सल पृष्ठभूमि, राजनीतिक संरक्षण और अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोहों का खतरनाक गठजोड़ काम कर रहा था।

वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो और पलामू टाइगर रिजर्व की संयुक्त कार्रवाई में 61 शिकारियों और तस्करों की गिरफ्तारी के साथ इस पूरे तंत्र का पदार्फाश हुआ है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, यह नेटवर्क नक्सल प्रभाव वाले दुर्गम इलाकों से शुरू होकर राजनीति की छाया में पनपा और बाद में अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोहों तक जा पहुंचा। करोड़ों रुपये मूल्य के दुर्लभ वन्यजीव और उनके अवशेष इसी संरक्षण में जंगलों से बाहर भेजे जाते रहे।

इस पूरे रैकेट की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी लातेहार जिले के गारु निवासी राजू उरांव को माना जा रहा है। राजू उरांव वर्ष 2007-08 में नक्सल संगठन छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हुआ था। इसके बाद उसने राजनीतिक संपर्क मजबूत किए और धीरे-धीरे एक प्रभावशाली चेहरे के रूप में उभरा।

जांच में सामने आया है कि नक्सल नेटवर्क और जंगलों की गहरी जानकारी का इस्तेमाल कर राजू उरांव ने बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ के शिकारियों व तस्करों को एक सूत्र में बांधा। नेटवर्क के भीतर सौदे तय करने से लेकर राजनीतिक संपर्कों की आड़ में इंटरनेशनल रैकेट तक माल पहुंचाने की व्यवस्था वही करता था।

गिरफ्तार तस्करों में कई ऐसे नाम हैं, जिनका स्थानीय स्तर पर राजनीतिक रसूख बताया जा रहा है। बिहार के औरंगाबाद निवासी मोहम्मद सिराज पर सांप के जहर की तस्करी का आरोप है।

वहीं, बक्सर के जयराम सिंह, मधुबनी के अजय कुमार झा और पंकज कुमार झा, मुजफ्फरपुर निवासी धीरज कुमार श्रीवास्तव तथा इंद्रजीत कुशवाहा को तेंदुआ और हिरण की खाल की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

जांच एजेंसियों का दावा है कि जयराम सिंह और अजय कुमार झा को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था। इसी संरक्षण के चलते वे लंबे समय तक कानून की पकड़ से बाहर रहे। अजय कुमार झा पर रेड सैंड बोआ की तस्करी के साथ-साथ उसे पालतू जानवर की तरह रखने का भी गंभीर आरोप है।

जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि नक्सल प्रभावित इलाकों में स्थानीय ग्रामीणों और पूर्व नक्सल संपर्कों के जरिए शिकार कराया जाता था। बेहद कम कीमत पर वन्यजीव या उनके अवशेष खरीदे जाते थे, जिन्हें राजनीतिक पहुंच रखने वाले तस्करों के माध्यम से बड़े गिरोहों तक पहुंचाया जाता था। यही गिरोह आगे अंतरराष्ट्रीय रैकेट से जुड़कर करोड़ों की तस्करी कर रहे थे।

इस बड़ी कार्रवाई के बाद जांच एजेंसियों की नजर अब उन राजनीतिक चेहरों पर भी टिकी है, जिनकी छाया में यह रैकेट फल-फूल रहा था।

सूत्रों के मुताबिक,आने वाले दिनों में राजनीतिक संरक्षण,फंडिंग और नेटवर्क से जुड़े और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं।

तीन गिरफ्तार

सासाराम । जिले के दरिगांवथाना क्षेत्र से 140 बोरी धान लदे ट्रैक्टर चोरी मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। चोरी गई ट्रैक्टर और माल के साथ चोरों की एक बाइक भी पुलिस ने बरामद की है। सदर एसडीपीओ नेअपने कार्यालय में आयोजित पर प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी दी।बताया कि 20 जनवरी की रात चोरों ने घटना को दरिगांव में अंजाम दिया था। पुलिस ने सासाराम करमचट नहर रोड स्थित ग्राम-मुह सराय टॉड़ के पास पहुची तो पुलिस वाहन को देखकर सभी अज्ञात चोर धान लदा ट्रेक्टर एवं अपना मोटरसाईकिल छोड़कर भाग गए। तत्पश्चात घटनास्थल से बरामद उक्त मोटरसाईकिल का सत्यापन किया गया तो पाया गया कि उक्त मोटरसाईकिल का मालिक धुप सिंह ग्राम - मुर्ही थाना-दरिगांव है। वाहन मालिक ध्रुप सिंह से पूछताछ किया गया तो बताया गया कि उक्त मोटरसाईकिल मेरा है एवं मेरा पुत्र अभिमन्यु कुमार उर्फ मनु अपने दोस्तों के साथ उक्त मोटरसाईकिल से पार्टी मनाने दरिगांव गया था। तत्पश्चात अभिमन्यु उर्फ मनु से पूछताछ किया गया तो अभिमन्यु के द्वारा अन्य दो दोस्तों के साथ चोरी की घटना मे संलिप्तता स्वीकारी।

महिलाओं के खाते खुलवाकर साइबर ठगी, दो लोग गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। साइबर अपराध थाना पुलिस ने साइबर ठगों द्वारा महिलाओं का बैंक खाता खुलवा कर तथा सिम निर्गत करवा कर साइबर ठगी करने के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

तीनों महिलाओं के खाते से असम और कर्नाटक से बेटिंग एप के माध्यम से साइबर ठग गिरोह ने 46 लाख 23 हजार 901 रुपये का अवैध लेन-देन किए हैं।

बुधवार को एसपी अजय कुमार ने बताया कि 20 जनवरी को कुजू ओपी क्षेत्र की जमुआ करमा निवासी रूबी खातून पति इसराफिल अंसारी ने साइबर अपराध थाना, रामगढ़ में आवेदन दिया था।

इसमें उन्होंने बताया कि अपनी तीन गोतनी के नाम से इंडियन ओवरसिज बैंक, शाखा मरार, रामगढ़ में खाता खोलवाकर एवं सभी के नाम से एक-एक नया जियो कंपनी का सिम लेकर अबु तालिब, सरफराज उर्फ सोनु ने उन्हें धोखे में रखा।

आवेदन में बताया है कि बैंक खाता एवं सिम को अपने पास रखकर उसका दुरुपयोग कर साइबर अपराध कर रहा है। इस संबंध में साइबर अपराध थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

उन्होंने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यालय डीएसपी सह साइबर अपराध थाना प्रभारी चंदन कुमार वत्स के नेतृत्व में एक एसआइटी का गठन किया गया।

गठित एसआइटी द्वारा तकनीकी अनुसंधान के आधार पर कांड के नामजद आरोपित को पूछताछ के लिए साइबर अपराध थाना ले डाया गया। पूछताछ के क्रम में साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने पासबुक की जांच बैंक शाखा में जाकर की।

पाया कि उक्त तीनों महिलाओं के खाते से असम एवं कर्नाटक से बेटिंग एप के माध्यम से साइबर अपराध की घटनाओं को अंजाम देकर कर 46,23,901 रुपये का अवैध लेन-देन साइबर गिरोह के आरोपितों द्वारा किया गया है।

नेपाल बॉर्डर पर गश्त हुई तेज

अररिया। भारत-नेपाल सीमा पर दोनों देश के सुरक्षा अधिकारी व जवान काफी सतर्क हैं। इसी कड़ी में एसएसबी कमांडेंट महेंद्र प्रताप की पहल पर एसएसबी 52वीं वाहिनी सी कंपनी लेलोखर, नेपाल पुलिस खरबन्ना तथा नेपाल एपीएफ सोराभाग के अधिकारियों ने सीमा प्रबंधन तथा सुरक्षा से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा की। साथ हीं लेलोखर कंपनी के असिस्टेंट कमांडेंट मोहित भार्गव, नेपाल पुलिस के एएसआई दिनेश कटवाल तथा नेपाल एपीएफ सोराभाग के एएसआई दुक्खन लाल बैठा की संयुक्त टीम ने जवानों के साथ संयुक्त पेट्रोलिंग कर नो मेंस लैंड पर स्थित पीलरों का जायजा लिया गया। वहीं सीमा पर सभी संदिग्धों पर सुरक्षा कर्मियों की पैनी नजर के साथ तस्करी सहित अन्य गतिविधियों पर दोनों देश के सुरक्षा कर्मी सतर्कता के साथ नजर बनाए हुए है। दोनों देश की सुरक्षा अधिकारी ने सीमा स्तंभ संख्या 168 से 169 में लगभग चार किमी के एरिया में संयुक्त गश्ती के द्वारा भारत-नेपाल सीमा सुरक्षा का जायजा लिया।

लाल चींटी और सूखी लकड़ी के भरोसे पाल रहे अपना परिवार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के अति नक्सल प्रभावित सारंडा वन क्षेत्र में बसे सैकड़ों आदिवासी परिवार आज भी विकास से कोसों दूर हैं। राज्य गठन को वर्षों बीत चुके हैं, लेकिन इन जंगलों में रहने वाले लोगों की जिंदगी आज भी पूरी तरह जंगल पर निर्भर है।लाल चींटी, सूखी लकड़ी और पत्ते बेचकर किसी तरह जीवन यापन करने वाले इन परिवारों को न तो अब तक वन पट्टा मिला है और न ही सुरक्षित व सम्मानजनक जीवन।

नोवामुंडी प्रखंड की पेटेता पंचायत अंतर्गत बेड़ा राईका के घने जंगलों में रहने वाला घनश्याम मारली का परिवार दर्दनाक सच्चाई की जीवंत मिसाल है। यह परिवार बीते चार दशकों से अधिक समय से जंगल में रह रहा है, लेकिन सरकारी कागजों में उसका कोई अस्तित्व नहीं है।

घनश्याम मारली के पिता स्वर्गीय अर्जुन मारली 1980 के दशक में गोइलकेरा प्रखंड के बाय बोरोय गांव के टुनिया टोला से सारंडा आए थे। उम्मीद थी कि सरकार उन्हें जमीन देगी और परिवार सुरक्षित जीवन जी सकेगा।इसी उम्मीद में उन्होंने जंगल के बीच एक झोपड़ी बनाकर रहना शुरू किया। लेकिन समय बीतता गया, सरकारें बदलती रहीं और आज 45 साल बाद भी मारली परिवार को वन पट्टा नहीं मिल सका।

पिता के निधन के बाद घनश्याम मारली अपनी पत्नी जेमा मारली और चार बेटों राहुल, सूरज, अर्पित और कृष्णा के साथ उसी जंगल में जीवन गुजार रहे हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय है।

जंगल से लाल चींटी, सूखी लकड़ी और पत्ते इकट्ठा कर ये लोग पैदल ही गुवा, नोवामुंडी, बड़ाजामदा और जेटेया के साप्ताहिक हाट पहुंचते हैं। दिन भर की कड़ी मेहनत के बाद भी आमदनी केवल 300 से 400 रुपये तक सीमित रहती है।

भोजन की कमी होने पर परिवार जंगल से लाए गए साग-सब्जी पर ही निर्भर रहता है। जंगल के निचले इलाके में बहने वाली एक नदी ही पूरे साल स्नान और पीने के पानी का एकमात्र सहारा है।

इनामी माओवादी के ढेर के बाद गांव में पसरा सन्नाटा

महिलाएं तो दिखीं पर बोलने को तैयार नहीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पीरटांड। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में गुरुवार को सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में एक करोड़ रुपये के इनामी माओवादी अनल दा उर्फ पतिराम मांझी के मारे जाने की खबर जैसे ही सामने आई, गिरिडीह जिले के पीरटांड़ थाना क्षेत्र स्थित उसके पैतृक गांव दीवानडीह झरहा में सन्नाटा पसर गया। उग्रवाद से लंबे समय से प्रभावित इस गांव में डर, खामोशी और पिछड़ेपन की तस्वीर साफ नजर आई।

गुरुवार को अनल दा के गांव की गलियां सुनसान थीं। उसके गांव दीवानडीह झरहा में अजीब खामोशी छा गई। मुख्य रास्ते से सटे खपरैल के मकानों के दरवाजे बंद मिले। कहीं कोई पुरुष नजर नहीं आया। गलियों और देहरी पर इक्का-दुक्का महिलाएं जरूर दिखीं, लेकिन कोई भी अनल दा या मुठभेड़ की घटना पर बोलने को तैयार नहीं था। पूछने पर महिलाएं नजरें चुराते हुए चुप्पी साध लेती थीं। गांव के लोग न तो उसके घर की पहचान कराने को राजी हुए और न ही किसी तरह की जानकारी देने को।

अनल दा का घर मुख्य सड़क से सटा खपरैल का मकान है, जिसमें ताला नहीं लगा था, लेकिन घर पूरी तरह खाली मिला। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि उसके भाई और अन्य स्वजन मजदूरी के लिए बाहर गए हुए हैं। गांव के लोगों का कहना है कि यहां रोजगार के साधन न के बराबर हैं, जिस कारण अधिकांश पुरुष बाहर काम करने चले जाते हैं।पुलिस के अनुसार अनल दा का असली नाम पतिराम मांझी था। वह दीवानडीह झरहा निवासी लेंगरा मांझी का बेटा था। अनल दा कई नामों से जाना जाता था और झारखंड व सीमावर्ती राज्यों में माओवादी संगठन का बड़ा चेहरा बन चुका था। गिरिडीह जिले के पीरटांड़, खुखरा, मधुबन, निमियाघाट समेत कई थानों में उसके खिलाफ दर्जनों संगीन मामले दर्ज थे।

जानकारों का कहना है कि दीवानडीह झरहा जैसे गांवों में विकास की कमी, शिक्षा और रोजगार का अभाव ही उग्रवाद की जमीन तैयार करता है। सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण यहां के युवाओं का भटकना आसान हो जाता है। अनल दा की कहानी भी इसी सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन की देन मानी जा रही है।हालांकि सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई से क्षेत्र में बड़े नक्सलियों का खात्मा हो रहा है, लेकिन दीवानडीह झरहा का सन्नाटा यह सवाल भी खड़ा करता है कि क्या केवल बंदूक से समस्या का समाधान संभव है, या फिर विकास और भरोसे की भी उतनी ही जरूरत है।

गुप्ताधाम में उमड़े श्रद्धालु

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रोहतास। वसंत पंचमी के अवसर पर जिले के प्रसिद्ध गुप्ताधाम में आयोजित पांच दिवसीय मेले के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लगभग करीब 45 हजार श्रद्धालुओं ने दुर्गम पहाड़ी रास्तों को पार कर गुफा स्थित पवित्र शिवलिंग पर जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। सुबह से ही श्रद्धालुओं के जत्थे पनारी घाट, उगहनी घाट सहित विभिन्न मार्गों से कैमूर पहाड़ी की ओर बढ़ते रहे। श्रद्धालु धाम के समीप स्थित सीता कुंड में स्नान के बाद गुफा में प्रवेश कर बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। इस दौरान हर-हर महादेव के जयकारों से कैमूर पहाड़ी का जंगल गूंज उठा।

गुप्ताधाम विकास कमेटी के सदस्यों द्वारा श्रद्धालुओं को कतारबद्ध कराकर दर्शन कराया जा रहा था। हालांकि, इतनी बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं के बावजूद मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी साफ नजर आई। गुप्ताधाम में पेयजल की गंभीर समस्या बनी रही। सरकार द्वारा लगाए गए आधे से अधिक चापाकल खराब पड़े हैं, जिससे श्रद्धालुओं को मजबूरी में नदी-नालों का पानी पीना पड़ा।

मेले में स्वास्थ्य विभाग की कोई टीम तैनात नहीं रही। सर्दी, बुखार और अन्य बीमारियों से पीड़ित श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार तक नहीं मिल सका, जिससे लोगों में नाराजगी देखी गई। गुप्ताधाम विकास कमेटी के सचिव तेजपति सिंह खरवार ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गुफा के अंदर बिजली और ऑक्सीजन गैस की व्यवस्था की गई है। साथ ही धाम परिसर में खोया-पाया केंद्र भी संचालित किया गया था। हालांकि श्रद्धालुओं का कहना है कि गुफा के भीतर ऑक्सीजन की कमी महसूस हो रही है, जिससे घुटन जैसी स्थिति बन रही है। करीब तीन किलोमीटर में फैले मेला क्षेत्र में बिजली और पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है। गुफा तक पहुंचने वाले मार्गों की जर्जर हालत के कारण श्रद्धालु उबड़-खाबड़ पत्थरों पर चलने को मजबूर हैं, जिससे कई लोगों के पैर जख्मी हो गए।

जान जोखिम में डालकर पढ़ने को मजबूर हैं छोटे-छोटे बच्चे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भरनो। भरनो प्रखंड मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर डुड़िया पंचायत के सुदूरवर्ती गांव कोड़ेकेरा स्थित नव प्राथमिक विद्यालय की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। विद्यालय के जर्जर भवन में 34 मासूम बच्चे जान जोखिम में डालकर पढ़ने को मजबूर हैं। किसी भी समय बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

विद्यालय में कुल मात्र दो कमरे हैं और दोनों ही कमरे पूरी तरह से जर्जर अवस्था में पहुंच चुके हैं। छत का प्लास्टर आए दिन टूटकर नीचे गिरता रहता है, जबकि छत में लगे लोहे के सरिया बाहर निकल आए हैं। ऐसे में बच्चों और शिक्षकों की जान हमेशा खतरे में बनी रहती है।

डर के साए में बच्चे पढ़ाई करने को विवश हैं। कई बार बच्चों को विद्यालय के बाहर मैदान में बैठाकर पढ़ाई करानी पड़ती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विद्यालय में एक भी सरकारी शिक्षक पदस्थापित नहीं है। विद्यालय का संचालन केवल तीन पारा शिक्षकों के सहारे हो रहा है, जिनमें बुधराम मुंडा प्रभारी प्रधानाध्यापक की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

मरम्मत का आश्वासन तो मिला, पर नहीं हुआ अमल

प्रभारी एचएम बुधराम मुंडा ने बताया कि विद्यालय की जर्जर स्थिति से शिक्षा विभाग को कई बार अवगत कराया जा चुका है और लिखित आवेदन भी दिया गया है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व शिक्षा विभाग के कर्मी निरीक्षण के लिए विद्यालय पहुंचे थे और मरम्मत का आश्वासन देकर लौट गए, लेकिन अब तक न तो भवन की मरम्मती कराई गई और न ही नए भवन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो सकी है।

बरसात के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। छत से लगातार पानी टपकता रहता है, जिससे बच्चों को बैठकर पढ़ना तक मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा विद्यालय तक पहुंचने के लिए कोई पक्की सड़क भी नहीं है। बच्चे पगडंडी रास्ते से होकर विद्यालय पहुंचते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा पर हमेशा खतरा बना रहता है।

कट्टा व गोली के साथ दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। पाटन थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सहदेवा से लेस्लीगंज जाने वाले मुख्य मार्ग सहदेवा जंगल के पास से दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। अपराधियों के पास से एक देशी कट्टा व दो जिंदा गोली बरामद किया है। थाना प्रभारी शशि शेखर पांडे ने पुअनि रंजीत कुमार सिंह के आवेदन के आधार पर पाटन थाना कांड दर्ज करते हुए दोनों को जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी शशि शेखर पांडे ने बताया कि वरीय पदाधिकारी से मिली गुप्त सूचना के आधार पर सहदेवा से लेस्लीगंज जाने वाले मुख्य मार्ग सहदेवा जंगल के पास वाहन चेकिंग किया जा रहा था। वाहन चेकिंग के क्रम में समय करीब 4.40 बजे एक पल्सर मोटरसाइकिल से दो व्यक्ति आ रहे थे। रोकने का इशारा किया गया तो माटरसाइकिल छोड़कर दोनों व्यक्ति भागने लगे। पुलिस ने दोनों को खदेड़कर पकड़ा। भागने का कारण पुछने पर दोनों ने संतोषजनक जबाब नहीं दिया। गया। पकड़ाये व्यक्तियों में लेस्लीगंज थाना के ठाकुराई दीदरी गांव का 19 वर्षीय रौशन कुमार व लेस्लीगंज थाना के ही दारूडीह गांव का 25 वर्षीय आदेश कुमार शामिल है। पुलिस ने रोशन कुमार व आदेश कुमार की बारी-बारी से तलाशी ली गई। रौशन कुमार के बाएं कमर में खोसा हुआ एक देशी कट्टा व पैकेट से एक टच मोबाइल व आदेश कुमार के पैंट के दाहिने पैकेट से एक 8 एमएम का जिन्दा गोली व बाएं पैकेट से एक टच मोबाइल बरामद किया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि बरामद देशी कट्टा व गोली के संबंध में पूछताछ करने पर उक्त दोनों व्यक्तियों ने कोई संतोषजनक जबाब नहीं दिए। बरामद देशी कट्टा व गोली के संबंध में कोई कागजात भी प्रस्तुत नहीं कर पाए। उन्होंने बताया कि दोनों पर अग्रेतर कारवाई करते हुए उक्त हथियार, गोली, मोबाइल व पल्सर मोटरसाइकिल को विधिवत जब्त किया गया। साथ ही उक्त दोनों अभियुक्त को विधिवत गिरफ्तार कर थाना लाया गया। पुअनि रंजीत कुमार सिंह के आवेदन के आधार पर पाटन थाना कांड सं.- 16/2026, 22 जनवरी 2026 धारा - 25 (1-B) ए/26/ 35 आर्म्स एक्ट की प्राथमिकी दर्ज की गई। साथ ही कांड का अनुसंधान भार पुअनि जितेन्द्र कुमार यादव को सौंपा गया। थाना प्रभारी शशि शेखर पांडेय ने बताया कि छापामारी दल में पुअनि रंजीत कुमार सिंह, आरक्षी शिवनाथ राम, उदीत राम, धनंजय राम, हेमन्त कुमार रवि सभी किशुनपुर ओपी थाना पाटन के पुलिस शामिल थे।

सड़क सुरक्षा का संदेश देने ग्राउंड पर उतरेंगे जिले के पत्रकार व प्रशासनिक पदाधिकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। सड़क सुरक्षा माह 2026 को लेकर जिले में 1 जनवरी से ही सड़क सुरक्षा के प्रति आमजनों को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न स्तरों पर अलग-अलग कार्यक्रम के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश दिया जा रहा है।इसी क्रम में 26 जनवरी को दोपहर एक बजे जी.एल.ए कॉलेज स्टेडियम में पत्रकार एकादश एवं प्रशासनिक पदाधिकारी एकादश के बीच फैंसी क्रिकेट मैच का आयोजन किया जायेगा।

आमजनों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से खेला जाएगा मैच : डीटीओ

इस क्रिकेट मैच आयोजित होने के उद्देश्य में जिला परिवहन पदाधिकारी जितेंद्र कुमार ने कहा कि इस मैच का मुख्य उद्देश्य आमजनों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना एवं पत्रकारों के बीच आपसी मित्रता को बनाए रखना है।उन्होंने कहा कि पत्रकारगण आमजनों से सीधे जुड़े होते हैं,ऐसे में वे अपने लेखनी एवं टीवी समाचारों के माध्यम से लोगों को ट्रैफिक रूल्स के बारे में बेहतर तरीके से अवगत करा सकते हैं।उन्होंने कहा कि मैदान में आने वाले दर्शकों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा।उन्होंने कहा कि इस तरह के खेल प्रतियोगिता से समाज में आपसी सौहार्द और एकजुटता बना रहता है।

एबीवीपी ने मनाई नेता जी की जयंती

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मेदिनीनगर इकाई ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई। पलामू विभाग संयोजक रामाशंकर पासवान ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस एक बड़े महापुरुष व भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे। उनकी प्रतिभा व देशभक्ति, जीवटता, संघर्षशीलता, साहस, स्वाभिमान, स्वानुशासन, आत्मविश्वास, संगठन नेतृत्व-कौशल, ध्येय व समर्पण विस्मित करने वाला है। मौके पर उपस्थित मेदिनीनगर मंत्री किसलय दुबे ने कहा कि नेताजी जैसे महान व्यक्तित्वों के जीवन से उन सभी खासकर युवाओं को बहुत कुछ सीखने को मिलता है इस अवसर पर नगर सह मंत्री अमन पांडे, नगर एसएफएस प्रमुख दिवाकर शुक्ला, आशीष शुक्ला संदीप गिरी आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महापौर ने लिया विकास कार्य का जायजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कटिहार। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 17 में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण महापौर उषा देवी अग्रवाल ने किया। निरीक्षण के क्रम में युक्त वार्ड में चल रहे योजनाओं का निरीक्षण किया गया एवं संबंधित पदाधिकारी और कर्मचारियों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभों का स्थल निरीक्षण किया गया साथियों उनको जल्द से जल्द मकान बनाने के लिए अनुरोध किया गया। साथ ही एसजी की महिलाओं के साथ एक बैठक की गई। उनकी समस्याओं को सुना गया महापौर के साथ वार्ड नंबर 17 के निगम पार्षद बेबी देवी एवं नगर निगम के पदाधिकारी एवं कर्मचारी गण इसके साथ-साथ वार्ड के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

संत पॉल कॉन्वेंट स्कूल में सरस्वती पूजा की रही धूम

संत पॉल कॉन्वेंट स्कूल पूजा आयोजन, भव्यता, कलात्मकता व अनुशासन के लिए रखता है विशेष पहचान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। विश्रामपुर नगर परिषद के रेहला शहर स्थित संत पॉल कॉन्वेंट स्कूल में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी क्षेत्र का सबसे बड़ा व भव्य सरस्वती पूजा समारोह आयोजित किया गया। ज्ञान, कला व संगीत की देवी मां सरस्वती की आराधना का पर्व बसंत पंचमी शुक्रवार को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इधर सुबह से ही मंदिरों व शिक्षण संस्थानों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। पीले वस्त्र धारण कर भक्त मां सरस्वती की पूजा कर रहे हैं। इधर हजारों की संख्या में संत पॉल कॉन्वेंट स्कूल कि विद्यार्थियों ने मां सरस्वती की पूजा कार्यक्रम में भाग लिया। विद्यार्थियों ने मां सरस्वती के आगे सिर नवाकर आशीर्वाद मांगे। सभी के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। सुबह से लेकर शाम तक रेहला व विश्रामपुर सहित क्षेत्र के अगल-बगल के गांव के लोग पूजा पंडाल का भ्रमण करने पहुंच रहे हैं। बताते चलें कि संत पॉल कॉन्वेंट स्कूल पूजा आयोजन अपनी भव्यता, कलात्मकता व अनुशासन के लिए पूरे क्षेत्र में विशेष पहचान रखता है। विद्यालय के निदेशक एसएम एसले ने सरस्वती पूजा के अवसर पर स्थानीय व बाहरी कारीगरों की मदद से लाखों रुपये की लागत से एक विलक्षण व आकर्षक पूजा पंडाल का निर्माण कराया। पंडाल की सजावट में आधुनिक कला के साथ पारंपरिक संस्कृति का सुंदर समन्वय देखने को मिला। लाखों रुपए की लागत से बनाया गया भव्य व आकर्षक पूजा पंडाल को देखने के लिए विद्यार्थियों, अभिभावकों व स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ी।

राजकीय दर्जा प्राप्त सोहराय महोत्सव की तैयारी तेज, एसडीओ ने किया स्थल निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धमदाहा/पूर्णिया। राजकीय दर्जा प्राप्त आदिवासी समाज के प्रमुख सोहराय महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। धमदाहा अनुमंडल पदाधिकारी अनुपम कुमार एवं अनुमंडल आरक्षी उपाधीक्षक संदीप गोल्डी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। सोहराय महोत्सव का आयोजन बरदेला पंचायत अंतर्गत शीशाबारी मैदान में 28, 29 एवं 30 जनवरी 2026 को किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने मंच निर्माण, दर्शक दीर्घा, पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई, पार्किंग तथा आवागमन व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि राजकीय दर्जा प्राप्त महोत्सव की गरिमा के अनुरूप सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूरी की जाएं। समीक्षा बैठक में विधि-व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। तीन दिवसीय आयोजन में बड़ी संख्या में दर्शकों की संभावित उपस्थिति को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, यातायात व्यवस्था, आपातकालीन चिकित्सा सुविधा तथा अग्निशमन व्यवस्था को दुरुस्त रखने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर धमदाहा डीसीएलआर मोहित कुमार, अवर निर्वाचन पदाधिकारी आशुतोष कुमार मिश्रा, जिला सहायक आपूर्ति पदाधिकारी रविंद्र राय, अंचलाधिकारी कुमार रवींद्रनाथ एवं थानाध्यक्ष रविशंकर कुमार उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि सोहराय महोत्सव आदिवासी संस्कृति, परंपरा और लोकजीवन का प्रतीक है। राजकीय दर्जा मिलने के बाद इसकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है।

मोबाइल झपट्टा मार गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार, आठ मोबाइल व बाइक जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। गुरुवार की शाम केनगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मोबाइल झपट्टा मार गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से छीने गए मोबाइल फोन बरामद किए। थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार पटेल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में थाना क्षेत्र के परोरा पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या-15 निवासी विनोद पासवान का 23 वर्षीय पुत्र सौरभ कुमार पासवान, अर्जुन प्रसाद सिंह का 23 वर्षीय पुत्र रौशन कुमार सिंह तथा वार्ड संख्या-16 निवासी ठाकुर प्रसाद सिंह का 22 वर्षीय पुत्र मनीष कुमार सिंह शामिल है। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि मछली व्यवसायी रौशन कुमार अपने व्यवसाय की आड़ में चोरी व छीने गए मोबाइल फोन की खरीद-बिक्री का अवैध धंधा कर रहा है। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस टीम गठित कर गश्ती वाहन के माध्यम से रौशन कुमार के घर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान रौशन कुमार के पास से पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिसके बाद उसे मौके से ही गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की गई। पूछताछ में रौशन ने खुलासा किया कि सौरभ और मनीष मोबाइल झपट्टा मारकर उसे बेचते थे।

रौशन की निशानदेही पर पुलिस ने मनीष और सौरभ को भी गिरफ्तार कर लिया। मनीष के पास से एक मोबाइल, सौरभ के पास से दो मोबाइल तथा एक नीले रंग की अपाची बाइक बरामद की गई। इस तरह आठ एंड्रॉयड मोबाइल फोन पुलिस ने जब्त किए। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

हिंडाल्को कोल माइंस से चोरी का सामान बरामद

मेदिनीनगर (पलामू)/नबिटा संवाददाता। पंडवा थाना की पुलिस ने हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कठौतिया ओपन कास्ट कोल माइंस से चोरी गई भारी मात्रा में सामान बरामद किया है। पंडवा थाना के एसआई चिंटू कुमार के नेतृत्व में कठौतिया माइंस से चोरी की गई केबल, एंगल सहित कई सामान बरामद किया गया है। शुक्रवार के सुबह कठौतिया माइंस के सुरक्षा प्रबंधक शैलेन्द्र सिंह व एसओ चंदन तिवारी ने पता लगाया कि कठौतिया गड़ई टोला के मेदिनी सिंह के घर व उसके घर के आसपास खेतों में सामान रखा गया है। माइंस प्रबंधन ने तत्काल इसकी सूचना पंड़वा पुलिस को दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

धमदाहा नगर पंचायत में सफाई जमादार की बर्खास्तगी पर विवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धमदाहा /पूर्णिया। नगर पंचायत में सफाई जमेदार राहुल कुमार को बिना कारण बताओ नोटिस दिए ही स्थायी समिति की बैठक के बाद सेवा से बर्खास्त किए जाने का मामला सामने आया है। बर्खास्त सफाई जमेदार राहुल कुमार ने नगर पंचायत कार्यालय एवं अधिकारियों पर मानसिक प्रताड़ना और उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया है। राहुल कुमार ने बताया कि कार्यालय की ओर से उन्हें लगातार बेवजह प्रतिदिन स्पष्टीकरण पूछा जाता था। उन्होंने हर बार जवाब देने का प्रयास किया, लेकिन अधिकारियों द्वारा उनका जवाब लेने से इनकार कर दिया गया। अंततः गुरुवार को बिना पूर्व सूचना और नोटिस के उन्हें सेवा से हटा दिया गया।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि धमदाहा नगर पंचायत के मुख्य पार्षद के पुत्र आशीष कुमार को वर्ष 2024 में नगर पंचायत में बहाल किया गया है, जिन्हें प्रतिदिन 783 रुपये के हिसाब से भुगतान किया जा रहा है। आरोप है कि नियुक्ति के बाद से अब तक उन्होंने एक भी दिन कार्य नहीं किया, इसके बावजूद नगर पंचायत द्वारा नियमित भुगतान किया जा रहा है। राहुल कुमार के अनुसार जब उन्होंने इस विषय में कार्यालय से सवाल किया तो उन्हें यह कहकर टाल दिया गया कि "कार्यालय का काम है, किसे रखना है और किसे निकालना है।" वहीं, इस पूरे मामले पर धमदाहा नगर पंचायत की कार्यपालक पदाधिकारी दिव्या मिश्रा से पूछे जाने पर उन्होंने आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि कार्यालय में इस तरह की कोई बात नहीं है। नगर पंचायत में जितने भी लोग नियुक्त हैं, सभी अपने-अपने कार्यों का निष्पादन निर्धारित समय पर उपस्थित होकर कर रहे हैं। फिलहाल यह मामला नगर पंचायत में प्रशासनिक निष्पक्षता, नियुक्ति प्रक्रिया और कर्मियों के अधिकारों को लेकर कई सवाल खड़े कर रहा है।

बनमनखी में विकास की नई सड़क, वार्ड 26 को मिला आवागमन का भरोसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बनमनखी/पूर्णिया। बिहार सरकार की मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत बनमनखी नगर परिषद क्षेत्र में आधारभूत संरचना को सशक्त करने की दिशा में एक और ठोस पहल सामने आई है। शुक्रवार को वार्ड संख्या 26 में पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास कर वर्षों से चली आ रही स्थानीय समस्या के समाधान की नींव रखी गई। सुरेश चौधरी के घर से एनएच–107 स्थित शिशवा चौक तक बनने वाली इस पीसीसी सड़क का शिलान्यास स्थानीय विधायक कृष्ण कुमार ऋषि एवं नगर परिषद सभापति संजना देवी ने संयुक्त रूप से किया। शिलान्यास के साथ ही क्षेत्रवासियों में उत्साह और उम्मीद का माहौल देखने को मिला।इस अवसर पर विधायक कृष्ण कुमार ऋषि ने कहा कि सड़क की जर्जर स्थिति के कारण लोगों को दैनिक आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अब सड़क निर्माण से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास को

भी गति मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े विकास कार्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं और इन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम में नगर परिषद सभापति संजना देवी, उपसभापति प्रतिनिधि वकील मंडल, पार्षद सूरज मंडल, शिवशंकर मंडल, बीस सूत्री अध्यक्ष संतोष चौरसिया, भाजपा जिला प्रवक्ता दिलीप झा, परमानंद भगत सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पहल को क्षेत्र के लिए एक अहम उपलब्धि बताया।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/733, दिनांक 22.01.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित विद्युतीय कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3527; कार्य का नाम:** ट्रैक मशीन साइडिंगों (पीआई)-20 अदद के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 1,75,25,837; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 2,37,600; **समापन अवधि:** 180 दिन। **क्रमांक 2, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3537; कार्य का नाम:** एईएन/नबद्वीप धाम के अधीन लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 17/ए/टी के बदले रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा नए सीमित ऊंचाई के सबवे के निर्माण के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 9,25,614; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 18,500; **समापन अवधि:** 180 दिन। **क्रमांक 3, निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3546; कार्य का नाम:** बर्द्धमान स्टेशन में फूट ओवर ब्रिज के विस्तार के संबंध में विद्युतीय (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 34,00,675; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 68,000; **समापन अवधि:** 180 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 13.02.2026 को अपराह्न 03.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देता है। हालांकि, निविदा के बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत किसी भी सुविधाजनक दिवस को ऑनलाइन निविदाएं खोली जाएंगी। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है।

(HWH-561/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई. निविदा सं. 256_2025-26, दिनांक 21.01.2026. वरिष्ठ मंडल अभियंता (4), पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा–711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं अपेक्षित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **सीनि. डीईएन/4/हावड़ा : कार्य का विवरण:** एईएन/रामपुरहाट अनुभाग के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/रामपुरहाट के अनुभाग में रामपुरहाट एवं पाकुड़ स्टेशन में अधिकारी विश्राम गृह की मरम्मत तथा नवीनीकरण तथा एईएन/रामपुरहाट के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/रामपुरहाट अनुभाग में लेवल क्रॉसिंग-39 वाई-केबिन, कोटालपुकुर, नगर नबी तथा तिलभीटा यार्ड में ड्रेन का विस्तार। **अनुमानित लागत:** रु. 1,94,46,604.39; **बयाना राशि:** रु. 2,47,200। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **समापन अवधि:** 06 (छह) महीने। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 16.02.2026 को अपराह्न 2.00 बजे। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत (टीडीसी) का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-टेंडर पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट रिसिप्ट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(HWH-560/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

हावड़ा मंडल के तहत वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की संविदा प्रदान करना

ई-नीलामी सूचना सं. सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/25/57 दिनांक 20.01.2026
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चौथी मंजिल, रेल म्यूजियम के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा **हावड़ा मंडल के तहत वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों की संविदा प्रदान करने** के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। नीलामी सूचीपत्र **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दिया गया है। ● **सूचीपत्र सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-25-57;** ● **नीलामी आरम्भ होने की तारीख एवं समय:** 04.02.2026 को दोपहर 12.00 बजे। **सिक्वेंस सं.; लॉट सं.; विवरण** क्रमशः निम्नलिखित हैं: **एए/1;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एलएलएच-ओएसएन-17-26-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल); हावड़ा मंडल के क्लस्टर-I के अधीन (लिलुआ स्टेशन से हुगली स्टेशन तक तथा बेलूड़मठ स्टेशन) स्टेशनों के स्टेशन परिसरों के भीतर वाणिज्यिक प्रचार के अधिकार हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एए/2;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-जेटीएल-ओएसएन-19-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (नॉन-डिजिटल); हावड़ा मंडल के क्लस्टर-IV के अधीन [क) झापटेरढाल स्टेशन से गुमानी स्टेशन तक, ख) आदलपहाड़ी से कुरुवा स्टेशन तक, ग) आजिमगंज सिटी स्टेशन से टाकीपुर स्टेशन तथा घ) चौहट्टा स्टेशन से अजय केबिन तक] स्टेशनों के स्टेशन परिसरों के भीतर वाणिज्यिक प्रचार हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/1;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एलएलएच-ओएच-1-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); हावड़ा मंडल के क्लस्टर-I के अधीन (लिलुआ स्टेशन से हुगली स्टेशन तक तथा बेलूड़मठ स्टेशन) स्टेशनों के आउट ऑफ होम (स्टेशन परिसर के बाहर) में वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/2;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-ओएच-142-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); हावड़ा रेलवे स्टेशन में स्मारक ध्वज क्षेत्र के सामने 04 (चार) अदद ग्लोबॉल टावरों की स्थापना एवं रखरखाव के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/3;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-आरपीएच-ओएच-153-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); रामपुरहाट रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/4;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूएई-ओएच-156-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); कटवा रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/5;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एनडीएई-ओएच-157-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); नबद्वीप धाम रेलवे स्टेशन के अस्थाई बुकिंग कार्यालय के निकट सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी के प्रदर्शन हेतु तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना। **एबी/6;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-डीकेएई-ओएच-160-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम); डानकुनी रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) अदद वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे की जानकारी के संचालन, रखरखाव एवं प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए संविदा प्रदान करना। **एसी/1;** एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-बीडब्ल्यूएन-ओएसडी-86-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (डिजिटल); बर्द्धमान स्टेशन के भीतर विभिन्न स्थानों पर 50:50 समय/जगह साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 06 (छह) अदद वीडियो वॉलों के माध्यम से रेलवे जानकारी तथा विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए अधिकार प्रदान करना।

(HWH-556/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

महिला से ठगी के आरोप में जदयू के पूर्व जिला प्रवक्ता गिरफ्तार

19 लाख 95 हजार रुपये की हुई थी ठगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। वैशाली जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने जालसाजी के एक बड़े मामले में कार्रवाई करते हुए सत्ताधारी जेडीयू के पूर्व जिला प्रवक्ता कुमारेश्वर सहाय को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने एक महिला को गलत जमीन बेचकर करीब 19 लाख 95 हजार रुपये की ठगी की। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने मुजफ्फरपुर जिले से गिरफ्तार किया है।

इस मामले में भगवानपुर थाना क्षेत्र के सतपुरा गांव निवासी सीताराम पासवान की पत्नी मुन्नी देवी ने भगवानपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर जांच-पड़ताल के बाद भगवानपुर थाना में कांड संख्या 304/25 दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुमारेश्वर सहाय मुजफ्फरपुर जिले में छिपा हुआ है। इसके बाद भगवानपुर थाना अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार सत्यार्थी और अपर थाना अध्यक्ष अवधेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी कर मुजफ्फरपुर जिले के तिलक मैदान रोड से उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की पुष्टि सदर एसडीपीओ-02 गोपाल मंडल ने की है।

सदर एसडीपीओ-02 गोपाल मंडल ने बताया कि जालसाजी के एक मामले में भगवानपुर थाना की पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ हाजीपुर एसीजेएम-छह की अदालत से गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। लंबे समय से वह पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था।

पीड़ित महिला मुन्नी देवी का आरोप है कि कुमारेश्वर सहाय ने गलत जमीन का बैनामा कर उनसे 19 लाख 95 हजार रुपये की ठगी की। बाद में जब उस जमीन का म्यूटेशन नहीं हो सका तो महिला ने अपने रुपये वापस मांगे। इसके बाद आरोपी ने 13 लाख और 10 लाख रुपये के दो चेक दिए, लेकिन खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण दोनों चेक बाउंस हो गए। इसके बाद आरोपी रुपये लौटाने में आनाकानी करने लगा। रुपये वापस न मिलने पर पीड़ित महिला न्याय की गुहार लेकर भगवानपुर थाने पहुंची, जहां लिखित आवेदन के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और अब आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी मूल रूप से वैशाली जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के असतपुर सतपुरा गांव का निवासी है। फिलहाल कुमारेश्वर सहाय को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इस गिरफ्तारी ने एक बार फिर भू-माफियाओं और कथित सफेदपोश नेताओं के गठजोड़ पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सरस्वती पूजा को ले उत्सव सा माहौल

भागलपुर। स्थित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में सरस्वती पूजा का आयोजन पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जा रहा है। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज परिसर को भव्य और आकर्षक ढंग से सजाया गया है, जिससे चारों ओर भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। सुबह से ही मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शहर के कई जाने-माने चिकित्सक पूजा में शामिल हुए। सभी ने मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना कर ज्ञान, बुद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूजा के दौरान श्रद्धा और अनुशासन का विशेष रूप से ध्यान रखा गया।

मौके पर मौजूद छात्र-छात्राओं ने बताया कि पूजा के उपरांत शाम के समय मेडिकल कॉलेज परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राएं गीत, संगीत और नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे, जिससे उत्सव का रंग और गहराएगा। पूजा को लेकर कॉलेज में दिनभर उल्लास और उमंग का माहौल बना रहा। छात्रों में खासा उत्साह देखने को मिला और पूरे परिसर में धार्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा का संचार नजर आया।

सड़क पर जलायी गयी छात्रा का इलाज के दौरान पांचवें दिन मौत

छेड़खानी के विरोध का मिला ईनाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना हॉस्टल केस का अब तक खुलासा है। इस बीच पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग छात्रा के साथ दिल दहला देने वाला वारदात हो गया। छात्र को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया गया। गंभीर रूप से झुलसी छात्रा की इलाज के दौरान शुक्रवार की अहले सुबह मौत हो गई। मामले के सामने आने के बाद पुलिस ने विशेष टीम गठित कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान तेज कर दिया है।

गोपालपुर थाना में पीड़िता की मां द्वारा दिए गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि गांव का 22 साल का आदित्य कुमार मेरी बेटी को परेशान करता था। उस पर बातचीत करने का दबाव बनाता था। जब वह नहीं मानी तो उसे जिंदा जला दिया। घटना के बाद परिजन आननफानन में छात्रा को पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर कांड दर्ज कर लिया है।

सदर सीडीपीओ-2 रंजन कुमार ने बताया कि घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच की जा रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। वहीं गोपालपुर थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि नाबालिग छात्रा पहले बैरिया में अपने ननिहाल में रहती थी, बाद में परिवार के साथ पास के एक किराए के मकान में रहने लगी थी। घटना 17 जनवरी की बताई जा रही है, जब बीच सड़क पर आरोपी युवक ने छात्रा के शरीर पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी।

पुलिस के अनुसार, मृत छात्रा की उम्र करीब 17 वर्ष है, जबकि आरोपी युवक की उम्र लगभग 22 वर्ष बताई जा रही है। परिजनों का आरोप है कि युवक लंबे समय से छात्रा को परेशान करता था। विरोध करने पर उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल आरोपी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

शराब के साथ कारोबारी धराया

शिवाजीनगर। हथौड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम बल्लीपुर से पुलिस ने एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रदीप महतो के रूप में की गई है, जो ग्राम श्रीपुर गाहर, थाना खानपुर, जिला समस्तीपुर का निवासी है। पुलिस ने उसके पास से करीब 02 लीटर अवैध शराब बरामद की है इस संबंध में जानकारी देते हुए हथौड़ी थाना अध्यक्ष मौसम ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा छापेमारी कर आरोपी को पकड़ा गया।

तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध शराब बरामद होने के बाद मौके पर ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया थाना अध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है।

ठाकुरबाड़ी से मूर्ति की चोरी

600 मोबाइल नम्बर पुलिस के रडार पर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गंगहर गांव स्थित ठाकुरबाड़ी से राम-जानकी समेत चार बेशकीमती मूर्तियों की चोरी के मामले में पुलिस ने तकनीकी जांच तेज कर दी है। चोरों तक पहुंचने के लिए पुलिस ने टावर डंप निकाला है, जिसमें करीब 600 मोबाइल नंबर सामने आए हैं। इन नंबरों की जांच कर संदिग्धों को चिह्नित किया जा रहा है। इसके साथ ही पुलिस ने मानवीय सूत्रों को भी सक्रिय कर दिया है। जांच की दिशा नए और पुराने पुजारी की भूमिका की ओर भी गई है, क्योंकि घटना से चार-पांच दिन पहले ही मंदिर के पुजारी बदले गए थे।

इसके अलावा, मंदिर निर्माण कार्य में लगे मिस्त्री और मजदूरों का भी डेटा खंगाला जा रहा है। पुलिस हर बिंदु को ध्यान में रखते हुए गहन पूछताछ और फालोअप कर रही है। इसके लिए एसपी राज के निर्देशन में एसआईटी को लगाया गया है। जिसमें डीआइयू के भी अफसर दिन-रात काम कर रहे है। मुख्यालय भी लगातार कांड की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा कर रहा है। जल्द ही मामले के खुलासे की उम्मीद जताई जा रही है।

निर्माण को ले गर्भगृह से हटाकर दूसरी जगह रखी थी मूर्तियां

मालूम हो कि 18 जनवरी की रात करीब दस बजे के बाद भगवान राम-जानकी, लक्ष्मण एवं लड्डू गोपाल की मूर्तियों की चोरी कर ली गई थी।दूसरे दिन सुबह ग्रामीणों से घटना की जानकारी मिलने के बाद मठ लोग मौके पर पहुंचे थे। मठ से मूर्तियों की चोरी की घटना को लेकर क्षेत्र के भक्तों में भारी नाराजगी है।

इधर, गंगहर गांव निवासी मठ के अध्यक्ष रणविजय सिंह के बयान पर मुफस्सिल थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। दरअसल, मठ परिसर में मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है, इसलिए मूर्तियों को गर्भगृह से हटाकर दूसरी जगह पर रखा गया था। जहां पर निरंतर पूजा-पाठ चल रहा था।

खरमास समाप्त होते ही कांग्रेस में राजनीतिक हलचल हुई तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में खरमास समाप्त होने के बाद राजनीतिक हलचल तेज होती दिख रही है। लंबे समय से जिस बड़े राजनीतिक घटनाक्रम की चर्चा थी, वह अब साकार होने की दिशा में बढ़ रहा है। पिछले पांच दिनों से झारखंड कांग्रेस के पांच विधायक राजधानी दिल्ली में रहकर पार्टी आलाकमान के समक्ष अपनी बात रख रहे हैं।

हैरानी की बात यह है कि इसी दौरान झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के. राजू राज्य में ही मौजूद हैं। ऐसे में विधायकों का लगातार दिल्ली में बने रहना कई राजनीतिक संकेत दे रहा है। खरमास समाप्त होने और शुभ समय की चर्चा के बीच इन गतिविधियों ने अटकलों को और तेज कर दिया है।

दिल्ली में मौजूद विधायकों में राजेश कच्छप, सोनाराम सिंकु, रामचंद्र सिंह, नमन विक्सल कोंगाड़ी और सुरेश बैठा शामिल हैं। इन सभी ने कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि इस दौरान संगठनात्मक मसलों के साथ-साथ मंत्री पद और बोर्ड-निगमों में नियुक्तियों पर भी चर्चा हुई।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि इन विधायकों ने झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार में संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर आलाकमान के समक्ष अपनी राय रखी। चर्चा है कि वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के स्थान पर अन्य विधायकों को अवसर देने की मांग की गई है।

विधायकों का तर्क है कि वित्त मंत्री चुनाव के समय दूसरी पार्टी से कांग्रेस में आए और पार्टी की टिकट पर जीतकर मंत्री बने। वहीं, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मंत्री पद पर हैं, जबकि उनके पिता पार्टी संगठन में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री के कार्यों को लेकर संगठन और सरकार के भीतर पहले से असंतोष की बातें सामने आती रही हैं। विधायकों का मानना है कि यदि कांग्रेस पार्टी मंत्रिमंडल में आंशिक फेरबदल करती है तो इससे जनता के बीच सकारात्मक संदेश जाएगा।

इधर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन फिलहाल विदेश दौरे पर हैं। उनके स्वदेश लौटने के बाद झारखंड की राजनीति में कोई बड़ा फैसला लिया जा सकता है। राजनीति संभावनाओं का खेल है और झारखंड में इन दिनों कुछ भी संभव नजर आ रहा है।

अलग-अलग मामलों में 37 आरोपित धराये

हाजीपुर। वैशाली जिले में अपराध और अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने व्यापक स्तर पर कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत एससी-एसटी एक्ट, धोखाधड़ी, उत्पाद अधिनियम और वारंट मामलों में कुल 37 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। इस अभियान से जिले में कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस की सख्ती साफ नजर आई।

पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को जिले के विभिन्न थाना और ओपी क्षेत्रों में एक साथ विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तार किया गया। अभियान में स्थानीय थाना पुलिस के साथ विशेष टीमों को भी लगाया गया था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में उत्पाद अधिनियम के तहत 33 आरोपी शामिल हैं, जो अवैध शराब के कारोबार से जुड़े थे। इसके अलावा एससी-एसटी एक्ट के एक मामले, धोखाधड़ी के एक मामले और दो वारंटी आरोपियों को भी पुलिस ने दबोचा है।

श्रद्धालु कांवड़ यात्रा पर प्रयागराज हुए रवाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। मां तारा देवी का आशीर्वाद लेकर बलियारी निवासी राम दुलार यादव, अलीपुर निवासी गोपाल शर्मा एवं मखदुमपुर निवासी सतेन्द्र शर्मा प्रयागराज के लिए रवाना हुए। तीनों श्रद्धालु प्रयागराज स्थित संगम से पवित्र जल लेकर वहां से पैदल लगभग 600 किलोमीटर की कांवड़ यात्रा करते हुए भगवान शिव की नगरी देवघर पहुंचेंगे, जहां वे संगम जल से महादेव का जलाभिषेक करेंगे।

उल्लेखनीय है कि तीनों श्रद्धालुओं की यह तीसरी कांवड़ यात्रा है। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता हिमांशु शेखर, कांग्रेस नेता नागेंद्र सिंह एवं मुस्तफा आलम उपस्थित रहे।

इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता हिमांशु शेखर ने कहा कि धार्मिक यात्राओं से समाज में नैतिकता और संस्कारों का विकास होता है। संस्कारों के पतन के कारण ही आज समाज में बेटियों के विरुद्ध जघन्य अपराध बढ़ रहे हैं। नगेन्द्र सिंह ने श्रद्धालुओं को सुखद, सुरक्षित और सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

सरस्वती पूजा के साथ विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित

प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। ऋतुराज बसंत की भ्रमरगाण गुंजित विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना शुक्रवार को को प्रातः मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल के प्रांगण में हर्षोल्लास से मनाया गया। पूजा अर्चना का शुभारंभ ओमशांति की बीके उर्मिला बहन संचालिका- ब्रह्म कुमारी के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के अवसर पर ओम शांति की बहनों को शाल व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। पूजा अर्चना के साथ-साथ छात्रों द्वारा विज्ञान प्रदर्शिनी का भी आयोजन किया गया जिसमें बच्चे उत्साहित होकर शिक्षक मृणाल प्रधान एवं संजय कुमार की देखरेख में अपने प्रोजेक्ट को तैयार कर लाए थे।

विज्ञान प्रदर्शनी की शुरूआत केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य कुमार राघवेंद्र, डॉ. संजय प्रधान, प्राचार्य पाराशर त्यागी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

विज्ञान प्रदर्शनी में निर्णायक मंडलों के द्वारा लगभग 300 छात्र-छात्राओं का अवलोकन किया गया। अत्याधुनिक दृष्टिहीन दंड, जैमर, विद्युत स्पाइरल गेम, वायु प्रदूषण नियंत्रक, वायु शुद्धिकरण यंत्र आदि विभिन्न प्रकार के प्रोजेक्ट को छात्र-छात्राओं ने कठिन परिश्रम करके अपने हाथों से तैयार किया।

इस अवसर पर विद्यालय द्वारा उत्कृष्ट दैनिक उपस्थिति, उत्कृष्ट अनुशासन, उत्कृष्ट परीक्षा फल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतथि एडीजे शेफाली नारायण, गौरव कुमार (विद्युत विभाग इंजीनियर) ने मोमेंटो देकर पुरस्कृत किया। इन्होंने विज्ञान प्रदर्शनी को भी देखा और बच्चों की सराहना की।इस अवसर पर डा. नागेंद्र झा अधिवक्ता अजय सिंह, आर एस थाना एस आई त्रिपुरारी कुमार, पी एस आई सौदागर कुमार, उप-मुख्य पार्षद गौतम कुमार शाह एवं अविनाश कांत आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

उपस्थित सभी अतिथियों को विद्यालय के निदेशक डॉ संजय प्रधान और प्राचार्य पाराशर त्यागी के द्वारा शाल व बुके देकर स्वागत किया गया। आज के विज्ञान प्रदर्शनी को शिक्षक सजय मंडल के नेतृत्व में सफल बनाया गया। इस अवसर पर अर्जुन कुमार झा, सौभीक घोष, मृणाल प्रधान, मौसमी सिन्हा, राजेश गप्ता, अमरेश पाठक आदि उपस्थित थे।

पुलिस वाहन की ठोकर से मां-बेटे की मौत, जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीतामढ़ी। मेजरगंज थाना पुलिस के वाहन की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसा सीमावर्ती क्षेत्र के सिजुआ स्थित सैनिक रोड पर हुआ। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे।

मृतक की पहचान सुशील कुमार, पिता रामपुकार महतो, के रूप में की गई है। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

घटना के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर टायर जला कर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

दंगल प्रतियोगिता में संजय ने ईनाम के साथ बटोरी तालियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। वसंत पंचमी के पावन अवसर पर महावीरी पूजा समिति के तत्वावधान में नगर के नरबतपुर में परंपरागत विराट दंगल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया।

इस दंगल में बिहार और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नामी-गिरामी पहलवानों ने अपने दांव-पेंच और कुश्ती कला का शानदार प्रदर्शन किया। हजारों दर्शकों की मौजूदगी में हुए इस आयोजन में चौसा के पहलवानों का दबदबा साफ तौर पर देखने को मिला।

दंगल में चौसा के पिंटू पहलवान व अरमान ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को अखाड़े में पटखनी देकर खूब तालियां बटोरीं और हजारों रुपये के इनाम अपने नाम किए।

प्रतियोगिता की सबसे महंगी और चर्चित कुश्ती चौसा के पिंटू पहलवान के नाम रही। पिंटू और उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से आए संजय पहलवान के बीच 10 हजार रुपये की इनामी कुश्ती हुई, जिसमें पिंटू ने शानदार दांव-पेंच से संजय को चित कर दिया और दर्शकों से जमकर वाहवाही लूटी।

इस विराट दंगल में आजमगढ़, मऊ, बनारस, चंदौली, मुगलसराय, बीएमपी पटना, दानापुर, कैमूर और गाजीपुर सहित दूर-दराज के गांवों से भी पहलवान पहुंचे थे।

अखाड़े में पहलवानों ने अपनी ताकत, फुर्ती और कुश्ती कला का अद्भुत प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हर मुकाबले के साथ दर्शकों का उत्साह बढ़ता गया और पूरा वातावरण रोमांच से भर गया।

प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका सेना के श्री भगवान पहलवान ने बखूबी निभाई। आयोजन को सफल बनाने में महावीरी पूजा समिति के दीनबंधु सिंह, संजय साधु, सतीश यादव सहित अन्य सदस्यों की अहम भूमिका रही। दंगल प्रतियोगिता को देखने के लिए ग्रामीण क्षेत्र से भारी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे और अंत तक अखाड़े से जुड़े रहे।

जलमार्गों का किया जायेगा विस्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में नदियों के रास्ते व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत रोडमैप बनाया गया है। इसके अंतर्गत गंगा समेत राज्य के सातों राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास किया जाएगा। गंगा, गंडक, कोसी और सोन जैसी प्रमुख नदियों के माध्यम से बालू, सीमेंट, स्टोन चिप्स, बिजली संयंत्र आदि भारी सामग्रियों की ढुलाई भी बढ़ेगी।

राज्य के परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने शुक्रवार को कोच्चि में इनलैंड वाटरवेज डेवलपमेंट काउंसिल (आईडब्लयूडीसी) की तीसरी बैठक में जलमार्ग क्षमताओं और भविष्य के रोडमैप की विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार सागरमाला योजना के तहत अंतर्देशीय जलमार्गों को बढ़ावा दे रही है। पत्तन, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आइडब्ल्यूएआई) और राष्ट्रीय अंतर्देशीय नौवहन संस्थान (निनि) के साथ मिलकर बिहार में पोर्ट लैंड विकसित किए जाएंगे।

राज्य में अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग को पुनर्गठित कर बिहार मैरीटाइम बोर्ड बनाने की भी योजना है। आरओ-आरओ टर्मिनल, क्रूज टर्मिनल, वाटर मेट्रो, लॉजिस्टिक हब, औद्योगिक क्लस्टर और मैरीटाइम जोन का विकास पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर होगा।

इसके अलावा अंतर्देशीय जहाज नौवहन प्रशिक्षण संस्थान (निनि) के मार्गदर्शन में बक्सर, भागलपुर और दरभंगा में स्किल डेवलपमेंट के लिए केंद्र खोले जाएंगे। इससे कुशल मानव संसाधन तैयार होगा और स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

वर्तमान में 21 सामुदायिक जेटी मौजूद हैं, जिन्हें 17 अतिरिक्त स्थानों पर बढ़ाने की योजना है।

फर्जी प्रतिनियुक्ति पर शिक्षक उठा रहे वेतन

दरभंगा। प्लस टू उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय कमलपुर पूर्व से जुड़ा फर्जी प्रतिनियुक्ति, कर्तव्य से अनुपस्थिति और अवैध वेतन भुगतान का मामला उजागर हुआ है। इस बाबत दर्ज परिवाद की सुनवाई के बाद जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी ने इस पूरे प्रकरण को प्रमाणिक मानते हुए सख्त कार्रवाई का आदेश दिया है। परिवादी बिरौल प्रखंड के कमलपुर के भुवन मंडल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि विद्यालय की अध्यापिका गीतू कुमारी सिन्हा ने इंटरमीडिएट एवं माध्यमिक परीक्षा 2024 के दौरान प्रतिनियुक्ति के बावजूद परीक्षा केंद्रों पर योगदान नहीं दिया, जबकि फर्जी उपस्थिति दर्शाकर वेतन भुगतान प्राप्त कर लिया गया।

जांच में यह स्पष्ट हुआ कि संबंधित अध्यापिका ने निर्धारित किसी भी परीक्षा केंद्र पर एक भी दिन योगदान नहीं दिया, न ही अवकाश आवेदन अथवा किसी प्रकार की लिखित सूचना दी। जांच प्रतिवेदन के अनुसार, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बिरौल ने उनकी प्रतिनियुक्ति मध्य विद्यालय बलिया (बिरौल) में एक से 12 फरवरी 2024 तक दर्शाई थी।

खुले आसमान के नीचे पढ़ने को मजबूर

101 छात्रों का है नामांकन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। एक ओर शिक्षा विभाग शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार नए-नए आदेश और योजनाएं जारी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। रहुई प्रखंड अंतर्गत मल्लिचक प्राथमिक विद्यालय इसका जीता-जागता उदाहरण है, जहां आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में शिक्षा दी जा रही है।

मल्लिचक प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा की अलख जगाने वाले शिक्षक सीमित संसाधनों के बीच नौनिहालों का भविष्य संवारने में जुटे हैं। विद्यालय में भवन और पर्याप्त फर्नीचर की कमी के कारण बच्चों को हाथ में श्यामपट्ट लेकर पढ़ाई करने को मजबूर होना पड़ रहा है, जो ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था की चिंताजनक तस्वीर पेश करता है।

विद्यालय में कुल 101 बच्चे नामांकित हैं और यहां चार शिक्षक-शिक्षिकाएं कार्यरत हैं। खास बात यह है कि विद्यालय का अपना भवन नहीं है। वर्ष 2014 से यह विद्यालय गांव के महादेव मंदिर के समीप स्थित एक सामुदायिक भवन में संचालित हो रहा है। यहां कक्षा-कक्ष, डेस्क-बेंच और बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।

मजबूरी में कई बच्चे बरामदे या पेड़ के नीचे बैठकर पढ़ाई करते हैं। शिक्षक बच्चों को कॉपी के स्थान पर हाथ में श्यामपट्ट देकर अक्षर ज्ञान और गणित का अभ्यास कराते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षक पूरी निष्ठा और लगन से पढ़ाई करा रहे हैं, ताकि बच्चों की शिक्षा बाधित न हो। स्थानीय अभिभावकों का कहना है कि नामांकन के अनुरूप सुविधाएं नहीं होने से बच्चों को खासकर बरसात और ठंड के मौसम में भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। इससे बच्चों की एकाग्रता और सीखने की क्षमता प्रभावित होती है।

प्रधानाध्यापिका प्रीति कुमारी ने बताया कि इस समस्या से बीईओ से लेकर जिला स्तर तक अधिकारियों को अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

वहीं डीपीओ सह बीईओ आनंद शंकर ने इसे गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि भवन निर्माण को लेकर बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड, पटना को पत्र भेजा गया है। आदेश मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

सरस्वती पूजा एवं सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। आज रामेश्वर प्रसाद प्लस टू उच्च विद्यालय बेलागंज में सरस्वती पूजा एवं सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहम्मद अबरार आलम ने बच्चों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा यह पूजा एक पूजा नहीं है बल्कि एक अच्छे इंसान शिक्षा के प्रति समर्पण का उद्देश्य छुपा है। आज उनकी प्रतिमा के सामने आप शपथ लें कि मैं एक अच्छा इंसान बनूंगा और एक अच्छे समाज का निर्माण करूंगा। उन्होंने कहा कि यही बसंत बहार की शुरूआत होती है।

वहीं दूसरी ओर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूत सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाते हुए मुझे यह कहना पड़ रहा है कि वे वह क्रांतिकारी थे जिन्होंने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया, अपनी कुर्बानी दी। ऐसे वीर सपूतों के नक्शे कदम पर चलकर हम घर, परिवार, समाज व देश का कल्याण कर राष्ट्रवादी व्यक्ति बने, देश के लिए समर्पित भाव से काम करें ।

इस अवसर पर विद्यालय के वरीय शिक्षक चंद्रमणि प्रसाद, स्काउट गाइड एवं शारीरिक शिक्षा विषय के तेज तर्रार शिक्षक दिवाकर कुमार ,विज्ञान शिक्षक सुनील कुमार सामाजिक विज्ञान के शिक्षक तरुण कुमार,कन्हाई कुमार,आनंद कुमार, और राजेश कुमार ने दोनों कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने विचार से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के एक कर्मचारी अनिल कुमार की भी भूमिका सराहनी रही।

CMYK

किसानों से मिल रही शिकायत पर उर्वरकों के साथ अन्य उत्पाद की टैगिंग पर रोक

केंद्र सरकार के निर्देश के बावजूद कंपनियां खुदरा बिक्री केंद्र तक उर्वरक नहीं पहुंचा रही, होगी कार्रवाई: राम कृपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

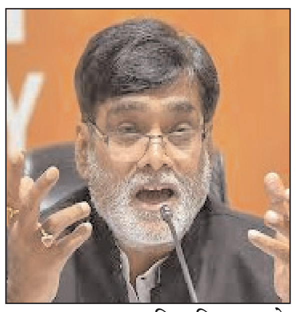

पटना। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव के कहा कि पूरे बिहार के किसानों से लगातार शिकायत मिल रही थी कि खुदरा विक्रेता उर्वरक के साथ अन्य उत्पाद किसानों को जबरदस्ती बेच रहे हैं जिससे किसानों को उर्वरक मंहगा मिल रहा है। उन्हें आर्थिक नुकसान भी हो रहा है जब इसकी जांच कराई गई तो पता चला कि उर्वरक कंपनियां खुदरा विक्रेताओं को उर्वरक के साथ अन्य उत्पाद की टैगिंग कर बेचने का दबाव बना रही हैं जो सरासर नियम का उल्लंघन है। राज्य में जारी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत आज कृषि विभाग ने अनुदानित उर्वरकों के साथ अन्य उत्पाद के टैगिंग पर पूरी तरह रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अनुदानित उर्वरक जैसे यूरिया, डीएपी, एनपीके एवं एमओपी के साथ किसी भी अन्य उत्पाद की जबरन टैगिंग पूरी तरह अनुचित एवं इस पर रोक है। राज्य में किसानों को निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराना विभाग की प्रतिबद्धता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। उर्वरक कम्पनियों पर सख्ती की जाएगी और विधिसम्मत कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार सभी उर्वरक आपूर्तिकर्ता कंपनियों की यह जिम्मेदारी है कि वे यूरिया, डीएपी, एनपीके एवं एमओपी सहित सभी उर्वरकों को सीधे बिक्री केंद्र (प्वाइंट ऑफ सेल) तक फ्रेट ऑन रोड के आधार पर पहुंचाएं। ताकि किसानों को एमआरपी पर उर्वरक प्राप्त हो सके। परिवहन भाड़ा कंपनी द्वारा खुदरा विक्रेताओं के खाते में उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य है अथवा थोक उर्वरक विक्रेताओं के माध्यम से खुदरा विक्रेताओं के खाते में भुगतान सुनिश्चित किया जाए। कृषि मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि कंपनियां इस प्रक्रिया से संबंधित साक्ष्य के रूप में खुदरा विक्रेताओं के खाता विवरण को संधारित करें और आवश्यकता पड़ने पर मुख्यालय को उपलब्ध कराएं। यदि किसी भी स्तर पर कोताही, शिकायत अथवा अनियमितता की सूचना विभाग को प्राप्त होती है तो संबंधित कंपनी, उसके पदाधिकारी अथवा थोक उर्वरक विक्रेता प्रतिष्ठान के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने दोहराया कि बिहार सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उर्वरक वितरण प्रणाली को किसान-केन्द्रित, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के लिए निरंतर निगरानी एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

'लोकल से ग्लोबल' बन रहा बिहार का सुपरफूड मखाना : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। गणतंत्र दिवस समारोह में रक्षा मंत्रालय के स्तर से आयोजित भारत पर्व के अंतर्गत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की चयनित झांकियों में बिहार से मखाना के चयन पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि मिथिलांचल के पारंपरिक पोखरों से निकलकर मखाना आज दुनिया की थाली तक पहुंच चुका है जो आत्मनिर्भर बिहार की सशक्त पहचान है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित भारत पर्व 2026 में बिहार की झांकी ने राज्य की सांस्कृतिक विरासत और आर्थिक सामर्थ्य को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि बिहार की झांकी का थीम है - मखानाः लोकल से ग्लोबल तक। भारत पर्व के तहत देश की सांस्कृतिक, आर्थिक और सामाजिक विविधताओं को झांकियों, हस्तशिल्प, खानपान और परंपराओं के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जीआई टैग से मिली वैश्विक पहचान, महिला सहभागिता की मजबूत भूमिका और किसानों के अथक परिश्रम ने मखाना को एक अंतरराष्ट्रीय सुपरफूड के रूप में स्थापित किया है। यह झांकी न केवल बिहार की प्रगति को दर्शाएगी, बल्कि भारत की वैश्विक पहचान को भी और अधिक सुदृढ़ करेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि बिहार की झांकी यह संदेश देती है कि परंपरा, कड़ी मेहनत और इनोवेशन के संगम से स्थानीय आजीविका को एक ग्लोबल पहचान दी जा सकती है। यह झांकी हमारी विरासत और उद्यमिता का संगम है। उन्होंने कहा कि यह झांकी इस संदेश को भी परिलक्षित करता है कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ स्थानीय उत्पादों को नवाचार के जरिए विश्व स्तर पर पहचान दिलाई जा सकती है। बस इसके लिए नीति और नियत चाहिए।

प्रमोद चंद्रवंशी के आवास पर सरस्वती पूजा समारोह संपन्न, राज्यपाल ने की पूजा-अर्चना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना स्थित प्रमोद चंद्रवंशी के आवास पर 23 जनवरी को मां सरस्वती पूजा समारोह श्रद्धापूर्वक वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने विधिवत पूजा-अर्चना कर बिहार प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। यह आयोजन भारतीय जनता पार्टी अति पिछड़ा प्रकोष्ठ, बिहार प्रदेश के संयोजक प्रमोद सिंह चंद्रवंशी की ओर से उनके आवास पर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुमारी पूजा द्वारा पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। पूजा समारोह में बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा, भाजपा बिहार के संगठन प्रभारी भिखूभाई दलसानिया, विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, हम (सेक्युलर) पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मंत्री संतोष कुमार सुमन, मंत्री रामकृपाल यादव, जदयू के राष्ट्रीय महामंत्री मनीष वर्मा, अति पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नवीन कुमार आर्य, पूर्व सांसद अरुण कुमार, चंदेश्वर प्रसाद, पूर्व मंत्री अनिल कुमार, विधायक मनोज शर्मा, उदय कुमार, रोहित कुमार, ऋतुराज सिंह, मछुआरा आयोग के सदस्य अरविंद कुमार निषाद, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष संजय खंडियाल, यू.पी. शर्मा, उप महापौर रेशमी चंद्रवंशी, पालीगंज के पूर्व लोजपा प्रत्याशी सुनील यादव, पूर्व विधायक अजय पासवान सहित बिहार के अनेक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर बिहार के विभिन्न जिलों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में सरस्वती पूजा श्रद्धा के साथ सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विद्यापीठ द्वारा संचालित देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में ज्ञान, विद्या, कला और संस्कृति की अधिष्ठात्री देवी माता सरस्वती की पूजा-अर्चना वसंत पंचमी के पावन अवसर पर श्रद्धा, उल्लास एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुई। इस अवसर पर बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष विजय प्रकाश, डॉ नीरज सिन्हा, वित्तमंत्री, डॉ मृदुला प्रकाश निदेशक शिक्षा संस्कृति एवं संग्रहालय, डॉ पूनम वर्मा प्राचार्य, संयुक्त सचिव अवधेश के नारायण एवं प्रमोद कुमार कर्ण सहित सहायक प्राध्यापक एवं प्रशिक्षु तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वसंत पंचमी भारतीय परंपरा में न केवल ऋतुराज वसंत के आगमन का प्रतीक है, बल्कि यह ज्ञान, सृजन, सौंदर्य और चेतना के नवोन्मेष का उत्सव भी है। इसी भावभूमि पर आयोजित सरस्वती पूजा में शिक्षकों, छात्र-छात्राओं एवं कर्मियों ने सामूहिक रूप से विद्या, विवेक और संस्कार की साधना की। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की सुप्रसिद्ध रचना 'वर दे वीणा वादिनि वर दे' तथा महाकवि विद्यापति की अमर रचना 'जय जय भैरवी असुर भयावनी' का भावपूर्ण सामूहिक गायन प्रस्तुत किया गया। इस सांगीतिक प्रस्तुति का नेतृत्व सहायक प्राध्यापक (संगीत) कंचन कुमारी ने किया। उनके साथ सहायक प्राध्यापकगण डॉ रीना चौधरी, मंजरी चौधरी, विनीता कुमारी एवं ज्योति कुमारी ने भक्ति-भाव से ओतप्रोत स्वरांजलि अर्पित की। ऋतुराज वसंत के स्वागत में पारंपरिक फगुआ लोकगीत का सामूहिक गायन कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। इस लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुति में डॉ मृदुला प्रकाश (निदेशक, शिक्षा संस्कृति एवं संग्रहालय), डॉ पूनम वर्मा (प्राचार्य), डॉ शादमा साहिन, कुमारी प्रेरणा एवं सौरभ कुमार ने सहभागिता निभाई जिससे संपूर्ण वातावरण उल्लास, रंग और लोकचेतना से सराबोर हो उठा। यह आयोजन शिक्षा के साथ संस्कृति के समन्वय का सशक्त उदाहरण बना जिसमें ज्ञान की आराधना, संगीत की साधना और लोक परंपराओं का जीवंत रूप देखने को मिला। महाविद्यालय परिवार ने इस अवसर पर यह संकल्प व्यक्त किया कि वे शिक्षा को केवल अकादमिक दायरे तक सीमित न रखकर भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों एवं मानवीय संवेदनाओं से निरंतर समृद्ध करते रहेंगे।

शक्तिधाम दादीजी मंदिर में श्रद्धालुओं ने की विद्या की देवी की पूजा-अर्चना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बैंक रोड स्थित शक्तिधाम दादीजी मंदिर परिसर में विद्या और ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ धूमधाम से संपन्न हुई। इस अवसर पर मंदिर को विकास पोद्दार द्वारा आकर्षक रूप से सजाया गया तथा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत पूजा-अर्चना की गई। मौके पर मुख्य संस्थापक अमर अग्रवाल ने बताया कि दादीजी मंदिर में प्रतिवर्ष मां सरस्वती की पूजा की जाती है। ताकि समाज और विद्यार्थियों को ज्ञान, बुद्धि और विवेक का आशीर्वाद प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि मां सरस्वती की कृपा से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। एम पी जैन ने बताया कि पूजन कार्यक्रम में अमर अग्रवाल, रमेश मोदी, रमेश अग्रवाल, अक्षय अग्रवाल, दीपक भुवानिया, बिमल माधोगढिया, मनोज अग्रवाल, सूर्य नारायण सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मां सरस्वती की आराधना की और सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के पश्चात भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और उल्लास का वातावरण व्याप्त रहा।

मोटोरोला ने किया मोटोरोला सिग्नेचर लांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में ग्लोबल लीडर तथा भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने भारत में मोटोरोला सिग्नेचर को लॉन्च किया है। मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर टी एम नरसिम्हन ने लॉन्च के मौके पर कहा कि मोटोरोला सिग्नेचर के साथ हम भारत में अल्ट्रा-प्रीमियम स्मार्टफोन्स के लिए एक नया बेंचमार्क बना रहे हैं जो सिर्फ फीचर्स से आगे जाता है। यह लॉन्च हमारी मेहनत दिखाता है कि हम विश्वस्तरीय इनोवेशन, अच्छा डिजाइन और सार्थक अनुभव मिलाकर रोज की जिंदगी को और बेहतर बनाएं। डीएक्सओमार्क से गोल्ड स्टैण्डर्ड रेटिंग की महत्वपूर्ण कैमरा टेक्नोलॉजी, शानदार परफॉर्मेंस, भारत में पहली बार खास सिग्नेचर क्लब के फायदे और मोटो वाच के साथ वेलनेस-फोकस्ड इकोसिस्टम देकर, हम एक बढ़िया पैकेज दे रहे हैं।

भाजपा प्रदेश मुख्यालय में भव्य तरीके से मनाई जाएगी कर्पूरी ठाकुर जयंती

कर्पूरी ठाकुर जयंती समारोह में उपमुख्यमंत्री सहित कई मंत्री होंगे शामिल : संजय खंडेलिया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की 102 वीं जयंती 24 जनवरी को बिहार भाजपा प्रदेश मुख्यालय में धूमधाम और भव्य तरीके से मनाई जाएगी। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और इस कार्यक्रम के संयोजक संजय खंडेलिया ने आज बताया कि जननायक कर्पूरी ठाकुर के जयंती समारोह को लेकर तैयारी अंतिम चरण में है। इस समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है और आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी जोर-शोर से जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस समारोह में बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री, मंत्री और पार्टी के बड़े नेता भी सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में प्रदेश के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में शिरकत करेंगे। इस समारोह में जननायक कर्पूरी ठाकुर के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प याद किया जाएगा तथा उनके कृतित्व की चर्चा की जाएगी। इस आयोजन को लेकर अति पिछड़ा प्रकोष्ठ और ओबीसी मोर्चा द्वारा विशेष तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जयंती समारोह के माध्यम से जननायक कर्पूरी ठाकुर को न केवल याद किया जाएगा बल्कि उनके सामाजिक न्याय, समान अवसर तथा वंचित एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान से जुड़े विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक संजय खंडेलिया ने कहा कि आज केंद्र की सरकार हो या बिहार की एनडीए सरकार, जननायक और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के सपनों को साकार करने के लिए कई योजनाएं चला रही हैं।

पुनर्निधारित समय से चार ट्रेनें चलेंगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। रेलवे शासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल के ओड़गा एवं हटिया स्टेशनों के मध्य दोहरीकरण कार्य के परिप्रेक्ष्य में कानारोवां स्टेशन पर प्री-नान इंटरलॉक एवं इंटरलॉक कार्य हेतु यातायात ब्लॉक लिए जाने के कारण निम्नलिखित 4 ट्रेनें अपने प्रारंभिक स्टेशन से पुनर्निधारित समय से खुलेगी। सम्बलपुर से 01 से 04 फरवरी, 2026 तक खुलने वाली 15027 सम्बलपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस सम्बलपुर से 2 घंटे पुनर्निधारित समय से खुलेगी। जम्मूतवी से 30 जनवरी और 01 फरवरी, 2026 को खुलने वाली 18610 जम्मूतवी-सम्बलपुर एक्सप्रेस जम्मूतवी से 02 घंटे पुनर्निधारित समय से खुलेगी। सम्बलपुर से 02 फरवरी, 2026 को खुलने वाली 18609 सम्बलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस सम्बलपुर से 01 घंटे पुनर्निधारित समय से खुलेगी। जयनगर से 01 फरवरी, 2026 को खुलने वाली 18106 जयनगर-राउरकेला एक्सप्रेस जयनगर से 02 घंटे पुनर्निधारित समय से खुलेगी।

आपकी लाइब्रेरी सह संस्कारशाला में सरस्वती पूजा का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पुरानी जक्कनपुर रामलखन महतो फ्लैट में स्थित आपका लाइब्रेरी सह संस्कारशाला में धूमधाम से सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई जिसमें विद्यार्थियों ने मां सरस्वती की स्तुति की। इसके बाद शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर पूजा-अर्चना की और मां सरस्वती को फूल, फल और अन्य चीजें अर्पित कीं। इस अवसर पर संस्कारशाला के अमितराज अकेला ने कहा मां सरस्वती की पूजा हमें ज्ञान, बुद्धि और संस्कार की महत्ता को समझने का अवसर प्रदान करती है। हमें अपने जीवन में मां सरस्वती के आशीर्वाद को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर मां सरस्वती की आरती की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मौके पर पूजा करने के लिए 150 छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। पुजारी अनुज पण्डित ने लाइब्रेरी के संस्थापक अमित राज अकेला सहित अस्मिता राज, सौर्यराज, श्वेत लता से पूजा करवाया। साथ हीं पूजा करने में सभी लाइब्रेरी के बच्चे भी उपस्थित रहे। मौके पर सुरेंद्र प्रसाद गौतम, सागर, प्रकाश, अनीशा सिंह, अभिलाष तथा अन्य उपस्थित थे। मौके पर अमित राज ने बताया कि आपका लाइब्रेरी सह संस्कारशाला में सरस्वती पूजा का आयोजन हर साल धूमधाम से किया जाता है और यह हमारे संस्कारशाला का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। आपका लाइब्रेरी पुरानी जक्कनपुर, रामललाखन महतो फ्लैट, में सरस्वती पूजा किया गया जिसमें पुजारी का नाम अनुज पण्डित लाइब्रेरी के संस्थापक अमित राज अकेला उनकी बेटी अस्मिता राज बेटा सौर्यराज पत्नी श्वेत लता द्वारा पूजा किया गया। पूजा करने में सभी लाइब्रेरी के बच्चे उपस्थित रहे। सागर राजाजी, राहुल, अभिषेक, सुजय इत्यादि बहुत सारे बच्चे उपस्थित रहे।

चिचाकी स्टेशन पर तीन जोड़ी ट्रेनों का ठहराव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। रेलवे द्वारा उर्स के अवसर पर धनबाद मंडल के नेताजी सुभाषचंद्र बोस गोमो-कोडरमा के मध्य स्थित चिचाकी स्टेशन पर 24 जनवरी 2026 से 7 फरवरी 2026 तक अस्थायी रूप से तीन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का दो-दो मिनट का ठहराव प्रदान किया गया है। गाड़ी संख्या 18625 पूर्णिया कोर्ट-हटिया एक्सप्रेस 15.14 बजे चिचाकी स्टेशन पहुंचकर 15.16 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 18626 हटिया-पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस 10.16 बजे चिचाकी स्टेशन पहुंचकर 10.18 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 13151 कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस 18.04 बजे चिचाकी स्टेशन पहुंचकर 18.06 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 13152 जम्मूतवी-कोलकाता एक्सप्रेस 08.44 बजे चिचाकी स्टेशन पहुंचकर 8.46 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 13307 धनबाद-फिरोजपुर गंगा सतलुज एक्सप्रेस 22.52 बजे चिचाकी स्टेशन पहुंचकर 22.54 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 13308 फिरोजपुर-धनबाद गंगा सतलुज एक्सप्रेस 03.07 बजे चिचाकी स्टेशन पहुंचकर 3.09 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी।

सूरजमुखी और हैमलेट नाटक से दसवें बिहार रंग महोत्सव का आरंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सांस्कृतिक संस्था इमैजिनेशन द्वारा शुक्रवार को सात दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव बिहार रंग महोत्सव - बिहारंगम-2026 का आरंभ नाद संस्था द्वारा लोक संगीत की प्रस्तुति से हुई। तदोपरांत मुख्य मंच पर विनोद राय द्वारा निर्देशित नाटक सूरजमुखी और हैमलेट का बेहतरीन मंचन हुआ। इस बार यह महोत्सव 23 जनवरी से 28 जनवरी, 2026 तक प्रेमचंद रंगशाला, राजेंद्र नगर, पटना में आयोजित हो रहा है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सी सी आर टी के अध्यक्ष विनोद नारायण इंदुरकर, विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध सिनेमा निर्देशक,एडिटर,गीतकार एवं संवाद लेखक अमिताभ वर्मा, वरिष्ठ फिल्म समीक्षक विनोद अनुपम एवं इमेजिनेशन के संरक्षक प्रो. संतोष कुमार आदि मौजूद रहे। बिहार रंग महोत्सव का 10वां संस्करण संस्कृति मंत्रालय (भारत सरकार), कला, संस्कृति एवं युवा विभाग (बिहार सरकार) एवं रेरा, बिहार, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एवं तक्षशिला के सामूहिक महत्वपूर्ण सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस मौके पर इमैजिनेशन संस्था के सचिव कुंदन कुमार ने बताया कि बिहारंगम नाट्य महोत्सव बिहार का एक प्रसिद्ध नाट्य महोत्सव है जिसमें देश के अलग-अलग राज्यों से कलाकार आकर अपनी प्रस्तुति देते हैं। नाट्य महोत्सव में बिहार के कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच तो मिलता ही है। साथ ही राष्ट्रीय स्तर की प्रस्तुतियों से राज्य के कलाकारों को भी काफी एक्सपोजर मिलता है। ये हमारा 10वां साल है। इसलिए संस्थान के बच्चों की आग्रह पर हम अपनी संस्था के 5 नाटक प्रस्तुत कर रहे हैं एवं एक नाटक प्रसिद्ध नाट्य संस्था रंग विदूषक भोपाल द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। महोत्सव के आखिरी दिन तीन दशक के लंबे अंतराल के बाद बिहार की संस्था द्वारा अंग्रेजी नाटक वेटिंग फॉर गोडोट की प्रस्तुति होगी। 10वें बिहार रंग महोत्सव के पहले दिन बहुचर्चित नाटक सूरजमुखी और हैमलेट की प्रस्तुति हुई जो कि एक हास्यास्पद नाटक है जिसमें एक लेखक अपनी कल्पना और वास्तविकता में उलझ जाता है। 24 जनवरी को डॉ अंजना पूरी द्वारा लिखित एवं कन्हैया लाल कैथवास द्वारा निर्देशित नाटक 'दूसरो न कोई' की प्रस्तुति होगी। यह एक म्यूजिकल नाटक होगा जो कि वैरागिनी मीरा बाई के जीवन पर आधारित है। पदमश्री बंसी कौल की नाट्य संस्था रंग विदूषक अपने अद्भुत नाट्य शैली के लिए जानी जाती है। इस बार भी दर्शकों कुछ अलग अनुभव कराने उनकी टीम पटना आ रही है।

बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स के कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में श्रद्धा से की गई मां सरस्वती की आराधना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सौजन्य से संचालित निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में शुक्रवार को सरस्वती पूजा के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मां सरस्वती की पूजा अर्चना सम्पूर्ण विधि-विधान संग की गई। इस दौरान प्रशिक्षण पाने वाली छात्राओं ने आकर्षक ढंग से प्रशिक्षण केन्द्र को सजाकर मां सरस्वती की आरती गाई। मौके पर डॉ गीता जैन ने कहा कि कौशल विकास केंद्र में प्रशिक्षण लेकर लड़कियां स्वरोजगार से जुड़ें, यही इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि केंद्र में कई तरह का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण पाने वाले छात्राओं को रोजगार भी उपलब्ध कराया जाता है। प्रसाद वितरण के पश्चात डॉ गीता जैन व तनुजा अग्रवाल ने छात्राओं को कौशल विकास के संबंध में जानकारी दी। मौके पर डॉ गीता जैन, तनुजा अग्रवाल, डॉ बृंदा सिंह, स्वर्णलता अग्रवाल, सुरभि अग्रवाल, अनुपम जैन, मधु सिंह, अंजलि सिन्हा, प्रियंका देवी, गुड़िया, गुन्जन एवं प्रशिक्षकों सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद थी।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, शनिवार 24 जनवरी 2026

संपादकीय

स्वच्छ ईंधन की चेतावनी, जलवायु संकट और गहराएगा

जीवाश्म ईंधन के अंधाधुंध इस्तेमाल से बढ़ते जलवायु संकट के बीच पूरी दुनिया में स्वच्छ ईंधन की जरूरत महसूस की जाने लगी है। मगर इस दिशा में प्रयास बहुत कम हो रहे हैं। स्वच्छ ईंधन और नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर योजनाएं तो बन रही हैं, लेकिन उनके क्रियान्वयन की गति बेहद धीमी है, जबकि जीवाश्म ईंधन पर अब भी ज्यादा जोर दिया जा रहा है। इससे स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंता तो है, लेकिन इससे निपटने के उपायों पर गंभीरता से काम नहीं हो पा रहा है। विश्व आर्थिक मंच की ओर से हाल में जारी एक रपट में भी इसका उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि स्वच्छ ईंधन से जुड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए वर्ष 2030 तक निवेश को चार गुना बढ़ा कर सालाना सौ अरब डालर करने की आवश्यकता है। जाहिर है कि अगर इस तरह की चेतावनियों और सुझावों को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो भविष्य में इसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। गौरतलब है कि दुनिया भर में इस समय स्वच्छ ईंधन पर सालाना करीब पच्चीस अरब डालर ही निवेश हो रहा है। दरअसल, स्वच्छ ईंधन को लेकर दावे तो बहुत किए जाते हैं, लेकिन इससे संबंधित योजनाओं की लागत अधिक होने से कई देश पीछे हट जाते हैं। वहीं सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन कर रहे विकसित देश खुद इसमें कटौती करने के बजाय छोटे और विकासशील देश पर नाहक दबाव बनाते रहे हैं। ऐसे में स्वच्छ ईंधन को साझा प्रयासों से प्रोत्साहित करने का वैश्विक लक्ष्य कहीं पीछे छूट जाता है। इसमें दोराय नहीं कि जलवायु संकट से निपटने की दिशा में स्वच्छ ईंधन अहम भूमिका निभा सकता है। इसके इस्तेमाल से उद्योगों और परिवहन क्षेत्र में बढ़ते उत्सर्जन को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है। लिहाजा स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल के लक्ष्य को जमीन पर उतारने के लिए न केवल भरोसेमंद और निवेश-योग्य परियोजनाएं बनानी होंगी, बल्कि उन्हें सख्ती से लागू भी करना होगा। जीवाश्म ईंधन के निरंतर इस्तेमाल से पूरी दुनिया में वायु प्रदूषण की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। इस संकट से बचने के लिए स्वच्छ ईंधन और नवीकरणीय ऊर्जा ही बेहतर विकल्प है।

केरल, कर्नाटक और तेलंगाना- पहले दिन ही ताबड़तोड़ ऐलान कर नितिन नवीन ने अपने इरादे बता दिए

(संतोष कुमार पाठक)

बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के सामने सबसे बड़ी या यूं कहें कि सबसे पहली चुनौती आगामी विधानसभा चुनाव है। क्योंकि पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी

में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजों के साथ ही नवीन के पास होने या फेल होने की चर्चाएं शुरू हो जाएंगी।

देश की सत्तारूढ़ पार्टी बीजेपी को अब तक का अपना सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन (45 वर्ष) के रूप में मिल गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और जेपी नड्डा समेत कई अन्य दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में नितिन नवीन ने मंगलवार, 20 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर अपना कार्यभार संभाल लिया।

बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के सामने सबसे बड़ी या यूं कहें कि सबसे पहली चुनौती आगामी विधानसभा चुनाव है। क्योंकि पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजों के साथ ही नवीन के पास होने या फेल होने की चर्चाएं शुरू हो जाएंगी। दक्षिण भारत के राज्यों में पार्टी का जनाधार बढ़ाना और कर्नाटक में पार्टी को फिर से सत्ता में लाना भी उनके सामने एक बड़ी चुनौती होगी। यह चुनौती उनके पहले दिन के फैसलों में भी साफ-साफ नजर आती है।

पार्टी अध्यक्ष का कार्यभार संभालते ही उन्होंने पहले दिन ही ताबड़तोड़ अंदाज में केरल, तेलंगाना, बेंगलुरू और चंडीगढ़ के लिए चुनाव प्रभारी और चुनाव सह प्रभारियों की नियुक्तियों कर अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। पहले दिन ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नितिन नवीन को क्यों अपना बॉस बताया था, यह कुछ घंटे बाद ही साफ हो गया क्योंकि जिन नेताओं को नितिन नवीन के आदेश से नई जिम्मेदारी दी गई है,उसमें कई नाम बहुत ही चौंकाने वाले हैं।

नवीन ने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल के पहले ही दिन, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को केरल विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रभारी नियुक्त करने की घोषणा कर दी। इसके साथ ही तावड़े को चंडीगढ़ मेयर चुनाव के लिए पर्यवेक्षक भी नियुक्त किया गया है। तावड़े बिहार के प्रभारी भी हैं। तावड़े के साथ ही केरल में चुनाव के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे को सह चुनाव प्रभारी बनाया गया है। शोभा करंदलाजे कर्नाटक से सांसद हैं।

अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर जेपी नड्डा तक, केरल हमेशा से ही बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए एक बड़ी चुनौती रहा है। नवीन पहले दिन से ही इस अभियान में जुट गए हैं। दक्षिण भारत में पार्टी के जनाधार को बढ़ाने की चुनौती में कर्नाटक भी शामिल हैं। कर्नाटक दक्षिण भारत का वह राज्य है, जहां सबसे पहले कमल खिला था लेकिन आज वहां कांग्रेस की सरकार है। शायद यही एक बड़ी वजह है कि एक चौंकाने वाला फैसला करते हुए राम माधव जैसे दिग्गज नेता को ग्रेटर बेंगलुरु निगम चुनाव के लिए चुनाव प्रभारी बनाया गया है।राम माधव अमित शाह के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहने के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। राम माधव के साथ ही राजस्थान बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया और महाराष्ट्र के विधायक संजय उपाध्याय को चुनाव सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

तेलंगाना में होने वाले नगर निगम चुनावों को भी पूरी गंभीरता से लेते हुए नितिन नवीन ने पहले ही दिन तीन बड़े नेताओं को वहां की जिम्मेदारी थमा दी है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आशीष शेलार को वहां का चुनाव प्रभारी बनाया गया है। शेलार नितिन नवीन के साथ काम कर चुके हैं, महाराष्ट्र युवा मोर्चा के अध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के काफी करीबी माने जाते हैं। उनके साथ ही राजस्थान बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी एवं हरियाणा से राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा को चुनाव सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

इन नियुक्तियों से यह बात पूरी तरह से स्पष्ट हो गई है कि बतौर युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को कर्नाटक, तेलंगाना , केरल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम जैसे राज्यों में चुनावी जीत हासिल कर, अपनी क्षमता को साबित करना ही होगा। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संघ प्रमुख मोहन भागवत के 10-12 वर्षों में जातिवाद खत्म करने के बयान के बीच, यह विश्लेषण पड़ताल करता है कि क्या आरएसएस के 'सामाजिक समरसता' प्रयास केवल हिंदू एकता के लिए एक राजनीतिक उपकरण हैं। लेख जातिवाद की गहरी सामाजिक-राजनीतिक जड़ों और आरक्षण जैसे मुद्दों को देखते हुए भागवत के प्रयासों की व्यावहारिकता और मंशा पर सवाल उठाता है। प्राचीनकाल में मनुस्मृति से लेकर आधुनिक काल के संविधान तक हिंदू समुदाय में जिस जातिवाद को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में बढ़ावा दिया गया, वह अब दुनिया के तीसरे बड़े धर्म सनातन (हिन्दू) के लिए अभिशाप साबित हो रहा है। जिस तरह से सियासी गोलबंदी के लिए जातिवाद को हवा दी जा रही है, वह किसी लोकतान्त्रिक कलंक से कम नहीं है।

क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत?

(कमलेश पांडेय)

अब तो प्रशासनिक और न्यायिक निर्णय भी इसे हवा देते प्रतीत हो रहे हैं।

मसलन, इससे निरंतर कमजोर हो रहे हिन्दू समाज की एकजुटता के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की चिंता स्वाभाविक है। यह उन जैसे सैकड़ों मशहूर लोगों के लिए भी सार्वजनिक चिंता का विषय रहा है। लेकिन हमारी संसद और सरकार के लिए यह कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि जातिवादी खिलौने से मतदाताओं को फुसलाने के संवैधानिक तरकीब उसने विकसित कर लिए हैं और आधिकारिक निर्णयों में भी इसका भौंडा प्रदर्शन दिखाई दे जाता है।

बता दें कि विगत 18 जनवरी 2026 को छत्रपति संभाजीनगर में संघ सरचालक मोहन भागवत ने कहा कि जातिगत भेदभाव समाप्त करने के लिए जाति को मन से मिटाना होगा, जो ईमानदारी से करने पर 10-12 वर्षों में संभव है। एक तरह से उनका यह बयान जातिवाद की गहरी जड़ों को देखते हुए आशावादी तो लगता है, लेकिन इसकी व्यवहारिकता पर सवाल उठते हैं क्योंकि जाति भारत की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संरचना में गहराई से बसी हुई है।

अब तो संविधान से लेकर जनगणना तक इसने घुसपैठ कर ली है। इसलिए जब तक सत्ता प्रतिष्ठान को सद्बुद्धि नहीं आएगी, तबतक जाति मुक्त भारत या हिन्दू समाज की परिकल्पना बेमानी प्रतीत होती है। इसलिए यक्ष प्रश्न पुनः समुपस्थित है कि क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत? क्या जाति आधारित आरक्षण सम्बन्धी सोच को बदल पाएंगे मोहन भागवत? क्योंकि जबतक ऐसा नहीं होगा, उनकी तमाम कोशिशें नाकाफी प्रतीत होंगी!

फ़िलवक्त मोहन भागवत ने बताया कि जाति मूल रूप से पेशे से जुड़ी थी, लेकिन बाद में भेदभाव का कारण बनी। उन्होंने जोर दिया कि कानून या घोषणाओं से नहीं, बल्कि मानसिकता बदलने से यह जटिल समस्या हल होगी। देखा जाए तो यह युगांतरकारी विचार पहले भी व्यक्त किया गया है, जैसे 2023 में जाति को 'पंडितों की देन' उन्होंने ही बताया था, लेकिन नेताओं और

नौकरशाहों की संवैधानिक हठधर्मिता शायद उन्होंने विस्मृत कर डाली, ताकि आरक्षणवादी कोहराम न मचाएं।

कहना न होगा कि जातिवाद मुक्त भारत और हिन्दू समाज की राह में कई व्यवहारिक चुनौतियाँ भी हैं क्योंकि जातिवाद ग्रामीण रोजगार, विवाह और राजनीति में प्रबल है, जहां आरक्षण और वोट बैंक इसे बनाए रखते हैं। भले ही प्रतिक्रियाओं में इसे 'चुनावी जुमला' कहा गया, क्योंकि ऐसे बयान कार्रवाई में नहीं बदलते। यही वजह है कि सामाजिक सुधारों के बावजूद, अंतरजातीय विवाह कम हैं और भेदभाव जारी है।

यह ठीक है कि इस दिशा में जारी ईमानदार प्रयास से जागरूकता बढ़ सकती है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति और कानूनी सख्ती के बिना 10-12 वर्षों का लक्ष्य अवास्तविक लगता है। फिर भी यदि यह पुनीत सपना साकार होता है तो इससे नागरिक समाज, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण में सहायता मिल सकती है। वहीं नागरिक समाज, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण से ही यह पवित्र सपना साकार होगा।

देखा जाए तो आरएसएस ने जातिवाद समाप्ति के लिए लंबे समय से सामाजिक समरसता व सामाजिक सद्भाव को प्रमुख लक्ष्य बनाया है, जिसमें जागरूकता अभियान, गांव-स्तरीय प्रयास और शाखाओं के माध्यम से कार्यकर्ताओं को प्रेरित करना शामिल है। हालांकि, आलोचक इसे सतही मानते हैं क्योंकि संगठन की आंतरिक संरचना और ऐतिहासिक रुख में जातिगत प्रभाव दिखता रहा है।

बावजूद इसके, आरएसएस ने 2023 से 'सामाजिक समरसता परियोजना' शुरू की, जिसमें 13,000+ गांवों में कुओं, श्मशानों और मंदिरों में दलित प्रवेश पर रोक हटाने का सर्वे और जागरूकता अभियान चलाया। वहीं संघ शाखाओं (95,000+) के जरिए कार्यकर्ता गांवों, स्कूलों और मंदिरों में जाकर छुआछूत विरोधी संदेश फैलाते हैं, साथ में सामूहिक भोज के द्वारा भोजन करते हैं और सामूहिक विवाह को बढ़ावा देते हैं।

यही वजह है कि बिहार, हरियाणा, उड़ीसा, महाराष्ट्र जैसे चुनावों में हिंदू वोटों को जाति से ऊपर उठाने में संघ की उपर्युक्त पहल सहायक साबित हुई, जिससे भाजपा को प्रत्यक्ष लाभ हुआ। साथ ही शाखाओं में जाति-निरपेक्षता का वातावरण स्थापित हुआ। यही नहीं, संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठकों में भी इसे प्राथमिकता दी गई, जैसे 2024 के आम चुनावों तक इस विषयक अभियान चलाने का फैसला संपन्न हुआ।

वहीं, संगठन के भीतर जारी आंतरिक प्रयास के तहत संघ की शाखाओं में जाति को नजरअंदाज कर 'सभी हिंदू एक परिवार' का सिद्धांत अपनाया जाता है, जिसकी शुरुआत संस्थापक हेडगेवार ने की थी। वहीं, संवैधानिक आरक्षण पर भी समर्थन जताया गया है, ताकि दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों आदि का भरोसा आरएसएस में मजबूत हो। हालांकि हालिया बयानों में इसे जातिवाद बढ़ाने वाला भी कहा गया। साथ ही साल 2024 में जाति जनगणना का संघ ने समर्थन किया गया ताकि योजनाएं बेहतर हों, बशर्ते राजनीतिक दुरुपयोग न हो।

कहना न होगा कि आरएसएस के इन सदाशयी प्रयासों के बावजूद, उस पर ब्राह्मण वर्चस्व और आरक्षण विरोध के पुराने आरोप लगते रहे हैं। आरएसएस के जातिवाद विरोधी प्रयासों पर कई गंभीर आलोचनाएं भी आई हैं, जो मुख्य रूप से इनके प्रचारात्मक, असंगठित और हिंदू एकता को प्राथमिकता देने वाले स्वरूप पर केंद्रित हैं। जिसके चलते आलोचक इन्हें सतही बताते हैं क्योंकि संगठन ने जाति व्यवस्था को जड़ से चुनौती नहीं दी। अक्सर सवाल उठाया जाता है कि विगत 100 वर्षों में कोई प्रमुख दलित या आदिवासी संघ सरसंघचालक नहीं बना, जिससे आंतरिक ब्राह्मण वर्चस्व के आरोप बने हुए हैं। वहीं, आरक्षण पर अस्पष्ट रुख और जाति जनगणना को राजनीतिक दुरुपयोग रोकने की शर्त रखना आलोचना का कारण बना। वहीं छुआछूत जैसी प्रथाएं ग्रामीण भारत में बनी हुई हैं। अलबत्ता, मोहन भागवत जैसे नेताओं के बयान सकारात्मक हैं, लेकिन व्यावहारिक बदलाव सीमित दिखते हैं क्योंकि जाति राजनीति में गहरी पैठ रखती है। भले ही भागवत के समग्र मूल्यांकन प्रयासों से जनजागरूकता बढ़ी, लेकिन जाति राजनीति और सामाजिक जड़ों को तोड़ने में ये पहल अपर्याप्त साबित हुए। ऐसा इसलिए कि गहरे बदलाव के लिए राजनीतिक समर्थन और कानूनी सख्ती की स्पष्ट कमी रही। जहां तक आरएसएस की ऐतिहासिक और वैचारिक कमियों की बात है तो संघ ने कभी जाति-विनाश का आंदोलन नहीं चलाया, और वर्ण व्यवस्था पर अमूमन मौन रहा, जो तार्किकता वश स्वाभाविक बात है। वहीं, आरक्षण विरोधी भागवत के पुराने बयानों से दलित-बहुजन असंतुष्ट हैं, और उनके प्रयासों को छुआछूत रोकने तक सीमित माना जाता है। इतना ही नहीं, आरएसएस की समरसता सम्बन्धी अभियानों को सतही तक कहा जाता है क्योंकि ये जाति व्यवस्था की जड़ों पर प्रहार करने के बजाय छुआछूत जैसे सतही लक्षणों को ही लक्षित करते हैं, जबकि वर्णाश्रम धर्म को अप्रत्यक्ष रूप से बनाए रखते हैं। उधर, आरएसएस के पूर्व सदस्यों ने भी शाखाओं में जातिगत भेदभाव का खुलासा किया है। पूर्व कारसेवक भंवर मेघवंशी जैसे लोगों ने भी शाखाओं में जातिगत भेदभाव का अनुभव किया। जिससे दशकों बाद भी कोई व्यापक सामाजिक परिवर्तन

चीन में जन्मदर सबसे निचले स्तर पर, बूढ़ा होता ड्रैगन भारत के लिए मौका

सरकारी आंकड़ों के अनुसार चीन की कुल आबादी लगातार चौथे वर्ष घटी है। बीते वर्ष देश में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या पिछले कई दशकों में सबसे कम रही। जन्म दर इतनी नीचे आ चुकी है कि वह आबादी को स्थिर रखने के लिए जरूरी स्तर से काफी कम है। दुनिया को चौंकाने वाली खबरें अक्सर युद्ध या अर्थव्यवस्था से आती हैं, लेकिन इस समय चीन के लिए सबसे बड़ी चुनौती किसी सीमा पर नहीं बल्कि उसके घरों के भीतर जन्म ले रही है। चीन की जनसंख्या लगातार घट रही है और यह गिरावट अब अस्थायी नहीं बल्कि स्थायी रुझान बन चुकी है। हालात यह हैं कि सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद चीन में बच्चे पैदा करने की इच्छा तेजी से खत्म होती जा रही है और जन्म दर ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गई है।

(नीरज कुमार दुबे)

सरकारी आंकड़ों के अनुसार चीन की कुल आबादी लगातार चौथे वर्ष घटी है। बीते वर्ष देश में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या पिछले कई दशकों में सबसे कम रही। जन्म दर इतनी नीचे आ चुकी है कि वह आबादी को स्थिर रखने के लिए जरूरी स्तर से काफी कम है। इसके उलट बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है जिससे चीन एक युवा देश से तेजी से बूढ़े देश में बदलता जा रहा है।

चीन ने इस संकट से निपटने के लिए नीतिगत स्तर पर कई बड़े फैसले किए। पहले एक बच्चा नीति को खत्म किया गया फिर दो बच्चों और बाद में तीन बच्चों की अनुमति दी गई। इसके साथ ही सरकार ने बच्चों के पालन पोषण के लिए सब्सिडी, टैक्स छूट और सामाजिक सुविधाओं की घोषणा भी की। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि युवा दंपती इन प्रलोभनों से प्रभावित नहीं हो रहे। महंगे घर, शिक्षा की ऊंची लागत, नौकरी की असुरक्षा और काम का बढ़ता दबाव युवाओं को शादी और बच्चे से दूर कर रहा है। शहरों में रहने वाले युवाओं के लिए एक बच्चे को पालना ही आर्थिक बोझ बन गया है, ऐसे में दूसरा या तीसरा बच्चा उनके लिए कल्पना से बाहर है।

इसी पृष्ठभूमि में चीन सरकार ने कंडोम और गर्भनिरोधक उत्पादों पर टैक्स लगाने का फैसला किया। इसका उद्देश्य अप्रत्यक्ष रूप से जन्म दर बढ़ाना बताया गया। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम वास्तविक समस्या को छूता भी नहीं है। बच्चे न होने की वजह कंडोम नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक दबाव हैं। यह फैसला दरअसल चीन की सरकार की हताशा को दिखाता है कि वह जन्म दर बढ़ाने के लिए प्रतीकात्मक उपायों तक सिमटती जा रही है। जब तक जीवन की गुणवत्ता और भविष्य की सुरक्षा का भरोसा नहीं मिलेगा तब तक युवा परिवार बच्चे पैदा करने का जोखिम नहीं उठाएंगे।

देखा जाये तो घटती जनसंख्या का सबसे बड़ा असर चीन की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। कामकाजी उम्र की आबादी कम होने से श्रम शक्ति घटेगी और उत्पादन लागत बढ़ेगी। इससे चीन की तेज विकास दर पर ब्रेक लग सकता है। साथ ही बुजुर्गों की बढ़ती संख्या पेंशन और स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव डालेगी। साथ ही, चीन जिसे दुनिया की फैक्ट्री कहा जाता था अब उसे मशीनों और स्वचालन पर ज्यादा निर्भर होना पड़ेगा। यह बदलाव महंगा भी होगा और समय लेने वाला भी। वहीं, चीन की

जनसंख्या गिरावट का असर केवल उसकी सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित होंगी, सस्ते श्रम पर आधारित उद्योगों का स्वरूप बदलेगा और दुनिया की आर्थिक संरचना में बदलाव आएगा। कई देश जो चीन पर निर्भर हैं उन्हें नए विकल्प तलाशने होंगे। इसके साथ ही वैश्विक मांग में कमी आने से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ सकती है। चीन का घरेलू बाजार कमजोर होने का मतलब है कि दुनिया की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा इंजन धीमा पड़ रहा है। देखा जाये तो जनसंख्या किसी भी देश की सामरिक शक्ति की रीढ़ होती है। युवाओं की कमी का असर चीन की सैन्य भर्ती और दीर्घकालिक रणनीति पर भी पड़ेगा। इसके चलते भविष्य में चीन को संख्या आधारित सैन्य शक्ति की बजाय तकनीक आधारित सेना पर ज्यादा निर्भर होना पड़ेगा। यह बदलाव चीन की वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को भी प्रभावित कर सकता है। एक बूढ़ी होती आबादी के साथ लंबे समय तक आक्रामक रणनीति बनाए रखना आसान नहीं होता।

इसमें कोई दो राय नहीं कि चीन की घटती जनसंख्या एक गहरा सामाजिक और आर्थिक संकट है। कंडोम पर टैक्स जैसे उपाय समस्या का समाधान नहीं बल्कि उसकी गंभीरता को उजागर करते हैं। जब तक युवाओं को सुरक्षित भविष्य, सस्ती शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं और संतुलित जीवन नहीं मिलेगा तब तक जन्म दर बढ़ने की उम्मीद करना भ्रम ही रहेगा। यह संकट चीन के साथ-साथ पूरी दुनिया की दिशा और शक्ति संतुलन को भी बदलने की क्षमता रखता है। साफ है कि ड्रैगन अब बाहर नहीं बल्कि भीतर से जूझ रहा है।

बहरहाल, चीन की घटती जनसंख्या और तेजी से बूढ़ी होती आबादी का असर दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति पर भी साफ दिखाई देगा और यह बदलाव भारत के लिए अवसर जबकि पाकिस्तान के लिए चुनौती बन सकता है। दरअसल, चीन की युवा आबादी कम होने से उसकी आर्थिक और सैन्य क्षमता धीरे-धीरे दबाव में आएगी, जिससे भारत को दीर्घकाल में रणनीतिक संतुलन साधने का मौका मिलेगा। भारत की युवा और कार्यशील जनसंख्या उसे उत्पादन, तकनीक, रक्षा और वैश्विक निवेश के क्षेत्र में स्वाभाविक बढ़त दिला सकती है, वहीं चीन का ध्यान आंतरिक सामाजिक और आर्थिक समस्याओं पर ज्यादा केंद्रित रहेगा। इसके उलट पाकिस्तान की स्थिति ज्यादा कठिन होगी क्योंकि उसकी रणनीतिक ताकत का बड़ा आधार चीन का आर्थिक और सैन्य सहयोग रहा है। यदि चीन खुद जनसंख्या संकट, आर्थिक मंदी और बुजुर्ग आबादी के बोझ से जूझेगा तो पाकिस्तान को मिलने वाला समर्थन सीमित हो सकता है। ऐसे में दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन धीरे-धीरे भारत के पक्ष में झुक सकता है जबकि पाकिस्तान को अपनी कमजोर अर्थव्यवस्था और अस्थिर समाज के साथ अकेले संघर्ष करना पड़ सकता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

समाज से एकजुट होकर अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने का आह्वान

अयोध्या राम मंदिर को स्थापना दिवस पर धार्मिक गीतों से गूंजता रहा शहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या के स्थापना दिवस के अवसर पर रफीगंज शहरी क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक उल्लास देखने को मिला। इस अवसर पर बड़ी दुर्गा देवी स्थान, नुनिया टिल्हा सहित विभिन्न स्थलों पर भक्ति व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बड़ी दुर्गा देवी स्थान परिसर में श्रीराम राज्य संघ सेवा संस्थान की ओर से भक्ति जागरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजकों ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर सम्मान किया। मंच संचालन विकास कुमार ने किया।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान रामभक्तों पर गोलियां चलाई गईं, जिसे देश कभी भूल नहीं सकता। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सनातन संस्कृति पर योजनाबद्ध तरीके से प्रहार किए जा रहे हैं और कुछ क्षेत्रों में सनातनियों के प्रति दुर्भावनापूर्ण सोच बढ़ी है। उन्होंने समाज से एकजुट होकर अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने का आह्वान किया। भक्ति जागरण में भोजपुरी के प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भोजपुरी गायक नेहा सिंह निष्ठा, विक्की राजा, प्रणव बिहारी, आकाश मिश्र, नीतू राज, मुन्ना सिंह और गुड्डू सुमन ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत किए, जिन पर श्रोता देर रात तक झूमते रहे। इस अवसर पर अतुल मिश्र, धनराज, संतोष कुमार, युवराज, सूरज कुमार, शुभम, धीरज, प्रिंस, रंजन, प्रेम शर्मा, अमन विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ।

कुशा कैनाल की अबतक नहीं हुई मरम्मत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। उत्तर कोयल नहर से निकली कुशा कैनाल इन दिनों बदहाल स्थिति में है और इसकी शीघ्र मरम्मत की सख्त जरूरत है। विभागीय अनदेखी के कारण यह नहर कई स्थानों पर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। समय पर उड़ाही नहीं होने से खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है जिससे किसानों की कृषि गतिविधियां गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। लगभग छह किमी लंबी इस नहर से कुशा, दानी बिगहा, बेचैन कर्मा, बेलाई, बसडीहा, भटवां भगली, बरुणा, नोनिया, इटवां, रामपुर, बुढ़ी बांध, साया, मुरली बेलाई, कोसडीहरा, शिवा बिगहा, मनियाराडीह, आनंदुआ सहित दर्जनों गांवों की सैंकड़ों एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई होती है। तटबंध क्षतिग्रस्त होने से किसानों को सिंचाई के लिए वैकल्पिक साधनों पर निर्भर होना पड़ रहा है जिससे खेतों की लागत बढ़ गई है। नहर पर बने करीब आधा दर्जन पुलिया भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है जिससे लोगों और किसानों को वाहनों के आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। स्थानीय किसानों ने बताया कि तटबंध टूटने से नहर में आने वाला पानी बहकर बर्बाद हो जाता है और खेत सूखे रह जाते हैं।

श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई सरस्वती पूजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मखदुमपुर (जहानाबाद)। जहानाबाद जिले के मखदुमपुर प्रखंड के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सरस्वती पूजा हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर प्रखंड के विभिन्न पूजा पंडालों, शैक्षणिक संस्थानों, विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विद्या की देवी मां सरस्वती की आकर्षक प्रतिमाएं स्थापित की गई। इस अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ पूजा स्थलों पर देखी गई।पूजा-अर्चना वैदिक मंत्रोच्चारण और विधि-विधान के साथ की गई। पूजा के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया, जिससे पूरे वातावरण में भक्तिमय माहौल बना रहा। विद्यार्थियों ने मां सरस्वती से विद्या, बुद्धि और सफलता का आशीर्वाद मांगा।बसंत पंचमी के साथ ही वसंत ऋतु के आगमन

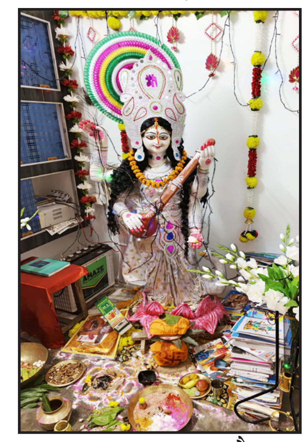

का समय माना जाता है। इस अवसर पर क्षेत्र में विशेष उत्साह देखने को मिला। चारों ओर पीले वस्त्रों, फूलों और सजावट से वातावरण मनमोहक हो उठा। वसंतोत्सव के दौरान कई स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने गीत, नृत्य और कविता पाठ प्रस्तुत कर कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया।

निविदा निकलने के बावजूद सड़क की नहीं हुई मरम्मत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। ग्रामीण सड़कों की स्थिति अत्यंत खराब है। वहीं सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है। वहीं निर्माण की प्रगति इतनी धीमी है कि पूरा होने की कोई निश्चितता नहीं है। बता दें कि गजनाधाम जो बिहार का प्रमुख पर्यटन स्थल है। झारखंड सीमा पर कररवार नदी के किनारे स्थित है। यहां पहुंचने के लिए सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि वाहन तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। बता दें कि पर्यटन विभाग द्वारा हर वर्ष गजना महोत्सव का आयोजन किया जाता

है परंतु सड़क निर्माण पर किसी का ध्यान नहीं है। बता दें कि तीन माह पहले नबीनगर से गजनाधाम सड़क की निविदा निकाली गई थी। परंतु अबतक कार्य शुरू नहीं हो सका है। बता दें कि सड़क का अस्तित्व समा' हो गया है और वर्षा के दौरान वाहनों का परिचालन नहीं हो पाता है। पिछले तीन वर्षों से शहर की यह स्थिति बनी हुई है परंतु किसी का ध्यान नहीं है। ग्रामीण रविंद्र सिंह, संतन सिंह बताते हैं कि इस सड़क से नबीनगर प्रखंड के 50 से अधिक गांवों के ग्रामीण आवागमन करते हैं। झारखंड जाने के लिए यह प्रमुख सड़क है। गजनाधाम के विकास की बातें तो होती है परंतु धरातल पर कुछ नहीं दिखाई देता। बारिश के दिनों में सड़क से होकर गुजरने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रश्नोतरी प्रतियोगिता आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय जहानाबाद में प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के नौवे संस्करण के अंतर्गत प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों ,शिक्षकों और अभिभावकों के लिए काफी प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक रहा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को परीक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना और तनावमुक्त वातावरण प्रदान करना था। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रश्नोतरी प्रतियोगिता रही ,जो शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एन.सी. आर.टी. द्वारा प्रेषित ऑपरेशन सिन्दूर

के मॉड्यूल पर आधारित थी। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों से आये 100 छात्र- छात्राओं ने अपने तर्कशक्ति का परिचय देते हुए प्रतियोगिता में बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया। बताया गया कि यह प्रतियोगिता छात्रों के ज्ञान को परखने के साथ-साथ उनमे आत्मविश्वास और सामूहिकता की भावना विकसित करने में सफल रही। प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक कक्षाओं से प्रथम स्थान जवाहर नवोदय विद्यालय के कक्षा सातवी के छात्र मंजीत कुमार,द्वितीय स्थान पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय जहानाबाद की कक्षा आठवी की छात्रा नेहा कुमारी एवं तृतीय स्थान डीएवी के कक्षा सातवी के छात्र अंकुश रंजन को प्राप्त हुआ। साथ ही माध्यमिक कक्षाओं में प्रथम स्थान जवाहर नवोदय विद्यालय के कक्षा नवमी के आशीष कुमार एवं पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय जहानाबाद की कक्षा दसवी की छात्रा अप्सुला एनी, द्वितीय स्थान जवाहर नवोदय विद्यालय के कक्षा दसवी के शुभम कुमार एवं तृतीय स्थान डी ए वी के कक्षा नवी के छात्र कौटिल्य किशोर को प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के दौरान विजेताओं को केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य श्री रवींद्र राम के द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य ने छात्रों की मेहनत और लगन की सराहना की और उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों से कार्यक्रम में आए अनुरक्षकों एवं शिक्षकों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि परीक्षा पे चर्चा ने छात्रों में आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण का संचार किया है।

दीपोत्सव-महाआरती संग भव्य जागरण में झूमे श्रद्धालु

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज प्रखंड के चरकावा रोड स्थित शिव मंदिर प्रांगण में श्री दुर्गा पूजा समिति की ओर से श्रीराम लला की स्थापना के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गुरुवार की रात भव्य वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत दीपोत्सव एवं विधिवत महाआरती के साथ हुई। इसके उपरांत आयोजित भव्य भक्ति जागरण में सुप्रसिद्ध व्यास चंदन पांडे ने अपने मधुर और भावपूर्ण भक्ति गीतों की प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। देर रात तक मंदिर प्रांगण "जय श्रीराम"

के जयघोष से गूंजता रहा और श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर झूमते नजर आए। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा नगर अध्यक्ष सह प्रखंड कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष संतोष कुमार साहू ने किया। इस अवसर पर आयोजकों की ओर से अतिथियों एवं समिति सदस्यों का अंगवस्त्र प्रदान कर तथा चंदन लगाकर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। आयोजन में समिति अध्यक्ष राजाराम चौधरी, सरपंच दयानंद प्रसाद दांगी, वार्ड पार्षद सुबोध कुमार शर्मा, डॉ. संदीप कुमार, विधायक प्रतिनिधि भोला चौधरी, भाजपा नगर महामंत्री बालगोविंद साहू, विकास कुमार, अशोक मेहता, आईडी सिंह, कुंदन कुमार, अमरेंद्र बिहारी, दिलीप साव, ऋषिकेश कुमार, सुधीर कुमार चंद्रवंशी, राजकुमार सहित सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। शहर के ओवरब्रिज के समीप से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब के साथ दो व्यक्ति को गिरफ्तार किया है एवं एक टेंपो को जब्त किया है। प्रशिक्षु डीएसपी ने जानकारी दिया कि सूचना मिली कि एक शराब के साथ एक टेंपो रफीगंज की ओर से गोह की ओर जा रहा है। सूचना पर प्रशिक्षु डीएसपी द्वारा टीम गठित की गई। गठित टीम में थाना अध्यक्ष शंभू कुमार, एसआईआई कुशो कुमार, एसआई ध्रुव कुमार, एएसआई संजय पासवान, एएसआई बबनजीत कुमार, एएसआई राम अवधेश कुमार, पीटीसी विपिन यादव सहित अन्य पुलिस बल शामिल हुए। प्रशिक्षु डीएसपी ने बताया कि रेलवे ओवरब्रिज के समीप से एक टेंपो पर लदे 93 बोतल कुल 45 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया तथा कासमा थाना क्षेत्र के कर्मा हुसैन गांव निवासी कुलदीप विश्वकर्मा के पुत्र धनंजय कुमार एवं पिपराही गांव के विकास यादव के पुत्र सोनू कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इसके पास से एक टेंपो को भी जब्त किया गया है।

आध्यात्मिक चेतना है भारतीय समाज की सबसे बड़ी शक्ति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। ओबरा प्रखंड के इमलोना पंचायत अंतर्गत जोगी बिगहा गांव में आयोजित 24 घंटे के अखंड कीर्तन कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना गीत और प्रेरणादायी भजनों के साथ हुई। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सह प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजय मेहता ने कहा कि सनातन संस्कृति और परंपरा ही भारत की आत्मा है, जो देश को भीतर से मजबूत बनाती है। उन्होंने कहा कि इस सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि नवीन पीढ़ी को इसके मूल्यों और संस्कारों की

शिक्षा दी जाए।

भारतीय समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी आध्यात्मिक चेतना है, जिसे ईश्वर ने सीखने और आत्मचिंतन की क्षमता के रूप में मनुष्य को प्रदान किया है। ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों से जुड़ना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है, क्योंकि इससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सद्भाव का संचार होता है। संजय मेहता ने भगवान राम को पुरुषोत्तम के रूप में प्रस्तुत करते हुए उनके आदर्शों और जीवन मूल्यों की व्याख्या की तथा कहा कि यही मूल्य आज के समय में समाज को दिशा देने में सक्षम हैं।

खुटहन गांव में नल-जल योजना की स्थिति बदहाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के हसपुरा प्रखंड के ईटवां पंचायत के खुटहन गांव के वार्ड सं-सात में ग्रामीणों को नल से जल की स्थिति काफी बदहाल है। बता दें कि छह वर्ष पहले एक टंकी लगाई गई। मोटर आई परंतु नल से जल का सपना अधूरा रह गया। दिखावे के लिए दो-चार दिन पानी की आपूर्ति की गई। ग्रामीण प्रिंस कुमार, जैनेंद्र कुमार सहित ने बताया कि छह वर्ष पहले लगा टंकी बेकार हो गया है। ग्रामीणों को नल से जल नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों की शिकायत पर एक माह पहले बनाया गया परंतु चार दिन चला

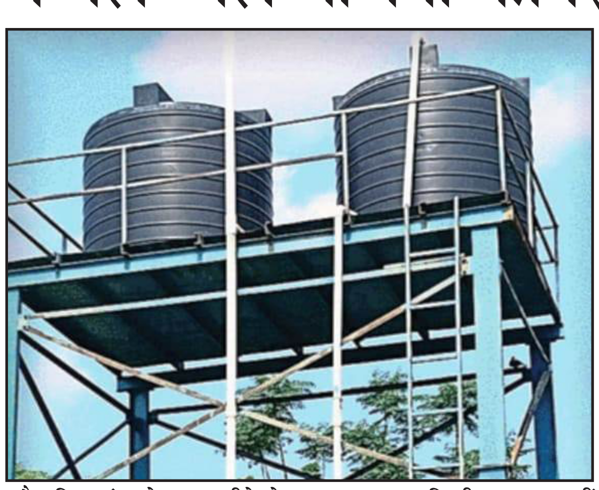

और फिर बंद हो गया। पीने के लिए शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है। नल-जल पर किसी का ध्यान नहीं है। बता दें कि गांवों में इस योजना से काम कराए गए परंतु उसका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिला परंतु उसका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिला। जिस सोच के साथ योजना प्रारंभ हुई थी वह धरातल पर नहीं उतरा। पंचायत के गांवों में हर घर नल से जल योजना के रुपये का सही उपयोग नहीं किया गया। यहां तक लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के अभियंता इस पर ध्यान नहीं देते हैं। पानी की आपूर्ति के लिए लगा पाइप बेकार हो गया है। ग्रामीणों ने जलापूर्ति केंद्र को चालू करने की जरूरत है। इतना होने के बावजूद भी पीएचइडी विभाग के अधिकारी गांव में देखने तक नहीं जाते हैं।

हलिमचक का जर्जर पुल दे रहा दुर्घटना को निमंत्रण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। राज्य सरकार पुल-पुलिया के निर्माण में करोड़ों रुपये खर्च करती है परंतु जर्जर पुलों की स्थिति पर ध्यान नहीं देती है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी जर्जर पुलों के कारण लोग परेशान हैं। ऐसा ही एक उदाहरण प्रखंड के हलिमचक गांव में देखने को मिलता है जहां का पुल पिछले एक दशक से जर्जर है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है वहीं सुरक्षा का खतरा भी बढ़ गया है। इस जानलेवा पुल पर कोई दुर्घटना होगी यह कहना मुश्किल है। रात के समय यहां कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी है परंतु भगवान का शुक्र है कि अबतक किसी की जान नहीं गई।

विद्या, बुद्धि, कला और संगीत की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना करते बच्चे

सरकारी उपेक्षा के कारण पहचान खोता जा रहा टाल गांव का तालाब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के हसपुरा प्रखंड के टाल गांव स्थित सैंकड़ों वर्ष पुराना तालाब सरकारी उपेक्षा के कारण अपना पहचान खो रहा है। यह तालाब लगभग एक किमी के दायरा में है। बता दें कि पूर्व में इसमें बांध बांधकर छोटी वितरणी बनाने का प्रारुप तैयार किए थे जिससे सैंकड़ों बीघे की जमीन की सिचाई होता है परंतु उसके बाद से कुछ नहीं हुआ तालाब की उड़ाही नहीं हुआ है कि इसको नुकसान हो रहा है। तालाब के कुछ भाग में स्थानीय श्रमिक किसान मखाना की खेती किए हैं। इसका रखरखाव बाहर के श्रमिकों द्वारा कराया जाता है। सरकार मखाना की खेती को उद्यमी योजना से जोड़कर बढ़ावा देने में जुटी है परंतु हसपुरा

प्रखंड के टाल गांव स्थित तालाब की ओर सरकार कोई ध्यान नहीं है। गांव के विश्वजीत कुमार विकास, दिनेश सिह बताते हैं कि तालाब की उड़ाही व उसके तटबंध को मरम्मत कराए जाने के लिए पंचायत स्तरीय योजना को लेकर ग्रामसभा हो या आमसभा तालाब का जीर्णोद्धार के लिए प्रस्ताव लिया जाता है परंतु प्रस्ताव अबतक पारित नहीं हो सका है।

विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा में श्रद्धा और उल्लास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कटिहार। जयमाला शिक्षा निकेतन में विद्या की देवी माँ सरस्वती की पूजा पूरे श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुई। इस पावन अवसर पर विद्यालय परिसर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन ने विधिवत पूजा-अर्चना कर माँ शारदे से ज्ञान, बुद्धि और सद्बुद्धि का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण एवं हवन-पूजन के साथ हुई। इसके पश्चात पुष्पांजलि एवं आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। पारंपरिक परिधानों में सजे विद्यार्थियों ने माँ सरस्वती के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की। विद्यालय परिसर को आकर्षक सजावट, पुष्पों और रंग-बिरंगी आकृतियों से सजाया गया, जिससे वातावरण और भी दिव्य व मनोहारी बन गया।

इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ. सुशील कुमार सुमन ने विद्यार्थियों को संबोधित

करते हुए कहा कि माँ सरस्वती की कृपा से ही जीवन में ज्ञान, संस्कार और सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। पूजा के उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने भजन, नृत्य एवं संगीत के माध्यम से माँ शारदे की महिमा का गुणगान किया। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन शांतिपूर्ण एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ।

हर्षोल्लास के साथ मनाई जा रही मां सरस्वती की पूजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमौर/पूर्णिया। अमौर प्रखंड क्षेत्र में विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई जा रही है। सरकारी एवं निजी विद्यालयों, स्कूल-कॉलेजों के साथ-साथ लोगों ने अपने घरों में भी विधिवत रूप से माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना की। प्रखंड मुख्यालय सहित आमगाछी पंचायत के हकेली, गरहरा, परतिया, बलुवाटोली तथा नितेन्द्र पंचायत के नितेन्द्र बालूगंज, मच्छट्टा, बंका टोल, तरोना, विष्णुपुर, धुरपैली, रौती और अमौर समेत विभिन्न गांवों एवं शिक्षण संस्थानों में भव्य पंडालों का निर्माण कर पूजा की जा रही है। पूजा को लेकर विशेष रूप से बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही मंदिरों और पंडालों को फूल-पताका एवं बंदनवार से आकर्षक ढंग से सजाया गया। श्रद्धालु पूरे विधि-विधान के साथ माँ सरस्वती की आराधना में लीन नजर आए। पंडित नेपाली झा ने बताया कि वीणावादिनी माँ सरस्वती की पूजा प्रातःकाल से विधिवत शुरू हो गई है, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक वातावरण बना हुआ है। अमौर प्रखंड का समूचा माहौल भक्तिमय बना हुआ है। वहीं विभिन्न पूजा पंडालों में पूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक पदाधिकारी भी लगातार क्षेत्र में सक्रिय नजर आ रहे हैं।

पैसों की बारिश कर रही क्रिप्टोकरेंसी, कीमत 12 से कम

1 लाख के बना दिए 8.60 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में भी गुरुवार को रौनक लौट आई। शाम करीब 4 बजे क्रिप्टोमार्केट कैप पिछले 24 घंटे में 1 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 3.04 लाख करोड़ डॉलर पहुंच गया। पिछले कुछ समय से क्रिप्टो मार्केट में बड़ी उथल-पुथल देखी जा रही थी। इसी बीच कुछ क्रिप्टो ऐसी भी रहीं जिन्होंने निवेशकों पर पैसों की बारिश कर दी। इन्हीं में एक क्रिप्टो सर्ज भी है। इसने एक साल में निवेशकों को करोड़पति बना दिया है। सर्ज में गुरुवार को तेजी देखी गई। शाम 4 बजे यह क्रिप्टो पिछले 24 घंटे में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 0.1295 डॉलर (करीब 11.87 रुपये) पर कारोबार कर रही थी। इसने एक साल में निवेशकों को 86000 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। अगर आपने इसमें एक साल पहले एक लाख रुपये निवेश किए होते तो वह रकम बढ़कर आज 8.60 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुकी होती। बाकी क्रिप्टो का क्या हाल गुरुवार को बिटकॉइन समेत कई बड़ी क्रिप्टो का मिला जुला प्रदर्शन रहा। बिटकॉइन में 24 घंटे में करीब 1 फीसदी की तेजी आई। इस तेजी के साथ यह 90 हजार डॉलर पर कारोबार रही है। वहीं इथेरियम में 1.27 प्रतिशत, बाइनेंस और रिपल दोनों में करीब 2.50 प्रतिशत और ट्रॉन में करीब 1 फीसदी की तेजी आई है। डॉगकॉइन में भी डेढ़ फीसदी से ज्यादा की तेजी रही। वहीं पाई नेटवर्क में भी 2 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया।

7 दिन में 250 प्रतिशत रिटर्न

इसने 7 दिनों में निवेशकों की रकम को तीन गुने से ज्यादा कर दिया है। 7 दिन पहले सर्ज क्रिप्टो की कीमत 0.03686 डॉलर (करीब 3.38 रुपये) थी। अब यह क्रिप्टो 0.1295 डॉलर पर कारोबार कर रही है। ऐसे में इसका 7 दिन का रिटर्न 250 फीसदी रहा है। यानी इसने 7 दिनों में एक लाख की रकम को 3.50 लाख रुपये में बदल दिया है।

भारत ने बदल दिए दोस्त

रूस नहीं अब दूसरे देशों से ज्यादा आ रहा तेल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के रूस पर लगाए गए बैन के कारण रूसी कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस कमी को पूरा करने के लिए भारतीय रिफाइनरियां अब दूसरे देशों से तेल खरीदने पर ध्यान दे रही हैं। वे अपनी तेल खरीद की रणनीति को तेजी से बदल रही हैं ताकि रूसी तेल की कम होती उपलब्धता की भरपाई की जा सके। भारत के कच्चे तेल आयात के पैटर्न में आए बदलावों का पूरा आकलन महीने के अंत तक ही हो पाएगा। लेकिन शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि रूसी तेल की डिलीवरी कम होने और अमेरिका के बढ़ते दबाव के कारण अनिश्चितता बढ़ने के साथ, रिफाइनरियां अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए नए या पहले कम तेल खरीदने वाले देशों से ज्यादा खरीद कर रही हैं। यह दक्षिण अमेरिकी देश महत्वपूर्ण तेल खोजों और उत्पादन में तेज वृद्धि के कारण तेजी से एक प्रमुख तेल उत्पादक राष्ट के रूप में उभर रहा है।

अभी कैसा रहा तेल का आयात

जनवरी के पहले पखवाड़े में सिर्फ इंडियन ऑयल, नायरा एनर्जी और भारत पेट्रोलियम ने ही रूसी तेल खरीदा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस अवधि में रूसी तेल नहीं खरीदा। जबकि यह कंपनी पिछले साल रूसी कच्चे तेल की सबसे बड़ी खरीदार थी। इसी तरह, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, एचपीएल-मित्तल एनर्जी और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स ने भी रूसी तेल नहीं खरीदा। साथ ही, घरेलू ईंधन की मजबूत मांग को पूरा करने के लिए जनवरी में सऊदी अरब से अपनी खरीद लगभग एक-तिहाई बढ़ा दी है। जैसे-जैसे रूस से तेल का प्रवाह कम हो रहा है, भारतीय रिफाइनरियां आपूर्ति की कमी को पूरा करने के लिए गुयाना की ओर तेजी से रुख कर रही हैं। वैश्विक एनालिटिक्स फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार महीने के पहले पखवाड़े के दौरान रिफाइनरियों ने गुयाना से लगभग 2,97,000 बैरल प्रतिदिन तेल खरीदा।

क्या है भारत का प्लान

रूस अभी भी भारत का कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। जनवरी के पहले पखवाड़े में रूस से लगभग 1.179 मिलियन बैरल प्रतिदिन तेल आया। हालांकि, यह मात्रा पिछले महीने की तुलना में लगभग 3 प्रतिशत कम था और 2025 के औसत से लगभग 30 प्रतिशत कम था। विविधता आ रही है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक दो साल के अंतराल के बाद भारत की रिफाइनरियों ने गुयाना से अपना पहला शिपमेंट लिया है।

सेंसर टावर की रिपोर्ट

भारत एप डाउनलोड में दुनिया में सबसे आगे

माइक्रोड्रामा प्लेटफॉर्म ने भी बढ़ाई गति

नई दिल्ली, एजेंसी। जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने की तेज रफ्तार के चलते भारत एप डाउनलोड के मामले में दुनिया का अग्रणी देश बन गया है। आलम यह है कि देश में 2025 में 25.5 अरब एप डाउनलोड हुए, जो वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा है। खास बात है कि भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जहां एप डाउनलोड में सालाना वृद्धि देखने को मिली है। हालांकि, डाउनलोड की यह संख्या 2023 के 25.9 अरब से कम, लेकिन 2024 के 24.6 अरब की तुलना में ज्यादा है।

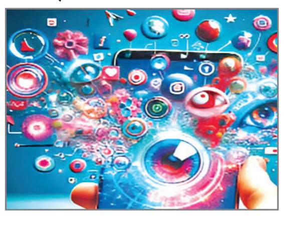

सेंसर टावर की स्टेट ऑफ मोबाइल 2026 रिपोर्ट में कहा गया है कि एप डाउनलोड के साथ यूजर्स के जुड़ाव में भी वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीयों ने बीते साल इन एप्स पर 1.23 लाख करोड़ घंटे खर्च कर डाले, जो 2024 के 1.13 लाख करोड़ घंटे की तुलना में ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जेन एआई और माइक्रोड्रामा एप्स (स्मार्टफोन पर एक-दो मिनट के एपिसोड वाले छोटे वीडियो एप) के उदय ने मिलकर भारत में डाउनलोड एवं इंगेजमेंट ट्रेंड्स को बदल दिया। इसकी बदौलत बीते साल भारतीयों ने जेन एआई एप्स को 60.2 करोड़ बार डाउनलोड किया, जो 2024 के 19.8 करोड़ की तुलना में तीन गुना अधिक है।

29 की उम्र में था 6.5 करोड़ का कर्ज

फिर शुरू किया ऐसा काम कि बरसने लगा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। बिजनेस में कामयाबी बाहर से बहुत अच्छी लगती है। लेकिन वह शख्स उस मुकाम तक कैसे पहुंचा और किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, यह वही जानता है। बहुत से लोग सोचते हैं कि सफल बिजनेसमैन की शुरुआत आसान रही होगी, उनके पास खूब पैसा होगा या बड़े लोगों से जान-पहचान होगी। लेकिन असल कहानी अक्सर इससे बिल्कुल अलग होती है। मनीष चौधरी की सफलता की कहानी भी ऐसी ही एक मिसाल है।

मनीष चौधरी डब्ल्यूओडब्ल्यू स्किन साइंस के को-फाउंडर हैं। यह भारत के सबसे भरोसेमंद डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (पर्सनल केयर ब्रांड्स में से एक है। उनकी यात्रा रातोंरात मिली सफलता की कहानी नहीं है। यह सीखने, प्रयोग करने, असफल होने, खुद को बदलने और धीरे-धीरे एक ऐसा ब्रांड बनाने की कहानी है जो आज दुनिया भर में लाखों ग्राहकों की सेवा करता है। एक समय उनके ऊपर करोड़ों रुपये का कर्ज था, लेकिन आज सालाना कमाई करीब 300 करोड़ रुपये है। कैसे हुई डब्ल्यूओडब्ल्यू की शुरुआत

मनीष ने एक बहुत ही आम लेकिन अनदेखी समस्या को देखा। भारतीय ग्राहक विदेशी पर्सनल-केयर ब्रांड्स के लिए बहुत ज्यादा पैसे दे रहे थे। वे ऐसे प्रोडक्ट्स इस्तेमाल कर रहे थे जिनमें हानिकारक केमिकल्स थे और जिन पर भरोसा करना मुश्किल था। वहीं, दुनिया भर में नेचुरल और इंग्रेडिएंट-बेस्ड ब्यूटी प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ रही थी, लेकिन भारत में ऐसे मजबूत देसी ब्रांड्स की कमी थी। यहीं से उन्होंने डब्ल्यूओडब्ल्यू की शुरुआत की।

29 की उम्र में दिवालिया

मनीष 29 साल की उम्र में दिवालिया हो गए थे। उन पर 6.5 करोड़ रुपये का भारी कर्ज था। एक असफल बिजनेस की वजह से उन्हें पैसों का भारी दबाव, कानूनी झंझट और 30 साल की उम्र से पहले ही सब कुछ खत्म होने का डर सता रहा था। कई लोगों के लिए यह अंत हो सकता था, लेकिन मनीष के लिए यह एक नई शुरुआत थी। उनके दिल कारोबार की ऐसी आग थी जिसमें वह तप कर और मजबूत हो गए थे। कुछ ही सालों में उन्होंने भारत के सबसे बड़े ब्यूटी ब्रांड्स में से एक डब्ल्यूओडब्ल्यू को खड़ा कर दिया। डब्ल्यूओडब्ल्यू स्किन साइंस की शुरुआत साल 2014 में बेंगलुरु से हुई थी। इसे बिना किसी बाहरी फंडिंग के शुरू किया गया था। यानी मनीष ने इसे पूरी तरह से खुद के पैसों से शुरू किया गया था।

छोटे बिजनेस के साथ प्रयोग

कॉर्पोरेट नौकरियों में फुल-टाइम काम करते हुए मनीष चौधरी ने छोटे बिजनेस आइडियाज के साथ प्रयोग करना शुरू कर दिया। उन्होंने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए ऑनलाइन प्रोडक्ट बेचना शुरू किया। इन शुरुआती प्रयोगों का मकसद बड़े मुनाफे कमाना नहीं बल्कि चीजों को सीखना था। उन्होंने सीखा कि ऑनलाइन मार्केटप्लेस कैसे काम करते हैं, ग्राहक कैसा व्यवहार करते हैं और प्राइसिंग और लॉजिस्टिक्स बिक्री को कैसे प्रभावित करते हैं। उन्होंने ग्राहक समीक्षाओं और फीडबैक के महत्व को भी समझा।

चांदी और ईटीएफ की गिरावट में छह गुना का अंतर

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रीनलैंड के मुद्दे पर ट्रंप की नरम पड़ती बोली से गुरुवार सुबह को चांदी के बाजार में जो हुआ, उसने कई निवेशकों को हैरान कर दिया। एमसीएक्स पर चांदी भले ही करीब 4 प्रतिशत फिसली हो, लेकिन चांदी के ईटीएफ में गिरावट को भूचाल कहना सही होगा। किसी ईटीएफ में 20 प्रतिशत तो किसी में 24 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली। सवाल यही है कि जब एमसीएक्स में चांदी इतनी नहीं टूटी, तो ईटीएफ में इतनी बड़ी गिरावट क्यों आई एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड यानी ईटीएफ निवेश के ऐसे तरीके हैं, जिनमें एकत्रित धनराशि को कमोडिटी, स्टॉक, बॉन्ड आदि जैसी विभिन्न परिसंपत्ति श्रेणियों में निवेश किया जाता है। सिल्वर ईटीएफ अपनी धनराशि को भौतिक चांदी या चांदी से संबंधित उपकरणों में निवेश करते हैं। सिल्वर ईटीएफ का नेट एसेट वैल्यू सीधे चांदी की कीमत पर निर्भर करता है। जहां एमसीएक्स सिल्वर 4 प्रतिशत फिसली, वहीं सिल्वर ईटीएफ में गिरावट कहीं ज्यादा तेज रही। टाटा सिल्वर ईटीएफ करीब 24 प्रतिशत टूटकर 25.56 पर आ गया।

सिल्वर एमसीएक्स पर 4 प्रतिशत की गिरावट

22 जनवरी को एमसीएक्स पर चांदी वायदा भाव करीब 4 प्रतिशत टूटकर 3,05,753 प्रति किलो तक आ गए। यह गिरावट ऑल टाइम हाई से करीब 30,000 रुपये है। इसकी सबसे बड़ी वजह वैश्विक तनाव में नरमी मानी जा रही है। अमेरिका और ग्रीनलैंड को लेकर टकराव की आशंका कम होने से सेफ-हेवन डिमांड घटी और मजबूत डॉलर ने भी चांदी पर दबाव डाला।

पीएफसी बॉण्ड में मिलेगा एफडी से बेहतर रिटर्न बीच में बेचकर भी निकाल सकते हैं पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। जो निवेशक सोने और शेयर बाजार से हटकर सुरक्षित और फायदेमंद निवेश की तलाश में हैं, वे पब्लिक सेक्टर कंपनी पावर फाइनैंस कॉर्पोरेशन के जीरो कूपन बॉण्ड की ओर रुख कर सकते हैं। ये बॉण्ड 10 साल और 1 महीने की अवधि के लिए हैं। पीएफसीके इस पब्लिक इश्यू में निवेश करने की आखिरी तारीख 30 जनवरी है। ये बॉन्ड शेयर बाजार (स्टॉक एक्सचेंज) पर लिस्ट होंगे। इसका मतलब है कि जरूरत पड़ने पर निवेशक इन्हें बीच में भी बेचकर पैसा निकाल सकेंगे। आम निवेशक इन बॉण्ड को 50,780 रुपये में खरीद सकते हैं।

एफडी से बेहतर रिटर्न

जानकारों का कहना है कि ये बॉण्ड बैंक एफडी के मुकाबले कहीं बेहतर रिटर्न दे रहे हैं। उदाहरण के लिए, एसबीआई की 10 साल की एफडी पर 6.05 प्रतिशत ब्याज मिलता है। लेकिन ऊंचे टैक्स स्लैब वालों के लिए टैक्स कटने के बाद यह सिर्फ 4.24 प्रतिशत ही रह जाता है। इसी तरह टैक्स-फ्री बॉण्ड पर भी मुनाफा 5.1 प्रतिशत से 5.15 प्रतिशत के बीच ही है।

भारत की अर्थव्यवस्था के लिए टैरिफ से ज्यादा खतरनाक है प्रदूषण: गीता

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से भारत पर टैरिफ लगाया है, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए तरह-तरह की बातें होने लगी हैं। अब आईएमएफ की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने भी भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी बात रखी है। उनकी नजर में ग्लोबल टैरिफ भारत की अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक नहीं है।

गीता गोपीनाथ का कहना है कि भारत के आर्थिक विकास के लिए टैरिफ से कहीं ज्यादा खतरनाक प्रदूषण है। उन्होंने कहा कि इसे देश की सबसे बड़ी प्राथमिकता के तौर पर निपटाना चाहिए। यह बात उन्होंने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम, दावोस में भारतीय अर्थव्यवस्था पर चर्चा के दौरान कही। गोपीनाथ ने बताया कि व्यापार बढ़ाने की चर्चाओं में अक्सर व्यापारिक बाधाओं और नियमों पर ध्यान दिया जाता है। लेकिन प्रदूषण के आर्थिक असर को कम करके आंका जाता है।

प्रदूषण को बताया चुनौती

उन्होंने कहा, मैं एक ऐसी बात बताना चाहती हूं जिस पर हम आमतौर पर व्यापार बढ़ाने की बात करते समय चर्चा नहीं करते।असर को देखें, तो यह अब तक भारत पर लगाए गए किसी भी टैरिफ के असर से कहीं ज्यादा गंभीर है। साल 2022 में जारी एक वर्ल्ड बैंक की स्टडी का हवाला देते हुए गोपीनाथ ने बताया कि भारत में हर साल प्रदूषण के कारण लगभग 17 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

इंडिगो को बहुत भारी पड़ी फ्लाइट्स में गड़बड़ी

प्रॉफिट 78 प्रतिशत गिरा, सीनियर वाइस-प्रेजिडेंट की छुट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिसंबर में खत्म हुई तीसरी तिमाही में इंडिगो एयरलाइन का मुनाफा 78 प्रतिशत गिरकर 549.1 करोड़ रुपये पर आ गया। इस गिरावट की बड़ी वजह उड़ानों में हुई भारी गड़बड़ी और देश में लागू हुए नए लेबर कोड को माना जा रहा है। पिछले साल इसी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में इंडिगो को 2,448.8 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था, जो अब घटकर 549.1 करोड़ रुपये रह गया है।

इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन की कुल आय चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बढ़कर 24,540.6 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 22,992.8 करोड़ रुपये थी। इंडिगो को दिसंबर महीने की शुरुआत में व्यापक स्तर पर परिचालन व्यवधानों का सामना करना पड़ा था। इसके बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम को 10 फरवरी तक 10 प्रतिशत तक घटा दिया था। वकील ने यह भी कहा कि सबसे बुरी तरह प्रभावित उड़ानों के लिए 10,000 रुपये के वाउचर की पेशकश की जा रही है और यात्रियों के लिए मुआवजे का दावा करने के लिए एक वेबसाइट स्थापित की गई है। कोर्ट ने कंपनी को दो हफ्ते के भीतर एक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया। डीजीसीए के मुताबिक 3 से 5 दिसंबर 2025 के बीच 2,507 उड़ानें रद्द की गईं और 1,852 उड़ानों में देरी हुई। इससे देश भर के हवाई अड्डों पर तीन लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने बताया कि संकट के बाद अधिकारियों द्वारा कई कदम उठाए गए थे। उन्होंने बताया कि एयरलाइन के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष को सेवा से बर्खास्त करने का आदेश दिया गया।

रिफंड की प्रक्रिया

इस बीच दिल्ली उच्च न्यायालय ने इंडिगो को पिछले साल दिसंबर में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने के कारण प्रभावित यात्रियों को रद्द टिकटों के लिए धन वापसी और मुआवजे के भुगतान के संबंध में एक हलफनामा दाखिल करने को कहा है। कंपनी के वकील ने मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ को बताया कि रद्द की गई उड़ानों के लिए रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और नागरिक उड्डयन नियमों के अनुसार उड़ानें रद्द होने पर मुआवजे की भी पेशकश की जा रही है। और कंपनी पर 22 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। इसके अलावा, बेहतर अनुपालन के लिए 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी मांगी गई और एयरलाइन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों, जैसे सीईओ और सीओओ को चेतावनी दी गई। मामले की अगली सुनवाई 25 फरवरी को होगी।

बुनियादी ढांचा सुधारों पर देना होगा जोर, बजट में इन्फ्रा खर्च को दोगुना कर सकती है सरकार

खर्च बढ़ाने से न सिर्फ लोगों के लिए बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक चुनौतियों, टैरिफ संकट और कई देशों में तनाव के बीच सरकार अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाकर 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए 2026-27 के बजट में बुनियादी ढांचा (इन्फ्रा) परियोजनाओं पर खर्च को दोगुना कर सकती है। खर्च बढ़ाने से न सिर्फ लोगों के लिए बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे, बल्कि कमाई और खर्च में भी इजाफा होगा।

लॉजिस्टिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल (एलएससी) का कहना है कि भारत को वैश्विक आर्थिक पावरहाउस के रूप में स्थापित करने के सपने को साकार करने के लिए बुनियादी ढांचा सुधारों और अलग-अलग क्षेत्रों में आवंटन बढ़ाने की जरूरत है। उनका मानना है कि पिछले साल राज्यों को ब्याज-मुक्त कर्ज के लिए 1.50 लाख करोड़ रुपये के आवंटन और हाईवे, शहरी परिवहन एवं स्मार्ट शहरों में ऐतिहासिक निवेश के आधार पर सरकार बजट में इन्फ्रा परियोजनाओं पर खर्च को दोगुना कर तीन लाख करोड़ कर सकती है। एलएससी के सीईओ रविकांत यमार्थी ने कहा, लॉजिस्टिक्स क्षेत्र जैसे-जैसे भारत की आर्थिक गति का इंजन बन रहा है, बजट-2026 आर्थिक वृद्धि दर बढ़ाने, रोजगार के अवसर सृजित करने और आत्मनिर्भर भारत में नए बेंचमार्क स्थापित करने का एक निर्णायक अवसर देता है। हाईवे, रेलवे और लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर में वर्षों के बड़े निवेश के बाद बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर आवंटन को दोगुना करने की संभावना से आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने और निवेश आकर्षित करने को बढ़ावा मिल सकता है।

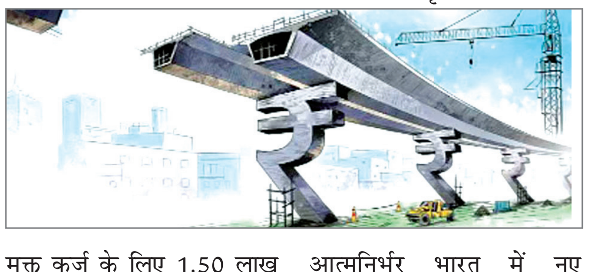

इन्फ्रा के दम पर आएगी खपत की अगली लहर

संजय घोडावत ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्रेणिक घोडावत ने कहा, इन्फ्रा के दम पर ही देश में खपत की अगली लहर लाई जा सकती है। इसके लिए मॉडर्न वेयरहाउसिंग, कोल्ड-चेन फैसिलिटी और लास्ट-माइल लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर जैसे खुदरा केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश बढ़ाना होगा। वर्टेक्स ग्रुप के संस्थापक गगन अरोड़ा ने कहा, उम्मीद है कि सरकार विश्वस्तरीय डाटा सेंटर में बड़े निवेश, इन सुविधाओं के लिए किफायती बिजली टैरिफ, अत्याधुनिक कंप्यूटिंग नेटवर्क और एआई हार्डवेयर बनाने वाली कंपनियों को टैक्स में राहत दे सकती है।

रियलिटी शो 'द 50' में हुई बॉलीवुड अभिनेत्री रिद्धि डोगरा की एंट्री

आगामी रियलिटी शो 'द 50' अपने टेलीकास्ट होने से पहले ही सुर्खियों में बना हुआ है। इन दिनों शो में शामिल होने वाले कंटेस्टेंट के नाम सामने आ रहे हैं, जिसको लेकर चर्चाएं तेज हैं। दिव्या अग्रवाल और करण पटेल के नाम सामने आने के बाद अब एक और अभिनेत्री का भी नाम सामने आया है।

रिद्धि ने दी जानकारी

दिव्या अग्रवाल और करण पटेल के नाम सामने आने के बाद 'द 50' की अगली कंटेस्टेंट 'असुर' वेब सीरीज और विक्रांत मैसी के साथ 'द साबरमती रिपोर्ट' में नजर आने वाली रिद्धि डोगरा हैं। रिद्धि ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक लंबे नोट के साथ इसकी घोषणा की। अपनी तस्वीर के साथ इस लंबे नोट में रिद्धि ने लिखा, 'पैपराजी के लेंस से दूर, शेर की गुफा में जा रही हूं। एक अभिनेत्री के रूप में मैं हमेशा नए तरीके खोजती रहती हूं ताकि मैं अपने बारे में बहुत कुछ जान सकूं और अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकल सकूं। 'द 50' मुझे इसी तरह का एक चैलेंज लगता है। यह मुझे एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका देता है, जहां कोई बनावटीपन नहीं है। मैं बस अपने असली रूप में सामने आऊंगी और आप दर्शक मुझे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलते हुए देखेंगे। आपने हमेशा मुझे प्यार किया है और मेरा हौसला बढ़ाया है। मैं आपके साथ द 50 के इस सफर को साझा करने के लिए उत्सुक हूं, क्योंकि मैं शेर की गुफा के असली रहस्य को जानने जा रही हूं।'

ग्लोबल शो का इंडियन वर्जन है 'द 50'

यह शो एक ग्लोबल रियलिटी शो का इंडियन वर्जन है। इसमें प्रतियोगी अपनी बुद्धि, रणनीति और इमोशनल शक्ति का उपयोग करते हुए कंपटीशन करते हैं। शो में शामिल होने के बारे में बात करते हुए रिद्धि ने कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके जीवन का एक नया चरण है और बिना किसी स्क्रिप्ट के खुद को खोजने का एक मौका है। यह मुझे एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका देता है जहां कोई किरदार नहीं है।

1 फरवरी को होगा प्रीमियर

द 50 को लेकर इसकी घोषणा के बाद से ही काफी उत्साह बना हुआ है। शो का प्रीमियर 1 फरवरी को जियोहॉटस्टार और कलर्स पर होगा। शो के बाकी कंटेस्टेंट के बारे में जानने के लिए भी फैंस काफी उत्सुक हैं। देखना है कि आगे और कौन-कौन से नाम सामने आते हैं।

सीरियल किलर के छक्के छुड़ाएंगी भूमि पेडनेकर

क्राइम थ्रिलर सीरीज 'दलदल का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। मुंबई शहर की पृष्ठभूमि पर बनी दलदल की कहानी डीसीपी रीटा फरेरा (भूमि) के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एक खतरनाक जांच पर निकलती हैं, जहां उन्हें एक बेरहम सीरियल किलर को पकड़ना होता है। ट्रेलर में डीसीपी रीटा फरेरा (भूमि) की खौफनाक दुनिया का सफर दिखाया गया है, जिसे भूमि सतिश पेडनेकर ने बेहद सशक्त अंदाज में निभाया है। ट्रेलर में क्रूर और सोचे-समझे किए गए हत्याकांड सामने आते हैं, जो एक कातिल की घिनौनी सोच को दिखाता हैं। जैसे-जैसे लाशों की संख्या बढ़ती जाती है, रीटा इस अंधेरी और डरावनी जांच में खुद को और गहराई तक फंसा हुआ पाती है।

कब और कहां रिलीज होगी दलदल

विश धामिजा की बेस्टसेलिंग किताब भेंडी बाजार पर दलदल आधारित है। इस सीरीज को अमृत राज गुप्ता ने निर्देशित किया है। विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी ने इसका निर्माण किया है। इसे श्रीकांत अग्निस्वरन, रोहन डिसूजा और प्रिया सग्गी ने लिखा है। भूमि सतिश पेडनेकर के साथ इस सीरीज में समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी अहम भूमिकाओं में हैं। दलदल का प्रीमियर 30 जनवरी को प्राइम वीडियो पर किया जाएगा

बॉर्डर 2 की रिलीज से पहले ट्रोलिंग पर बोले वरुण धवन

वरुण धवन अपनी अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म के गीत घर कब आओगे के रिलीज होने के बाद से ही वह अपने एक्सप्रेशन और एक्टिंग को लेकर ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। उन्होंने फिल्म बॉर्डर 2 की रिलीज से पहले हो रही ट्रोलिंग के बारे में बात की है। अभिनेता ने बॉर्डर 2 के ब्रेव्स ऑफ द सॉइल ट्रिब्यूट ट्रेलर लॉन्च पर मीडिया से बात करते हुए बताया कि वह ऑनलाइन नेगेटिव कमेंट्स से कैसे निपटते हैं और अपने काम पर कैसे फोकस करते हैं।

ट्रोलिंग से कैसे निपटते हैं वरुण धवन?

इवेंट में बोलते हुए वरुण धवन ने यह साफ किया कि वह सोशल मीडिया कमेंट्स का खुद पर असर नहीं पड़ने देते। उन्होंने आगे कहा कि असल में वह शोर नहीं करते हैं। बल्कि वह मौका देते हैं कि उनका काम बोले। उन्होंने कहा मैं इस बात पर यकीन करता हूं कि आप खुद शोर न करें बल्कि अपने काम को बोलने दें। ये सब चीजें चलती रहती हैं। यह मायने नहीं रखती हैं। मैं इसके लिए काम नहीं करता हूं। मैं जिस चीज के लिए काम करता हूं वो इस शुक्रवार को पता चलेगा।

अच्छी फिल्म बनाना जरूरी है

उन्होंने आगे कहा मुझे फिल्म (बॉर्डर 2) पर भरोसा है। एक अच्छी फिल्म बनाना बहुत जरूरी है। संख्याओं और इन चीजों से मुझे मतलब नहीं है। मुझे यकीन है कि मैंने एक अच्छी फिल्म बनाई है। यह सबसे जरूरी चीज है।

कब रिलीज होगी बॉर्डर 2

आपको बता दें कि फिल्म बॉर्डर 2 में सनी देओल लीड रोल में वापस आ रहे हैं। उनके साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी होंगे। बॉर्डर 2 को गुलशन कुमार और टी-सीरीज ने जेपी दत्ता की जेपी फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

मृणाल ठाकुर ने पूरी की फिल्म 'डकैत' की शूटिंग

मृणाल ठाकुर इस वक्त व्यस्त अभिनेत्रियों में से एक हैं। मृणाल बॉलीवुड से लेकर साउथ तक की फिल्मों में सक्रिय हैं। अब अभिनेत्री जल्द ही आदिवि शेष के साथ फिल्म 'डकैत' में नजर आएंगी। टीजर जारी होने के बाद से फैंस इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित हैं। अब अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। इसकी जानकारी मेकर्स की ओर से दी गई है। फिल्म की प्रोडक्शन टीम की ओर से मृणाल ठाकुर के शूटिंग पूरी करने की जानकारी दी गई। इसको लेकर मेकर्स की ओर से एक्स पर एक पोस्ट किया गया। इस पोस्ट में मृणाल की आदिवि शेष और फिल्म की बाकी टीम के साथ तस्वीरें साझा की गईं। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया, 'मृणाल ठाकुर ने अपनी आगामी ड्रामा फिल्म डकैत की शूटिंग पूरी कर ली गई है। बेहद रोमांचक शेड्यूल के बाद फिल्म की शूटिंग पूरी हुई। डकैत के 19 मार्च 2026 को हिंदी और तेलुगु में भव्य वर्ल्डवाइड रिलीज के लिए पूरी तैयारी चल रही है।'

विशाल भारद्वाज ने बताया क्यों नहीं ली हुसैन उस्तरा के परिवार से परमिशन

विशाल भारद्वाज की आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' रिलीज से पहले ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। आज फिल्म का मच अवेटेड ट्रेलर रिलीज किया गया। ट्रेलर को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान विशाल भारद्वाज ने फिल्म को लेकर मचे विवाद पर भी प्रतिक्रिया दी। साथ ही फिल्म के मुंबई के गैंगस्टर हुसैन उस्तरा पर आधारित होने की चर्चाओं और गैंगस्टर के परिवार से परमिशन लेने के मामले पर भी विशाल भारद्वाज ने प्रतिक्रिया दी।

'माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई' किताब पर आधारित है फिल्म

ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान निर्देशक विशाल भारद्वाज ने ये साफ किया 'ओ रोमियो' जैदी हुसैन की किताब 'माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई' पर आधारित है। उन्होंने कहा कि मैंने उस कहानी के राइट्स लिए और उन्हीं अधिकारों के आधार पर उस पर फिल्म बनाई है। पूरी फिल्म के किरदार वो ही हैं और कहानी वही है, लेकिन हमने इसमें क्रिएटिव लिबर्टी भी ली है। इसलिए कुछ फिक्शनल चीजें भी डाली हैं।

मैंने अनुमति नहीं ली, क्योंकि कहानी किताब का हिस्सा है

मुंबई के दिवंगत गैंगस्टर हुसैन शेख उर्फ हुसैन उस्तारा के परिवार से इजाजत लेने के सवाल पर विशाल भारद्वाज ने कहा कि मैंने अनुमति लेने के बारे में सोचा ही नहीं, क्योंकि कहानी वहीं से ली गई है और किरदार भी उसी पर आधारित हैं। हालांकि, इसमें काफी काल्पनिक बातें भी हैं। अनुमति की बात करें तो हुसैन जैदी ने शायद अनुमति ली होगी या उन्हें लेनी चाहिए थी। मुझे लगा कि मुझे किसी अनुमति की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह एक ऐसी कहानी पर आधारित है जो एक किताब का हिस्सा है।

'ओ रोमियो' के टीजर में फिल्म को सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताया गया था। इसके बाद ही फिल्म के मुंबई के गैंगस्टर हुसैन शेख उर्फ हुसैन उस्तारा के जीवन पर आधारित होने की बात कही जाने लगी। मामला तब और गरमा गया जब हुसैन उस्तारा की बेटी सनोबर शेख ने ओ रोमियो के निर्माताओं को कानूनी नोटिस भेजकर 1 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की और फिल्म की रिलीज में देरी करने को कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि फिल्म उनके पिता के जीवन पर आधारित है और परिवार की सहमति के बिना बनाई गई है। उन्होंने परिवार के लिए फिल्म की स्क्रीनिंग रखने की भी मांग रखी। लेकिन अब विशाल भारद्वाज ने स्पष्ट कर दिया है कि उन्होंने परिवार से अनुमति क्यों नहीं ली।

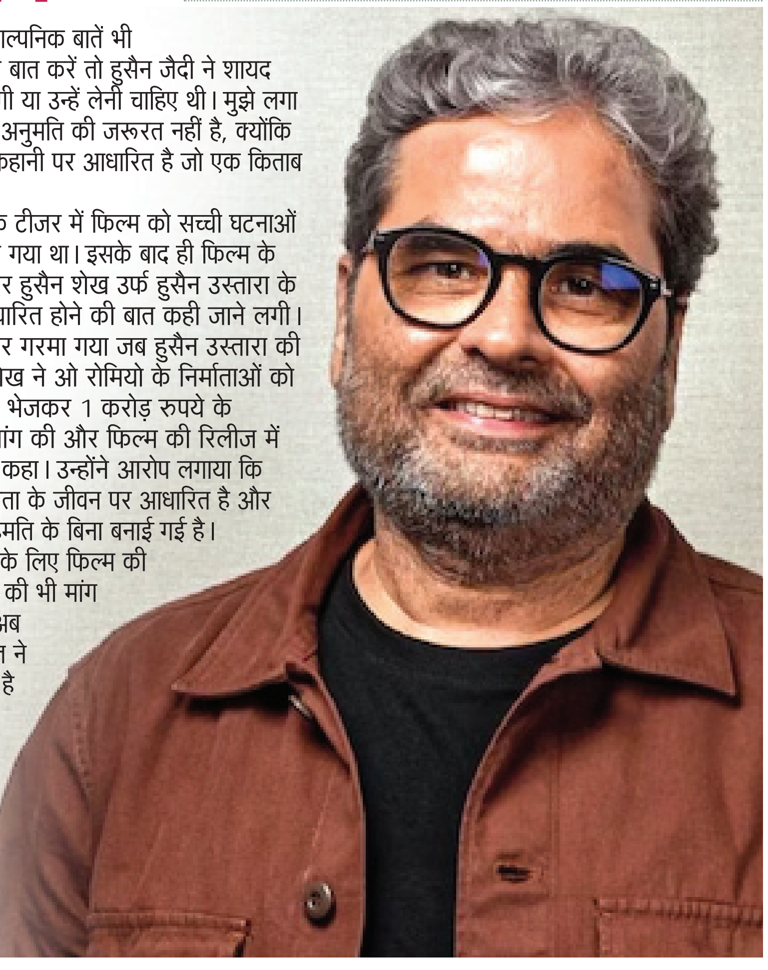

असल में फैमिली मैन हैं तस्करी के बड़ा चौधरी शरद केलकर

एक्टर शरद केलकर जितने ज़हीन कलाकार हैं, निजी जिंदगी में उतने ही परफेक्ट फैमिली मैन भी। टीवी, फिल्मों और ओटीटी तक पर सफलतापूर्वक अपने अभिनय की चमक बिखेरने वाले शरद इन दिनों नेटफ्लिक्स पर आई अपनी वेब सीरीज तस्करी- द स्मगलर्स वेब को लेकर चर्चा में हैं। शरद एक बेहतरीन डबिंग आर्टिस्ट भी हैं। हॉलीवुड की डाउन ऑफ द प्लेनेट ऑफ द ऐप्स और गार्डियन्स ऑफ द गैलेक्सी जैसी फिल्मों के हिंदी वर्जन से लेकर साउथ की बाहुबली फ्रेंचाइज, सलार और आदिपुरुष में वह लीड किरदार की आवाज बने। बातचीत में शरद ने अपने करियर से लेकर निजी जिंदगी और परिवार को लेकर दिलचस्प बातें की हैं।

शो में आप नेगेटिव रोल में हैं। पहले भी आपने नकारात्मक भूमिकाएं की हैं। क्या नेगेटिव रोल बतौर एक्टर पर्दे पर ज्यादा खेलने का मौका देते हैं?

हां, आपको थोड़ा ज्यादा खेलने की आजादी होती है, लेकिन असल में विलेन भी अपनी नजर में हीरो ही होता है, बस उसकी सोच गलत होती है। अपने दिमाग में वह हीरो है कि मैं जो कर रहा हूं सही कर रहा हूं। अपने लिए कर रहा हूं और बतौर एक्टर आपको भी ऐसे ही सोचना होता है। अगर आप ये सोचने लगेंगे कि ये कैरेक्टर गलत कर रहा है तो वो असहजता आपके चेहरे पर दिखेगी। इसलिए, बतौर ऐक्टर आप उसे जज नहीं कर सकते। आपको उसे अपनाना पड़ेगा। हालांकि, कभी-कभी ऐसा लगता है कि यार, ये कैसा आदमी है?

जैसे मुझे याद है जब मैं ऑपरेशन रोमियो कर रहा था तो सातवें-आठवें दिन बहुत परेशान हो गया कि यार, ये मैं नहीं हूं। क्या गंदा काम कर रहा हूं, तो मैं नीरज पांडे सर के ऑफिस पहुंचा और बोला कि सर, मुझे बहुत तकलीफ हो रही है। खुद से घिन आ रही है कि ये मैं क्या कर रहा हूं तो उन्होंने कहा- तुझे बहुत खराब लग रहा है न, तो ऐसे ही करते रह, क्योंकि तभी लोगों को भी वैसा लगेगा। यही एक एक्टर की सफलता है कि लोगों को वह किरदार दिखे, उन्हें शरद केलकर न दिखे।

आप एक्टर होने के साथ पिता भी हैं। कभी बेटी केशा की वजह से काम को लेकर कोई चॉइस बदली हैं कि मुझे ये चीजें नहीं करनी हैं?

नहीं, बिल्कुल नहीं। अभी तो वो बहुत छोटी हैं। वह सिर्फ 12 साल की होने वाली है, मगर वह खुद थिएटर करती हैं। स्कूल के नाटकों में परफॉर्म करती हैं। गाना गाती है, तो इस दुनिया से अवेयर हैं। हालांकि, उसने फिल्में कभी पूरी देखी नहीं हैं। एकाध कोई फिल्म देखी होगी, लेकिन वो जानती है कि रियलिटी और एक्टिंग बहुत अलग-अलग चीजें हैं, क्योंकि वो खुद एक्टिंग करती है तो उसे पता है कि मैं एक किरदार निभा रहा हूं। इसलिए, मुझे यह डर नहीं है कि कभी वो ये बोलेगी कि पापा, आपने ऐसा कैरेक्टर क्यों किया? उतनी समझ उसमें है, क्योंकि मैं और मेरी पत्नी कीर्ति दोनों एक्टर हैं तो वह इस दुनिया से वाकिफ है। हालांकि, उसे फिल्मों में ज्यादा रुचि नहीं है। उसका रुझान म्यूजिक की ओर ज्यादा है। वह गाना गाती है।

आपने पत्नी कीर्ति गायकवाड़ केलकर का जिक्र किया, जिनके साथ आपकी शादी को दो दशक हो गए। आज के समय में जहां प्यार के रिश्ते इतने नाजुक हो गए हैं, सफल शादी का क्या सूत्र मानते हैं?

प्यार सबसे जरूरी चीज है। दूसरे सम्मान बहुत जरूरी है और वक्त जो एक दूसरे को देना चाहिए। ये तीन चीजें बहुत जरूरी हैं। ये तीन चीजें अगर आप एक दूसरे को देंगे तो सब आसान है। मुझे लगता है कि रिश्ता निभाना इतना भी मुश्किल नहीं है, हम बस उसे कॉम्प्लिकेटेड बना लेते हैं। बहुत छोटी-छोटी चीजें होती है, जिसे आपसी समझ से सुलझा सकते हैं। हमारी जब शादी हुई थी तब ये सुनते थे कि इनकी शादी को दस साल, 12 साल हो गए तो हैरानी होती थी। आज हमें खुद 21 साल हो गए और वैसा ही महसूस होता है जैसे जब शादी हुई थी। हमें एक थोड़ा सा फायदा ये है कि हम दोनों ही एक्टर हैं तो एक दूसरे को बेहतर ढंग से समझते हैं।

तस्करी सीरीज में बड़े चौधरी का किरदार निभाने का अनुभव कैसा रहा? सुना है उसके लिए 8 किलो वजन कम किया?

मैं नीरज सर (शो के रनर नीरज पांडे) के साथ 6-7 साल से काम कर रहा हूं। ये उनके साथ मेरा तीसरा प्रोजेक्ट है। मुझे उनके संग काम करने में बहुत मजा आता है, क्योंकि उनकी राइटिंग में बहुत क्लैरिटी होती है। मैंने उनके साथ काम करते हुए बहुत सीखा है। वह सब कुछ बहुत अच्छे से समझाते हैं, फिर आपको छोड़ देते हैं कि अपने हिसाब से करो। आपको किसी दायरे में नहीं बांधते, जो एक्टर के लिए बहुत बड़ी बात है। इसमें बड़े चौधरी के किरदार की खासियत यह है कि वह टिपिकल विलेन नहीं है। उसकी एक बढ़िया सी बैक स्टोरी है। वह एक आम सा दिखने वाला बिजनेसमैन है, मगर वो क्या कर रहा है, कैसे कर रहा है, वह रोचक है। रही बात वजन कम करने की, तो असल में मैं मोटा था तो नॉर्मल हुआ। ऐसा कोई वजन घटाया नहीं है। मैं बहुत फूडी हूं तो बहुत खाता रहता हूं, इसलिए वजन थोड़ा बढ़ गया था, वो थोड़ा कंट्रोल किया।

एक और वैश्विक प्रतियोगिता की मेजबानी की दौड़ में भारत

चैंपियनशिप के लिए लगाई बोली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को हाल ही में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली थी और अब वह एक और वैश्विक टूर्नामेंट में मेजबानी हासिल करने की जुगत में है। भारत 2028 में होने वाले दो बड़े अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए प्रयास कर रहा है जिसके लिए राष्ट्रीय महासंघ ने भुवनेश्वर में विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और अहमदाबाद में विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगाई है। भारतीय

एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 2024 के अंत में विश्व एथलेटिक्स प्रमुख सेबेस्टियन को के भारत दौरे के दौरान ही अहमदाबाद में 2028 विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगा दी थी। विश्व एथलेटिक्स की टीम ने कलिंगा स्टेडियम का किया निरीक्षण

ताजा घटनाक्रम में एएफआई ने भुवनेश्वर में 2028 विश्व इंडोर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी बोली लगाई है। विश्व एथलेटिक्स की दो सदस्यीय टीम ने बुधवार को भुवनेश्वर स्थित कलिंगा स्टेडियम परिसर में अत्याधुनिक इंडोर सुविधा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष और पूर्व एएफआई अध्यक्ष आदिल सुमरीवाला के साथ ओडिशा सरकार के अधिकारी भी मौजूद थे। विश्व एथलेटिक्स मार्च में 2028 और 2030 जूनियर विश्व चैंपियनशिप के मेजबान देशों की घोषणा करेगा। विश्व इंडोर चैंपियनशिप के मेजबान शहर की घोषणा भी इसी महीने होने की संभावना है। मालूम हो कि एएफआई ने 2028 एशियन इंडोर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी भुवनेश्वर को लेकर बोली लगाई है। यह इंडोर स्टेडियम मार्च में भारत की पहली राष्ट्रीय इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करने जा रहा है। अहमदाबाद 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा और वह 2031 विश्व (सीनियर) एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भी बोली लगा रहा है।

एडम मिल्ने टी20 विश्व कप से बाहर

इस खतरनाक तेज गेंदबाज की न्यूजीलैंड टीम में एंट्री

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने एडम मिल्ने के चोटिल होने के कारण उनकी जगह तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को अपनी टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया है। मिल्ने बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण इस अहम टूर्नामेंट से बाहर हो गए। मिल्ने को यह चोट पिछले रविवार को एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप और एमआई केप टाउन के बीच मैच के दौरान लगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि स्कैन में इस चोट की गंभीरता सामने आई। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'जैमीसन इस समय भारत दौरे पर टीम की सफेद गेंद की टीम के साथ हैं। उन्हें टी20 विश्व कप की टीम में जोड़ा गया है जबकि पहले उन्हें भारत और श्रीलंका में फरवरी-मार्च में होने वाले टूर्नामेंट के लिए रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया था। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा कि मिल्ने भारत दौरे पर टीम का हिस्सा नहीं थे क्योंकि वह टी20 विश्व कप के लिए तैयारी में जुटे थे। उन्होंने कहा, 'हम सभी को एडम के लिए बहुत दुख हो रहा है। उन्होंने टूर्नामेंट के लिए खुद को तैयार करने में कड़ी मेहनत की थी और ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए अपने आठ मैच में वह अपनी पुरानी लय में लौटते हुए दिख रहे थे। वॉल्टर को उम्मीद है कि जैमीसन टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे जिन्होंने भारत दौरे पर न्यूजीलैंड के कम अनुभवी तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया है।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः कोरेंटिन मौटेट को हराकर

अल्काराज चौथे राउंड में

मेलबर्न, एजेंसी। दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के चौथे राउंड में जगह बना ली है। अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मुकाबले में अल्काराज ने फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट को सीधे सेटों में 6-2, 6-4, 6-1 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। दूसरे सेट में 3-0 की बढ़त के बाद अल्काराज ने लगातार चार गेम गंवा दिए, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 4-4 पर अहम ब्रेक हासिल किया और दो सेट की बढ़त बना ली। तीसरे सेट में उन्होंने पूरी तरह दबदबा बनाते हुए डबल ब्रेक लिया और दो घंटे पांच मिनट में मैच समाप्त कर दिया। मैच के बाद अल्काराज ने कहा, 'कोरेंटिन जैसे खिलाड़ी के खिलाफ खेलना आसान नहीं होता। आपको कभी नहीं पता कि अगला पॉइंट कैसा होगा। मैच को पढ़ना मुश्किल था, लेकिन मुझे कोर्ट पर बहुत मजा आया। हम दोनों ने शानदार शॉट्स खेले और कुछ बेहतरीन पॉइंट्स बने।'

अल्काराज अब 19वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल से भिड़ेंगे। अब तक टूर्नामेंट में एक भी सेट न गंवाने वाले अल्काराज अगर अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत लेते हैं, तो वह सबसे कम उम्र में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। 22 साल के अल्काराज का इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड 87-13 हो गया है। उन्होंने 100 मैचों में सर्वश्रेष्ठ मेजर रिकॉर्ड के मामले में दिग्गज ब्योर्न बोर्ग की बराबरी कर ली। स्पेन के इस खिलाड़ी ने इससे पहले मेलबर्न में दो बार क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया है। इस बार वे खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज ने इस मामले में कई महान खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है। राफेल नडाल और जॉन मैकेनरो ने अपने पहले 100 मेजर मैचों में 86-14 का रिकॉर्ड बनाया था, जबकि नोवाक जोकोविच 79-21 और रोजर फेडरर 80-20 के आंकड़े तक पहुंचे थे। अल्काराज के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी जैनिक सिनर ने पिछले साल विंबलडन में अपना 100वां मेजर मैच खेला था, जहां उनका रिकॉर्ड 81-19 रहा।

बीबीएल

डेविड वार्नर ने सिडनी थंडर के साथ एक साल का करार बढ़ाया

सिडनी, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर लीग क्रिकेट में फिलहाल अपना जलवा बरकरार रखना चाहते हैं। मौजूदा बीबीएल में सिडनी थंडर के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले वॉर्नर ने अगले सीजन के लिए भी टीम के साथ करार कर लिया है। सिडनी थंडर ने इसकी जानकारी शुक्रवार को दी। सिडनी थंडर के साथ एक साल का करार बढ़ने पर 39 साल के वार्नर ने कहा, 'मैं थंडर के साथ एक और सीजन खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक मुश्किल साल था। हम इस सीजन में मैदान पर उतरी टीम से कहीं बेहतर टीम हैं और लगातार अच्छा खेल नहीं दिखा पाए। हमारे फैंस का समर्थन, हर गेम में बड़ी संख्या में आना, इसने मेरे रुकने के फैसले में बहुत बड़ी भूमिका निभाई।' वार्नर ने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे पास इस टीम और इस गेम को देने के लिए बहुत कुछ है। मैं अपने परफॉर्मेंस से काफी सहज महसूस कर रहा था और टीम को लड़ने का मौका देने पर गर्व महसूस कर रहा था। हमने पहले ही सीजन का रिव्यू करना शुरू कर दिया है और बीबीएल 16 में एक और मजबूत कैंपेन देने के लिए सही प्लान बना रहे हैं।' थंडर के जनरल मैनेजर ट्रेंट कोपलैंड ने कहा कि वार्नर के साथ एक साल का साथ बढ़ाना कोई बड़ी बात नहीं थी। हम बहुत खुश हैं कि डेवी एक और सीजन के लिए टीम में बने हुए हैं। उनका साल शानदार रहा है। वह न सिर्फ पिछले 15 सालों में दुनिया के सबसे महान टी20 खिलाड़ियों में से एक हैं, बल्कि बीबीएल के सबसे अच्छे बल्लेबाजों में से एक हैं। उनका फिटनेस लेवल भी बहुत अच्छा है। एक लीडर के तौर पर टीम के लिए निराशाजनक सीजन को बेहतर बनाने की उनकी भूख और उनका जोश पहले की तरह ही मजबूत है। बिग बैश लीग के 15वें सीजन में वॉर्नर की कप्तानी वाली सिडनी थंडर का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। टीम 10 मैचों में 2 जीत और 8 हार के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे (आठवें स्थान पर) रही। बतौर बल्लेबाज वॉर्नर का प्रदर्शन शानदार रहा। बाएं हाथ के बल्लेबाज वॉर्नर मौजूदा सीजन के शीर्ष स्कोरर हैं। 8 मैचों की 8 पारियों में 3 बार नाबाद रहते हुए 2 शतक और 2 अर्धशतक की मदद से उन्होंने 433 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 130 रहा। इस दौरान उनका औसत 86 और स्ट्राइक रेट 154.09 रहा। दूसरे स्थान पर 430 रन के साथ मौजूद फिन एलेन फाइनल मुकाबले में उन्हें पीछे छोड़ सकते हैं।

अदार पूनावाला ने दिखाई RCB को खरीदने में दिलचस्पी

कहा- मजबूत बोली लगाने की तैयारी कर रहा हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले ये चर्चा जोरों पर है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का ऑनर बदल सकता है। इन खबरों के बीच सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ और मशहूर उद्योगपति अदार पूनावाला ने आरसीबी को खरीदने में दिलचस्पी सार्वजनिक रूप से दिखाई है। अदार पूनावाला ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आने वाले कुछ महीनों में आरसीबी के लिए एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी बोली लगाने की तैयारी कर रहा हूं। यह आईपीएल की सबसे बेहतरीन टीमों में से एक है।' आईपीएल 2025 में टीम के चैंपियन बनने और सेलिब्रेशन के दौरान हुए हादसे के बाद फ्रेंचाइजी के बिकने की चर्चाएं होती रही हैं। पूर्व में भी कई बार फ्रेंचाइजी के बिकने की खबर आई है जो अब तक गलत साबित हुई है, लेकिन आरसीबी के चैंपियन बनने, टीम की फैन फॉलोइंग और हाल में हुए विवादों के बाद मालिकाना हक बदलने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। जानकारी के मुताबिक पूनावाला के अलावा, विजय किरागंदूर की कंपनी होम्बले फिल्म्स भी आरसीबी को खरीदने की दौड़ में शामिल मानी जा रही है। होम्बले फिल्म्स 'केजीएफ' और 'कांतारा' जैसी सुपरहिट फिल्मों की निर्माता है। आरसीबी आईपीएल की मौजूदा चैंपियन है। लगातार 17 साल निराशा झेलने के बाद आरसीबी ने 18वें सीजन (आईपीएल 2025) में पहली बार खिताब जीता।

रणजी ट्रॉफी 2026

चयनकर्ताओं को सरफराज ने फिर दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सरफराज खान ने चयनकर्ताओं को फिर दिया जवाब, हैदराबाद के खिलाफ जड़ दिया दोहरा शतक - रणजी ट्रॉफी 2026 के ग्रुप डी के मुकाबले में मुंबई की ओर से खेल रहे

सरफराज खान ने हैदराबाद के खिलाफ दोहरा शतक जड़ दिया है। सरफराज ने 206 गेंद में 19 चौके और 6 छक्कों की मदद से यह डबल सेंचुरी पूरी की। सरफराज का यह 5वां फर्स्ट क्लास क्रिकेट में दोहरा शतक है। सरफराज इसके अलावा एक तिहरा शतक भी लगा चुके हैं। सरफराज ने इस दोहरे शतक के जरिए एकबार फिर चयनकर्ताओं को बल्ले से जवाब दिया है।

- **सरफराज ने पहले ही दिन जड़ दिया था शतक**- सरफराज खान के दोहरे शतक की बदौलत मुंबई की टीम पहली पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 450 से पार जा चुकी है। सरफराज ने मैच के पहले ही दिन अपना शतक पूरा कर लिया था। सरफराज के अलावा सिद्धेश लाड ने भी शतक जड़ा था। सिद्धेश 104 रन बनाकर आउट हो गए थे। खबर लिखे जाने तक सरफराज के साथ सुवेद परकार 65 रन की नाबाद पारी के साथ क्रीज पर हैं।
- **मुंबई का टॉप ऑर्डर जल्दी हो गया था आउट**- इस मैच में हैदराबाद के कप्तान मोहम्मद सिराज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। मुंबई के लिए पहले दिन पारी की शुरुआत करने अखिल हरवाडकर और आकाश आनंद आए। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हुई ही थी कि अखिल 27 रन के स्कोर पर आउट हो गए।
- **सरफराज और सिद्धेश की साझेदारी से संभली मुंबई**- मुंबई का तीसरा विकेट 82 रन के स्कोर पर गिरा था जब मुशीर खान 11 रन पर चलते बने। तीन विकेट गिर जाने के बाद मुंबई दवाब में थी, लेकिन इसके बाद सिद्धेश और सरफराज ने मिलकर पारी को संभाल लिया।

गुजरात जायंट्स की तेज गेंदबाज तितास साधु टूर्नामेंट से बाहर

इस ऑलराउंडर की हुई एंट्री

वडोदरा, एजेंसी। गुजरात जायंट्स को डब्ल्यूपीएल 2026 के बीच में एक झटका लगा है। टीम की युवा तेज गेंदबाज तितास साधु चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह भरने के लिए गुजरात ने असम की ऑलराउंडर जिंतिमणी कलिता को अपने खेमे में शामिल किया है। साधु पिछले दो सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थीं और 7 मैच खेल चुकी थीं। उन्हें नवंबर की मेगा नीलामी में गुजरात ने 30 लाख रुपए की बोली लगाकर अपनी टीम से जोड़ा था। हालांकि फिटनेस की समस्याओं के चलते वे 2026 के सीजन में एक भी मुकाबला नहीं खेल पाईं। तितास के लिए पिछला साल भी चोटों से भरा रहा, जिसके कारण उन्हें कई अहम मौकों पर मैदान से दूर रहना पड़ा। पिछले साल जनवरी में आयरलैंड के विरुद्ध घरेलू वनडे सीरीज और फिर डब्ल्यूपीएल के तीन मैचों के बाद से उनकी फिटनेस उनका साथ छोड़ती रही।

पाकिस्तान ने चली चाल

जिम्बाब्वे को पहुंचाया फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर चालबाजी करने में पाकिस्तान की सीनियर टीम ही नहीं बल्कि जूनियर टीम भी काफी माहिर है। गुरुवार को अंडर 19 विश्व कप के एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तान की अंडर 19 टीम ने कुछ ऐसा ही किया। दरअसल, विश्व कप के 19वें मैच में पाकिस्तान ने मेजबान जिम्बाब्वे 8 विकेट से हरा तो दिया, लेकिन इस मैच में पाकिस्तान ने ऐसी चाल चली कि उसने जिम्बाब्वे को फायदा पहुंचाया और स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस मैच में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को 129 रन का लक्ष्य दिया था। मेजबानों ने 35.5 ओवर में 128 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम ने इस लक्ष्य को 26.2 ओवर में हासिल किया। एक समय पर पाकिस्तान की टीम 14 ओवर में 2 विकेट खोकर 84 रन बना चुकी थी, लेकिन उसके बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी जानबूझकर धीरे खेले और 12.2 ओवर में 45 रन बनाए। यहीं पर पाकिस्तान की चाल सामने आ गई।

इस चाल से पाकिस्तान को भी होगा फायदा

नियमों के मुताबिक, टीमें ग्रुप स्टेज से सुपर सिक्स राउंड में पॉइंट्स और नेट रन रेट से आगे बढ़ाती हैं, लेकिन सिर्फ उन्हीं मैचों में जिनमें ग्रुप से अगले राउंड के लिए क्वालीफाई करने वाली टीमें शामिल होती हैं। ज़िम्बाब्वे को सुपर सिक्स के लिए क्वालिफ़ाई करने में मदद करके पाकिस्तान ने अपना नेट रन रेट बढ़ाया जिसका फायदा पाकिस्तान को सुपर 6 में होगा। पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को 142 गेंदें बाकी रहते हरा दिया, यह जीत का अंतर स्कॉटलैंड पर उसकी जीत से काफ़ी ज्यादा था। जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तान को 41 गेंद रहते जीत मिली थी।

रिपोर्ट के अनुसार T20 विश्व कप 2026 से बाहर रहने के

सरकार के फैसले से बांग्लादेशी खिलाड़ियों में असंतोष

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 से बांग्लादेश बाहर हो गया है। बांग्लादेश की सरकार ने सुरक्षा का हवाला देते हुए विश्व कप के मैचों के लिए अपनी टीम को भारत न भेजने का फैसला गुरुवार को किया। आईसीसी अपने आधिकारिक प्रेस रिलीज में कभी भी बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड के नाम का ऐलान प्रतिभागी देश के रूप में कर सकता है। बांग्लादेश के क्रिकेटरों के बीच अपनी सरकार के फैसले को लेकर निराशा है। बांग्लादेश के क्रिकेटरों का कहना है कि सरकार ने विश्व कप न खेलने का फैसला लेने से पहले उनसे सलाह लेना उचित नहीं समझा। सरकार के निर्णय ने बांग्लादेशी खिलाड़ियों में असंतोष उत्पन्न कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, खिलाड़ियों की नाराजगी फैसले से ज्यादा उसे लेने के तरीके को लेकर है। संवाद की जगह ऊपर से आदेश वाली संस्कृति अपनाई गई। खिलाड़ियों को लगा कि वे चर्चा का हिस्सा नहीं, बल्कि पहले से तय पटकथा के श्रोता

बनकर रह गए हैं। दरअसल, विश्व कप से बाहर होने का फैसला लेने से पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों की एक बैठक बुलाई थी। एक क्रिकेटर ने अपना नाम न छापने की शर्त पर कहा, 'मीटिंग हमारी सहमति के लिए नहीं बुलाई गई थी। हमें सिर्फ यह बताने के लिए बुलाया गया कि क्या होने वाला है। फैसले पहले ही लिए जा चुके थे और हमारी बातों का उस पर कोई असर नहीं पड़ा। पहले खिलाड़ियों से खुलकर राय ली जाती थी, लेकिन इस बार साफ कह दिया गया कि भारत में विश्व कप खेलने का सवाल ही नहीं है। क्रिकेटर के मुताबिक, मामले में बांग्लादेश सरकार का सीधा हस्तक्षेप है। सरकार का कॉल पहले ही आ चुका था। सीधा आदेश था कि टीम नहीं जाएगी। मामला अब क्रिकेटिंग लॉजिक से आगे बढ़कर सुरक्षा और राज्य की नीति के दायरे में चला गया है। रिपोर्ट के मुताबिक मीटिंग के दौरान कप्तान लिटन दास और टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने कहा कि टीम तैयार है और टूर्नामेंट में खेलने को इच्छुक है। इसकी वजह हाल के महीनों में एक मजबूत टी20 यूनिट बनने के लिए हमने कड़ी मेहनत की है और सकारात्मक परिणाम दिए हैं।

वंदे भारत ट्रेन पर पत्थर चलाने वालों की खैर नहीं

6 महीने में 665 गिरफ्तार, जुर्माना भी

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय रेलवे ने ट्रेनों पर पत्थरबाजी करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ देशव्यापी अभियान छेड़ दिया है। जुलाई से दिसंबर 2025 के बीच के आंकड़ों के अनुसार, पिछले छह महीनों में देशभर में पत्थरबाजी की कुल 1,698 घटनाएं दर्ज की गई हैं। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इन मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 665 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि पत्थरबाजी की यह खतरनाक प्रवृत्ति न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर रही है।

आरपीएफ की जांच में सामने आया है कि पत्थरबाजों के निशाने पर सबसे अधिक वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनें हैं। हालांकि इन आधुनिक ट्रेनों में बेहद मजबूत रीइन्फोर्स्ड कांच लगाए गए हैं, लेकिन भारी पथराव के कारण वे भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। वहीं, सामान्य यात्री ट्रेनों में खिड़की के शीशे टूटने से कई यात्रियों के घायल होने की खबरें भी आई हैं। रेलवे ने उन संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की है जहां ऐसी घटनाएं बार-बार होती हैं। इन क्षेत्रों में आरपीएफकी गश्त बढ़ा दी गई है और अपराधियों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज के साथ-साथ स्थानीय मुखबिरों की मदद ली जा रही है। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि यात्रियों की जान जोखिम में डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पकड़े गए आरोपियों पर भारतीय रेलवे अधिनियम की गंभीर धाराओं (150, 152, 153 और 154) के तहत मुकदमे चलाए जा रहे हैं। इन धाराओं के तहत अपराध की गंभीरता के आधार पर 1 साल से लेकर 10 साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है। रेलवे का कहना है कि वे इन मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। रेलवे केवल कानूनी कार्रवाई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इस समस्या की जड़ तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। इसके लिए रेलवे ट्रैक के किनारे स्थित स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं ताकि बच्चों को इसके कानूनी परिणामों के बारे में बताया जा सके।

दिल्ली को नहीं मिला अपन लोगो, 1800 डिजाइन हुए फेल, अब ठंडे बस्ते में योजना

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश की राजधानी दिल्ली को अपनी नई पहचान यानी आधिकारिक लोगो के लिए अभी और इंतजार करना होगा। दिल्ली सरकार ने अपने आधिकारिक लोगो को अपनाने की योजना को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया है। हैरानी की बात यह है कि देश भर से करीब 1,800 से ज्यादा डिजाइन मंगाए गए थे, लेकिन चयन समिति को इनमें से एक भी डिजाइन पसंद नहीं आया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता वाली एक विशेष समिति ने इन डिजाइनों को परखा था। Mygov.in पोर्टल के जरिए आए इन 1,800 आवेदनों में दिल्ली के खान-पान से लेकर ऐतिहासिक स्मारकों तक के प्रतीक शामिल थे। सरकार ऐसा लोगो चाहती थी जो दिल्ली की मिली-जुली संस्कृति, लोकतांत्रिक भावना और एक ग्लोबल मेट्रोपोलिस के रूप में हो रहे बदलाव को दर्शा सके।

सूत्रों के मुताबिक, डिजाइन विशेषज्ञों और मंत्रियों के साथ विचार-विमर्श हुआ, लेकिन कोई भी डिजाइन सरकार के पैमाने पर खरा नहीं उतरा। सरकार को तलाश थी एक ऐसे प्रतीक की जो परंपरा और आधुनिकताका संगम हो, लेकिन किसी भी शॉर्टलिस्ट किए गए डिजाइन पर सहमति नहीं बन सकी। योजना के मुताबिक, पिछले साल 1 नवंबर को दिल्ली के स्थापना दिवस के मौके पर नया लोगो और टैगलाइन लॉन्च किया जाना था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे दिल्ली के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया था और कहा था कि दशकों से भारत का चेहरा होने के बावजूद दिल्ली की अपनी कोई औपचारिक पहचान नहीं थी। इस लोगो का इस्तेमाल सरकारी स्टेशनरी, इमारतों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्थायी प्रतीक के रूप में किया जाना था।

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल को कथित शराब घोटाले से जुड़े दो केसों में राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल को कथित शराब घोटाले से जुड़े दो केसों में राहत मिल गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर जारी कई समन को दरकिनार किए जाने की वजह से अरविंद केजरीवाल के खिलाफ केस दर्ज किए गए थे। अदालत ने यह कहते हुए इन्हें खारिज कर दिया कि ईमेल से समन जारी करना वैध नहीं है या सीआरपीसी या पीएमएलए के तहत वैध नहीं है। अदालत ने कहा कि जांच एजेंसी यह साबित करने में असफल रही कि अरविंद केजरीवाल ने जानबूझकर समन को दरकिनार किया। राउज एवेन्यू कोर्ट में एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने कहा कि तब केजरीवाल मुख्यमंत्री थे और उन्हें भी आवागमन का मौलिक अधिकार प्राप्त था। अदालत ने माना कि 'समन की विधिवत तामील को लेकर कानूनी चुनौती स्वीकार्य है।' ईमेल से समन पर अदालत ने क्या कहा? अदालत ने कहा, 'ईडी द्वारा न तो ईमेल के माध्यम से समन की तामील साबित की गई है... और न ही प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट (पीएमएलए) की धारा 50(2) के तहत किसी व्यक्ति को ईमेल के माध्यम से समन जारी करने की प्रक्रिया कानून के अनुसार साबित हुई है।' जज ने कहा, 'मान लीजिए कि इन समन को साबित मान भी लिया जाए, तो भी पूरी प्रक्रिया कानूनी प्रक्रिया के खिलाफ है। पीएमएलए या दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत इस प्रकार की तामील का कोई प्रावधान नहीं है...।' ईडी ने आरोप लगाया कि उसने समन जारी किए थे, जो विधिवत तामील भी किए गए थे, फिर भी तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल ने जानबूझकर समन का पालन नहीं किया और जांच में शामिल नहीं हुए। ईडी ने यह भी आरोप लगाया कि केजरीवाल ने बेबुनियाद आपत्तियां उठाईं और जानबूझकर जांच में शामिल नहीं होने के बहाने बनाए। कोर्ट ने कहा– यह साबित नहीं कर पाई एजेंसी अदालत ने कहा कि ईडी यह साबित करने में भी विफल रही कि केजरीवाल ने जानबूझकर समन का उल्लंघन किया। अदालत ने अपने आदेश में कहा, 'अभियोजन पक्ष अपने मामले को साबित करने में विफल रहा है, और आरोपी इस मामले में अपने ऊपर लगे आरोपों से बरी होने के हकदार हैं। आरोपी अरविंद केजरीवाल को भारतीय दंड संहिता की धारा 174 (लोक सेवक के आदेश का पालन न करना) के तहत दंडनीय अपराध से बरी किया जाता है।'

आरोपियों को कोर्ट से लगा झटका; केस ट्रांसफर करने की अर्जी रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतमबुद्धनगर जिला न्यायालय में गुरुवार को अखलाक हत्याकांड मामले में केस ट्रांसफर की अर्जी पर सुनवाई हुई। जिला जज ने आरोपी पक्ष की याचिका को निरस्त कर दिया। इससे पहले जिला न्यायालय सरकार की केस वापसी की अर्जी को निरस्त कर चुका है। दादरी के बिसाहड़ा गांव में 28 सितंबर 2015 की रात गोहत्या की सूचना पर अखलाक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। उसके बेटे दानिश को भी पीटकर अधमरा कर दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। फिलहाल सभी आरोपी जमानत पर बाहर हैं। पीड़ित पक्ष के वकील यूसुफ सैफी ने बताया कि इस मामले में आरोपी पक्ष ने केस दूसरी अदालत में ट्रांसफर करने को लेकर एक अर्जी लगाई थी। केस ट्रांसफर के मामले में लगाई गई अर्जी पर गुरुवार को जिला न्यायाधीश की अदालत में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के के बाद अदालत ने केस ट्रांसफर करने को लेकर लगाई गई आरोपी पक्ष की अर्जी को निरस्त कर दिया। जिला जज ने कहा कि यह केस अतिरिक्त जिला न्यायाधीश की फास्ट ट्रैक कोर्ट में ही चलेगा। शुक्रवार को अखलाक पक्ष की ओर से गवाही होगी। इस मामले में शुक्रवार को गवाही होनी है।

पूर्व सीएम चन्नी के अपर व लोअर कास्ट वाले बयान पर उखड़ा कांग्रेस हाईकमान

नई दिल्ली, एजेंसी।
पंजाब के पूर्व सीएम और जालंधर से सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के अपर व लोअर कास्ट वाले बयान पर मचे हंगामे के बीच आज नई दिल्ली में राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में अहम बैठक हुई। चन्नी के बयान के बाद ही कांग्रेस हाईकमान ने पंजाब कांग्रेस के नेताओं को दिल्ली तलब किया था। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में राहुल गांधी ने कांग्रेस नेताओं की जमकर क्लास लगाई। राहुल गांधी ने दो-टूक कहा कि अनुशासनहीनता को किसी तरह से बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, चन्नी के बयान पर राहुल गांधी ने नाराजगी जताई है। राहुल गांधी ने स्पष्ट किया है कि कांग्रेस में अमरिंद्र सिंह राजा वड़िंग ही पंजाब कांग्रेस के प्रधान बने रहेंगे। महासचिव, नेता प्रतिपक्ष और महिला कांग्रेस अध्यक्ष जैसे प्रमुख पदों पर भी वही नेता ज्यों के त्यों की काबिज रहेंगे।

इस बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री व पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश सिंह बघेल, सुखजिंदर सिंह रंधावा, पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, विजयेंद्र सिंगला, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, अमर सिंह, राणा केपी और वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी भी मौजूद रहीं।

क्या कहा था चन्नी ने?

पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें चन्नी कह रहे थे कि पंजाब में प्रदेश अध्यक्ष, महासचिव, नेता प्रतिपक्ष और महिला विंग की अध्यक्ष सभी अपर कास्ट से हैं। बड़े पदों पर दलितों को प्रतिनिधित्व कैसे मिलेगा? चन्नी कहते हैं कि यदि पार्टी मानती है की पंजाब में 38 प्रतिशत दलित आबादी है तो बड़े पदों पर दलितों को मौका क्यों नहीं दिया गया? इस बयान के बाद कांग्रेस पार्टी में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं। कई लोगों ने इस मुद्दे पर सवाल उठाए तो कुछ ने इसे पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। पंजाब के नेताओं को यह विवाद पार्टी के भीतर ही कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच और लोअर और अपर कास्ट में बढ़ती खाई की तरह दिखने लगा है।

शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया: चन्नी

विवाद बढ़ने पर चन्नी ने अपने बयान की सफाई देते हुए कहा कि उनका उद्देश्य किसी के खिलाफ बात करना नहीं था। उन्होंने कहा था कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है और उन्हें जातीय राजनीति से जोड़ने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने हमेशा उन्हें सम्मान और जिम्मेदारी दी है, जिनका उन्होंने ईमानदारी से निर्वहन किया है।

घर की दीवार से लेकर अनाज तक

जनगणना 2027 पहले फेज में पूछे जाएंगे 33 सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्र सरकार ने गुरुवार को जनगणना 2027 के पहले चरण के लिए 33 सवालों की सूची जारी कर दी है। यह सूची राजपत्र अधिसूचना में प्रकाशित की गई है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल मृत्युंजय कुमार नारायण ने इसमें घर के फर्श, छत और दीवारों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, रहने वाले विवाहित जोड़ों की संख्या, घर का मुखिया पुरुष है या महिला, खाना पकाने का ईंधन, मुख्य अनाज, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच और वाहनों के स्वामित्व जैसे सवाल शामिल किए हैं।

अधिसूचना के अनुसार, जनगणना अधिकारी भारत की जनगणना 2027 के संबंध में आवास गणना और घर-सूचीकरण के दौरान इन सभी सवालों को पूछ सकते हैं। सवालों की शुरुआत भवन संख्या, मकान के फर्श, दीवारों और छत की मुख्य निर्माण सामग्री से होगी। उसके बाद मकान के उपयोग, स्थिति और उसमें रहने वाले लोगों की संख्या के बारे में पूछा जाएगा।

जनगणना अधिकारी परिवार के मुखिया के नाम, लिंग, अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य वर्ग से संबंध, और मकान के स्वामित्व जैसी जानकारी भी एकत्र करेंगे। जनगणना 2027 का पहला चरण (घरों की सूची तैयार करने का अभियान) 1 अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 के बीच प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश द्वारा तय की गई 30 दिनों की अवधि में होगा।

पहले चरण में पूछे जाने वाले 33 सवालों की सूची इस प्रकार है...

मकान नंबर (नगरपालिका/स्थानीय निकाय या जनगणना संख्या) घर के फर्श का मुख्य निर्माण पदार्थ घर की दीवारों में इस्तेमाल सामग्री छत किस सामग्री से बनी है घर का उपयोग किस लिए होता है मकान की स्थिति (अच्छी/खराब आदि) परिवार संख्या घर में रहने वाले कुल लोगों की संख्या परिवार के मुखिया का नाम परिवार के मुखिया का लिंग घर में रहने वाले विवाहित जोड़ों की संख्या पीने के पानी का मुख्य स्रोत क्या पीने का पानी घर में उपलब्ध है रोशनी का मुख्य स्रोत शौचालय की सुविधा है या शौचालय का प्रकार गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था स्नानघर की सुविधा रसोई और एलपीजी/पीएनजी कनेक्शन की लब्धता खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाला ईंधन रेडियो/ट्रांजिस्टर है या नहीं टेलीविजन है या नहीं इंटरनेट की सुविधा लैपटॉप या कंप्यूटर मोबाइल/टेलीफोन/स्मार्टफोन साइकिल/स्कूटर/मोटरसाइकिल कार/जीप/वैन घर में खाया जाने वाला मुख्य अनाज

मोबाइल नंबर (केवल जनगणना से जुड़ी जानकारी के लिए) गौरतलब है कि जनगणना का दूसरा चरण फरवरी 2027 में शुरू होगा। इसमें मकानों के बजाय व्यक्तियों की जनसंख्या गणना होगी। दूसरे चरण की प्रश्नावली बाद में जारी की जाएगी।

डोनाल्ड ट्रंप का कनाडा को झटका: 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने का न्यौता वापस लिया

वाशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को अपने नए बनाए गए बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का दिया गया निमंत्रण वापस ले लिया है। यह कदम उत्तर अमेरिका के दोनों पड़ोसी देशों के बीच चल रही ताजा तनातनी के बीच उठाया गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट के ज़रिए यह जानकारी दी। उन्होंने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को संबोधित करते हुए लिखा कि पीस बोर्ड ने कनाडा को भेजा गया अपना निमंत्रण वापस लेने का फ़ैसला किया है। हालांकि, पोस्ट में ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि उन्होंने कनाडा को दिया गया यह निमंत्रण क्यों रद्द किया। वापस लेने के पीछे की वजह को लेकर उन्होंने कोई कारण नहीं बताया।

बता दें कि बुधवार को, ट्रंप ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में कहा था कि 'कनाडा अमेरिका की वजह से ज़िंदा है।' कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया है कि कनाडा अपने अस्तित्व के लिए अमेरिका पर निर्भर है। कार्नी ने कहा, 'कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक शानदार साझेदारी बनाई है। अर्थव्यवस्था में, सुरक्षा में और समृद्ध सांस्कृतिक आदान-प्रदान में, लेकिन कनाडा अमेरिका की वजह से जिंदा नहीं है। कनाडा इसलिए आगे बढ़ रहा है क्योंकि हम कनाडाई हैं। ' विश्व में शांति स्थापित करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस की शुरुआत की है। इसमें शामिल होने के लिए ट्रंप ने दुनिया के लगभग 60 देशों को न्योता भेजा। इजरायली मीडिया के अनुसार, 60 में से दुनिया के 25 देशों ने ट्रंप के न्यौते को स्वीकार कर लिया है। बोर्ड ऑफ पीस में अब तक इजरायल, बहरीन, मोरक्को, अर्जेंटीना, आर्मेनिया, अजरबैजान, बुल्गारिया, हंगरी, इंडोनेशिया, जॉर्डन, कजाकिस्तान, कोसोवो, पाकिस्तान, पराग्वे, कतर, सऊदी अरब, तुर्किए, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, बेलारूस, मिस्र, वियतनाम और मंगोलिया शामिल हुए। आठ इस्लामिक देशों ने बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का न्योता स्वीकार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी गाजा में इजरायल-हमास सीजफायर समझौते के दूसरे फेज के तहत घोषित बोर्ड में शामिल होने के लिए बुलाया था। हालांकि, भारत की तरफ से फिलहाल इसपर कोई फैसला सामने नहीं आया है।

जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने भंग की संसद, 8 फरवरी को होंगे मध्यावधि चुनाव

टोक्यो, एजेंसी। जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने शुक्रवार को संसद के निचले सदन को भंग कर दिया, जिससे देश में 8 फरवरी को मध्यावधि चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। तकाइची ने यह फैसला केवल तीन महीने के कार्यकाल के बाद लिया है। अक्टूबर में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री चुनी गईं तकाइची को अब तक लगभग 70 प्रतिशत की ऊंची लोकप्रियता मिली है। माना जा रहा है कि वह इसी लोकप्रियता का लाभ उठाकर सत्तारूढ़ दल की स्थिति मजबूत करना चाहती हैं, जिसे हाल के वर्षों में भारी नुकसान झेलना पड़ा है। हालांकि, संसद भंग होने से उस बजट पर मतदान टल गया है, जिसका उद्देश्य कमजोर अर्थव्यवस्था को सहारा देना और बढ़ती महंगाई से निपटना था। 465 सदस्यीय निचले सदन के भंग होने के साथ ही 12 दिनों का चुनाव प्रचार अभियान शुरू होगा, जिसकी औपचारिक शुरुआत मंगलवार से होगी। प्रधानमंत्री तकाइची ने कहा कि वह चाहती हैं कि जनता तय करे कि उन्हें प्रधानमंत्री बने रहना चाहिए या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस चुनाव को अपने राजनीतिक भविष्य से जोड़ रही हैं। सख्त रुख वाली रूढ़िवादी नेता तकाइची अपने पूर्ववर्ती शिगेरु इशिबा से अलग नीतियों को सामने रखना चाहती हैं। उनके एजेंडे में ज्यादा सरकारी खर्च, सैन्य ताकत में इजाफा और कड़ी आव्रजन नीति शामिल है, ताकि जापान को 'मजबूत और समृद्ध' बनाया जा सके। हालांकि तकाइची की छवि युवा मतदाताओं में लोकप्रिय है, लेकिन सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) अभी भी राजनीतिक फंडिंग घोटाले के असर से उबर रही है। इसके चलते कई पारंपरिक मतदाता उभरती दक्षिणपंथी विपक्षी पार्टियों की ओर रुख कर चुके हैं।

मेक्सिको में एल बोटोक्स की गिरफ्तारी, संगठित अपराध पर बड़ा वार

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको के पश्चिमी राज्य मिचोआकान में पुलिस ने एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है, जिसे एल बोटोक्स के नाम से जाना जाता है। उस पर नींबू किसानों से जबरन वसूली और कई हत्याओं में शामिल होने का आरोप है। अधिकारियों के मुताबिक उसका असली नाम सेसर अलेजांद्रो सेपुल्वेदा अरेलानो है और वह व्हाइट ट्रोजन्स नाम के आपराधिक गिरोह का सरगना था। यह गिरोह खतरनाक ड्रग कार्टेल जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल से जुड़ा हुआ माना जाता है। सुरक्षा मंत्री उमर गार्सिया हारफुच ने बताया कि एल बोटोक्स के खिलाफ हत्या और वसूली के 11 से ज्यादा वारंट जारी थे। वह किसानों से भारी रकम वसूलता था और जो लोग विरोध करते थे, उन्हें जान से मारने की धमकी दी जाती थी। पिछले साल अक्टूबर में नींबू उत्पादक संघ के अध्यक्ष बर्नार्डो ब्रावो की हत्या भी इसी गिरोह से जुड़ी बताई जा रही है। ब्रावो ने खुले तौर पर संगठित अपराध के खिलाफ आवाज उठाई थी। उन्होंने कहा था कि माफिया हर व्यापारिक गतिविधि पर कब्जा कर रहा है। उनकी हत्या के बाद पूरे राज्य में गुस्सा फैल गया था। इसके कुछ ही हफ्तों बाद एक लोकप्रिय मेयर की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। राज्य के गवर्नर ने कहा कि यह गिरफ्तारी माफिया के खिलाफ बहुत बड़ा झटका है। मिचोआकान मेक्सिको में नींबू और एवोकाडो का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है।

अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ से तोड़ा नाता, कोविड विफलताओं का लगाया आरोप

वाशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिका ने औपचारिक रूप से विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अपनी सदस्यता खत्म कर दी है। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले दिन किए गए वादे को पूरा करने के तहत लिया गया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो और स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री रॉबर्ट एफ केनेडी जूनियर ने एक संयुक्त बयान में बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित एक कार्यकारी आदेश के जरिए यह वापसी लागू की गई। इस फैसले का उद्देश्य अमेरिका को डब्ल्यूएचओ की 'पाबंदियों' से मुक्त करना और कोविड-19 महामारी के दौरान हुई विफलताओं से हुए नुकसान की भरपाई करना है। बयान में कहा गया, 'आज अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से खुद को अलग कर लिया है, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने पहले दिन वादा किया था। यह कदम कोविड-19 के दौरान डब्ल्यूएचओ की नाकामियों के जवाब में उठाया गया है, जिनका खामियाजा अमेरिकी जनता को भुगतना पड़ा। '

प्रशासन ने डब्ल्यूएचओ पर अपने मूल उद्देश्य से भटकने और अमेरिकी हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। बयान में कहा गया कि अमेरिका डब्ल्यूएचओ का संस्थापक सदस्य और सबसे बड़ा वित्तीय योगदानकर्ता रहा है, इसके बावजूद संगठन ने अमेरिका के हितों की अनदेखी की।

ट्रंप प्रशासन का दावा है कि डब्ल्यूएचओ ने राजनीतिक और नौकरशाही एजेंडे को अपनाया, जो उन देशों से प्रभावित था जो अमेरिका के विरोधी हैं। साथ ही, महामारी के दौरान समय पर और सटीक जानकारी साझा करने में संगठन असफल रहा।

बयान में यह भी कहा गया कि इन विफलताओं की वजह से अमेरिकी लोगों की जान जा सकती थी और बाद में इन गलतियों को 'जन स्वास्थ्य के हित' के नाम पर छिपाया गया। प्रशासन ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका के बाहर निकलने के फैसले के बाद डब्ल्यूएचओ का व्यवहार अपमानजनक रहा। कहा गया कि संगठन ने अपने मुख्यालय में लगा अमेरिकी झंडा सौंपने से इनकार कर दिया और यह दावा किया कि उसने अमेरिका की वापसी को मंजूरी नहीं दी है।

संयुक्त बयान में कहा गया, 'हमारे संस्थापक सदस्य और सबसे बड़े समर्थक होने के बावजूद, अंतिम दिन तक अमेरिका का अपमान जारी रहा।' अमेरिकी सरकार ने साफ किया कि अब डब्ल्यूएचओ के साथ उसका संपर्क केवल वापसी की प्रक्रिया पूरी करने और अमेरिकी नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा तक सीमित रहेगा। डब्ल्यूएचओ से जुड़ी सभी अमेरिकी फंडिंग और स्टाफिंग तुरंत समाप्त कर दी गई है।

प्रशासन ने कहा कि अमेरिका अब वैश्विक स्वास्थ्य प्रयासों का नेतृत्व सीधे देशों के साथ द्विपक्षीय साझेदारी और भरोसेमंद स्वास्थ्य संस्थानों के जरिए करेगा। बयान में डब्ल्यूएचओ को भारी-भरकम और अक्षम नौकरशाही बताया गया। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि यह फैसला उन अमेरिकियों को सम्मान देने के लिए लिया गया है जिन्होंने महामारी में अपनों को खोया, खासकर नर्सिंग होम में मरे बुजुर्गों और उन कारोबारियों को, जिन्हें कोविड प्रतिबंधों से भारी नुकसान हुआ। बता दें कि अमेरिका 1948 में डब्ल्यूएचओ का संस्थापक सदस्य बना था और लंबे समय तक इसका सबसे बड़ा डोनर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नेताजी सुभाष चंद्र बोस से असंख्य युवा हैं प्रेरित : संजय त्यागी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी स्थित तिरंगा पार्क में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 129 वीं जयंती मनाई गई। भाजपा बोकारो जिला महामंत्री संजय त्यागी ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर श्रद्धा

सुमन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी और अंग्रेजों के खिलाफ बिगुल फूंकने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस बचपन से ही मेधावी छात्र रहे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पश्चिमी ताकतों के विरुद्ध आजाद हिंद फौज का नेतृत्व करने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अपने पराक्रम साहस और देशभक्ति से असंख्य युवाओं को प्रेरित किया। भाजपा चास नगर उत्तरी के पूर्व अध्यक्ष पन्ना लाल कान्दु,अविनाश झा,राजेश घोषाल,झंटू दे,अभय कुमार गोलू, बुद्धेश्वर घोषाल, प्रकाश प्रामाणिक,वर्षा चौधरी,सतेंद्र साव , ज्ञानेश्वर प्रसाद गुड्डू,उदय सिंह,तारा साह, सिद्धाम आचार्या,गोपाल साव,सिद्धार्थ कुमार,फारूक अंसारी,सेंटी कांदु धर्मा बाउरी,अमृत रजवार,सुमित कुमार,सोनू कुमार विक्की रजवार,राजू बाउरी आदि ने भी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

यूनियन ने मनाई सुभाष चंद्र बोस की जयंती

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ ने बोकारो स्टील प्लांट में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई। संघ के महामंत्री प्रेम कुमार ने नेताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। उन्होंने उपस्थित साथियों को बताया, नेताजी के आदर्श पर ही हमारा संघ का आदर्श है। हक

के लिए लड़ेंगे झुकेंगे नहीं, आप सभी हमारा साथ दो हम तुम्हे इंसाफ देंगे। जय हिन्द के नारे के साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस अमर रहे का नारा लगाया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष राम कुमार श्रीवास्तव,कार्यकारी अध्यक्ष शम्भू कुमार, कमलेश कुमार, संगठन मंत्री राकेश कुमार, शैलेन्द्र कुमार, दिलीप कुमार, घनश्याम, राजेश कुमार, अजय झा, नरेश, महादेव, लक्ष्मण, जे तिग्गा,सुजीत कुमार आदि उपस्थित रहे।

ब्रह्मर्षि परिवार बोकारो का वन भोज 1 फरवरी को

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ब्रह्मर्षि परिवार बोकारो के सदस्यों की बैठक सेक्टर 4 में नरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में हुई, जिसमें परिवार मिलन समारोह सह वन भोज का आयोजन 1 फरवरी 2026 को वन भोज स्थल सिटी पार्क में करने का निर्णय लिया गया। आयोजक मंडल सदस्य कमलेश राय ने सभी से बढ़-चढ़कर कार्यक्रम में परिवार सहित हिस्सा लेने का आग्रह किया। बैठक में मुख्य रूप से कमलेश राय नरेंद्र कुमार राजीव कुमार राय ,नग नारायण प्रसाद शाही, प्रेम कुमार,नरेंद्र कुमार राय कृष्णा राय, श्याम मनोहर सिंह , पीयूष राय ,दीनदयाल शर्मा ,बीके सिंह,देव नारायण सुधांशु , पंकज कुमार सिंह, सुधीर कुमार सिंह, दीपक सिंह, दुर्गेश कुमार, सुमन राय, अनिल कुमार प्रमोद कुमार, संजय कुमार, राम श्लोक शर्मा जितेंद्र तिवारी, आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे '

स्वदेशी मेला 27 जनवरी से निर्माण कार्य तेज

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। इस्पातांचल स्वदेशी मेला का निर्माण कार्य जोरों से चल रहा है । यह मेला 27 जनवरी से 5 फरवरी तक चलेगा । मेले का उद्घाटन धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो द्वारा होगा। इस आशय कि जानकारी मंच के प्रचार प्रसार प्रमुख सुजीत कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि इस 23 वां स्वदेशी मेले में देश के कोने- कोने से स्टॉल धारक अपने-अपने स्टाल के साथ प्रदर्शनी में भाग लेंगे। अभी तक खादी के कपड़े, भागलपुरी सिल्क,लुधियाना के गर्म कपड़े, चीनी मिट्टी मिट्टी के बने वस्तु टेराकोटा गृहिणियों के लिए केटलरी, भदोही के कार्पेट सहारनपुर के फर्नीचर उषा सिलाई मशीन गोवर्धन स्टील अलमारी हाउसिंग के क्षेत्र में प्रसिद्ध आशियाना, बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले नौका विहार के साथ लजीज पकवानों का स्टॉल अभी तक बुक हो चुके हैं। वहीं दूसरी ओर यहां के प्रसिद्ध मजदूर मैदान में मेला निर्माण कार्य शुरू हो गया है । साथ ही कार्यकताओं में दायित्वों का भी वितरण हो चुका है। मंच के अधिकारियों निर्माण कार्य का निरंतर निरीक्षण कर रहे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत धनबाद में बनेगी मानव श्रृंखला

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं आम नागरिकों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पूरे देश में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला प्रशासन एवं धनबाद पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में 25 जनवरी को एक व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम के तहत मानव श्रृंखला का आयोजन किया जाएगा। यह मानव श्रृंखला 25 जनवरी की सुबह 7 बजे रणधीर वर्मा चौक से प्रारंभ होकर स्टील गेट होते हुए गोल बिल्डिंग तक बनाई जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करना, यातायात नियमों के पालन के महत्व को समझाना तथा दुर्घटनाओं में कमी लाना है। ट्रैफिक डीएसपी अरविन्द सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का समय 25 जनवरी की सुबह 7 बजे से 9 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस दौरान रणधीर वर्मा चौक से स्टील गेट होते हुए गोल बिल्डिंग तक जाने वाले मार्ग के एक लेन में यातायात बाधित रहेगा। कार्यक्रम के दौरान गोल बिल्डिंग से रणधीर वर्मा चौक की तरफ आने वाले रूट में भी यातायात व्यवस्था प्रभावित हो सकता है। मानव श्रृंखला के मद्देनजर पुलिस प्रशासन द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि निर्धारित समयावधि में रणधीर वर्मा चौक से गोल बिल्डिंग की तरफ आने जाने वाले मार्ग का उपयोग न करें तथा किसी भी आपात स्थिति में वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें ताकि कोई असुविधा न हो।

असामाजिक तत्वों ने चार स्कूल बसों को किया आग के हवाले

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिले के पिंडराजोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत आमतल स्थित आनंद मार्ग द्वारा संचालित गुरुकुल पब्लिक स्कूल में बीती देर रात करीब 10:30 बजे असामाजिक तत्वों ने तीन स्कूल बस और एक टाटा मैजिक में आग लगा दी। इस आगजनी की घटना में तीनों बसें और टाटा मैजिक पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। स्कूल प्रबंधन के अनुसार इस घटना में लगभग एक करोड़ 80 हजार रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। जानकारी के मुताबिक, रात के समय स्कूल परिसर में सभी लोग अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। अचानक आग लगने की सूचना गार्ड को मिली। जब गार्ड और अन्य कर्मी बाहर निकलने का प्रयास करने लगे तो पाया कि उनके कमरों का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया गया था। किसी तरह दरवाजा खुलवाकर वे बाहर निकले, लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह आग की चपेट में आ चुके थे। बताया जा रहा है कि शरारती तत्वों ने स्कूल के बाहर और कैंपस में लगे सीसीटीवी कैमरों के तार भी काट दिए थे, ताकि घटना

की रिकॉर्डिंग न हो सके। इससे साफ जाहिर होता है कि वारदात को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया है। स्कूल के निदेशक ने तुरंत इस घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस और अग्निशमन दल मौके पर पहुंचे, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही वाहन पूरी तरह जल चुके थे। फिलहाल आग लगाने की वजह का पता नहीं चल पाया है। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि जिस तरह से ह्लविद्या के मंदिरह्व में इस प्रकार की हरकत की गई है, वह बेहद निंदनीय है। उन्होंने आशंका जताई कि यह किसी साजिश का हिस्सा हो सकता है, क्योंकि अब यह विद्यालय आनंद मार्ग संस्था द्वारा संचालित किया जाता है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और दोषियों की तलाश की जा रही है।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर गुरुदास भवन मे श्रद्धांजलि कार्यक्रम

निरसा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। देश की आजादी के महानायक आजाद हिन्द फौज के संस्थापक और क्रांतिकारी विचारधारा के प्रतीक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती भाकपा माले की ओर से श्रद्धा, सम्मान और संघर्ष के संकल्प के साथ मनाई गई। सर्वप्रथम सभी 2 मिनट का मोन रखे एवं उसके बाद नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माला अर्पण एवं श्रद्धांजलि दिया। इस अवसर पर निरसा प्रखंड परिसर में प्रतिमा और माले कार्यालय में नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आगम राम ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस केवल एक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि औपनिवेशिक शोषण के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष, आत्मसम्मान और राष्ट्रीय स्वाभिमान की विचारधारा थे। उनके साहस, त्याग और क्रांतिकारी सोच से आज भी देश के मेहनतकश, नौजवान और शोषित वर्ग को संघर्ष की प्रेरणा मिलती है। कार्यकताओं ने नेताजी के दिखाए मार्ग-न्याय, समानता और आजादी के

अधूरे सपनों—को पूरा करने का संकल्प दोहराया। इस कार्यक्रम में कॉमरेड आगम राम, टूटुन मुखर्जी, हरेंद्र सिंह, मनु सिंह, मुमताज अंसारी, ललन सिंह, सुखलाल सोरेन, प्रभु सिंह, गुलाम रब्बानी, मागन बाउरी, दीपू, दीपक, अतिकूर सहित दर्जनों लोग पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे।

बाल विवाह रोकथाम पर किशोरियों की नुक्कड़ नाटक प्रशिक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सहयोगिनी संस्था के तत्वावधान में बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से किशोरियों के बीच नुक्कड़ नाटक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस दौरान बाल विवाह रोकथाम से जुड़ी कानूनी जानकारी के साथ-साथ सरकार की महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं पर किशोरी लीडर्स के बीच नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करने का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि नुक्कड़ नाटक के जरिए किशोरिया बाल विवाह के खिलाफ जंग को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह एक कानूनन अपराध है। जिससे लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भरता में भी बड़ी बाधा बनता है। नाटक के माध्यम से बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत मिलने वाली सजा और अधिकारों को सरल एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि बाल विवाह के खिलाफ का सामान प्रखंड के 30 गांव में साधारण रूप से कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसी संदर्भ में आज किशोरियों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गांव में जागरूकता पर कार्यक्रम संचालित करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षक प्रेम कुमार ने किशोरियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'नुक्कड़ नाटक जैसे सशक्त माध्यम समाज में तेजी से जागरूकता फैलाने का कार्य करते हैं। यदि किशोरियाँ अपने अधिकारों को पहचान लें, तो बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को जड़ से समाप्त किया जा सकता है।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत मुआवजा को लेकर सड़क जाम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिले के माराफारी थाना क्षेत्र अंतर्गत बांसगोड़ा के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पर शुक्रवार संध्या करीब चार बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में झरिया निवासी मंटू विश्वकर्मा की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से मंटू की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मंटू बाइक समेत ट्रक के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आक्रोशित स्थानीय लोगों और परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर एनएच को जाम कर दिया। इसके कारण बोकारो से बालीडीह जाने वाली सड़क पर लगभग दो किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। मृतक के पिता योगेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि वे अपनी बेटी के लिए लड़का देखने झरिया से बांसगोड़ा जा रहे थे। दो बाइकों पर कुल चार लोग सवार थे। उनका बेटा मंटू दूसरी बाइक पर पीछे चल रहा था और वे खुद ट्रक के पीछे थे। बांसगोड़ा के पास ही ट्रक ने मंटू की बाइक को चपेट

में ले लिया। योगेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि उनका बेटा इलेक्ट्रिशियन का काम करता था और वही परिवार का मुख्य कमाने वाला था। अब परिवार के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने सरकार और ट्रक मालिक से नियमों के अनुसार मुआवजा देने की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही माराफारी थाना प्रभारी आजाद खान मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि ट्रक मालिक को घटनास्थल पर बुलाया गया है ताकि मुआवजे को लेकर बातचीत की जा सके और स्थिति को शांत किया जा सके। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा एवं नेताजी की जयंती मनाई गई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती विद्या मंदिर 3सी में आज श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ सरस्वती विद्या पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर पूर्णतः भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। प्रातःकाल वैदिक मंत्रोच्चार के साथ माँ सरस्वती की प्रतिमा की स्थापना कर विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना संपन्न हुई। आचार्यगण, आचायाएँ एवं भैया-बहनों ने माँ सरस्वती से विद्या, विवेक, सद्बुद्धि एवं सद्संस्कार प्रदान करने की प्रार्थना की। पूजा उपरांत विद्यालय में विद्यारंभ संस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नन्हे भैया-बहनों ने आचार्यगण के मार्गदर्शन में विधिवत अक्षरारंभ कर अपने औपचारिक शैक्षणिक जीवन की शुभ शुरूआत की। अभिभावकों की उपस्थिति में संपन्न यह संस्कार बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि, अनुशासन एवं संस्कारबोध को सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ। इसी क्रम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर भैया-बहनों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत प्रस्तुत किए तथा समूह नृत्य के माध्यम से नेताजी के साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के सचिव महोदय ने कहा कि सरस्वती विद्या मंदिर केवल शिक्षा प्रदान करने का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कारयुक्त एवं राष्ट्रनिष्ठ नागरिकों के निर्माण का पावन स्थल है। माँ सरस्वती की आराधना, विद्यारंभ संस्कार और नेताजी के आदर्श—तीनों मिलकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने भैया-बहनों से अनुशासन, परिश्रम एवं राष्ट्रसेवा को जीवन का लक्ष्य बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में आचार्यगण ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि विद्या, संस्कार एवं राष्ट्रभक्ति का समन्वय ही सच्ची और सार्थक शिक्षा का मूल उद्देश्य है।

मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के लिए आशीर्वाद समारोह

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में कक्षा दशम के विद्यार्थियों के लिए आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ विधि पूर्वक सरस्वती पूजन एवं हवन के साथ किया गया। हवन के पश्चात विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य देव दुलाल मित्रा ने समारोह में उपस्थित अतिथि महानुभावों का परिचय करवाया । विद्यालय में हमें परिवार की अनुभूति होती है। छात्रों को राष्ट्र निर्माण में सहायक बन निरंतर सफलता के शीर्ष को छूने की शुभकामनाएँ दी। इस समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित स्कूल के सचिव दिलीप कुमार झा ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को आचार्यों से प्राप्त संस्कार एवं जीवन मूल्यों को आत्मसात कर समाज में उनका प्रचार -प्रसार करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार ने अपने संवाद में कहा कि प्रेरक प्रसंग के माध्यम से छात्रों को अपनी अलग पहचान बनाने और सोच -विचार कर उचित मार्ग का चुनाव करते हुए जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों को जीवन में आत्मसम्मान , आत्मनिर्भरता और उत्तम चरित्र को अपनाकर आगे बढ़ने और भविष्य में विद्यालय से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया।

सरस्वती विद्या मंदिर में ज्ञान एवं विद्या की अधिष्ठात्री मां सरस्वती की आराधना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9डी में विद्या एवं ज्ञान की देवी माता सरस्वती की पूजा धूमधाम से की गई। पूजा में विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत एवं कक्षा दशम के भैया अक्षांश ने संयुक्त रूप से यजमान के रूप में माता की आराधना की। साथ ही विद्यालय के सभी भैया - बहन पूजा में सामूहिक रूप से सम्मिलित हुए । सभी ने माता को पुष्प अर्पित की । इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय में माता के आराधना की पुरानी परंपरा है। जिसके माध्यम से बालक अपनी संस्कृति को संजोते हुए विद्या की अधिष्ठात्री देवी माता सरस्वती के प्रति अपने समर्पण और भक्ति को जागृत करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती भी है। जिनसे हमें यह प्रेरणा मिलती है कि कोई भी लक्ष्य छोटा या बड़ा नहीं होता। उन्होंने जिस प्रकार से भारत माता की आजादी के लिए संकल्प लिया और आजाद हिंद फौज की स्थापना कर अंग्रेजों को चुनौती दी वह अद्वितीय है। आज के नौजवानों को उनसे सीख लेकर राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर समाज से आए बालकों का अक्षरारंभ भी कराया गया।

विद्यालय के आचार्य नंदन कुमार पांडे ने पुरोहित के रूप में माता की पूजा एवं बालकों का अक्षरारंभ संस्कार कराया। पूजा में विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के उपाध्यक्ष निरंजन कुमार सिंह, कृष्णा राय, सचिव गुप्तेश्वर प्रसाद सिंह ,प्रभारी आचार्य चंदन सरकार,नेहा कुमारी, कार्यक्रम के प्रमुख सुभाष कुमार , सह प्रमुख मेघनाथ कुमार, कार्यालय प्रमुख शुभम प्रताप, सह प्रमुख प्रणव कुमार के साथ-साथ पूरा विद्यालय परिवार शामिल हुआ।

वाहन चालक नियमों का पालन करें तो दुर्घटनाओं में लाई जा सकती है काफी हद तक कमी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान शहर के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को रोककर उन्हें सड़क सुरक्षा से संबंधित पंपलेट वितरित किए गए। अभियान के तहत बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग, मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए वाहन चलाने तथा गलत दिशा में वाहन चलाने वालों को यातायात नियमों की जानकारी दी* गई। पंपलेट के माध्यम से चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, गति सीमा का पालन, शराब पीकर वाहन न चलाने तथा सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

वाहन चालक नियमों का पालन करें तो दुर्घटनाओं में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है-

यातायात पुलिस पदाधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं की मुख्य वजह यातायात नियमों की अनदेखी है। यदि सभी वाहन चालक नियमों का पालन करें तो दुर्घटनाओं में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है। इस तरह के जागरूकता अभियान का उद्देश्य दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ लोगों में सुरक्षा के प्रति चेतना विकसित करना है। जागरूकता अभियान के दौरान कई वाहन चालकों ने जिला प्रशासन द्वारा की गई इस पहल की सराहना की और भविष्य में यातायात नियमों का पालन करने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर आगे भी इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम लगातार चलाए जाएंगे।

श्री राम सेना ने मनाई सुभाष चंद्र बोस की जयंती

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 139 वीं जयंती समारोह पर श्री राम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने कोयला नगर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस मौके पर श्री सिंह ने कहा कि नेता जी सुभाष चन्द्र बोस देश आजादी के वे महानायक थे, जिन्होंने

अपनी अंतिम सांस तक भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी। कहां कि उन्होंने आजाद हिन्द फौज का गठन किया। वे महान स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी नेता और सच्चे देशभक्त थे। देश की स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को कोई सानी नहीं है। वे एक साहसी और स्वतंत्रता के प्रति अति उत्साहित नेता थे। स्वतंत्रता समानता राष्ट्रभक्ति के लिए उनके संघर्ष को भुलाया नहीं जा सकता।आगे कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस केवल एक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि औपनिवेशिक शोषण के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष, आत्मसम्मान और राष्ट्रीय स्वाभिमान की विचारधारा थे। उनके साहस, त्याग और क्रांतिकारी सोच से आज भी देश के मेहनतकश, नौजवान और शोषित वर्ग को संघर्ष की प्रेरणा मिलती है। सशक्त भारत के लिए युवाओं को उनके आदर्शों पर चलने की जरूरत है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती कार्यक्रम में उमेश तिवारी, संजय सिंह, दताजी, प्रदीप सिंह, अंजय पांडे, शनि प्रताप सिंह शकर यादव इत्यादि शामिल थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK